जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 34 प्रभात बीकानेर, मंगलवार 26 अगस्त, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

भारत ने ट्रंप से डील करने के लिए ''मर्करी पब्लिक अफेयर्स'' की सेवाएं लीं

यह पोलिटिकल लॉबिइंग फर्म है जिसकी वाइट हाउस में गहरी पैठ है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अगस्त। टैरिफ (आयात शुल्क) को लेकर लड़ाई अब केवल व्यापारिक मंचों और शिखर सम्मेलनों तक सीमित नहीं रही - यह वॉशिंगटन के प्रभाव वाले क्षेत्रों तक पहुँच चुकी है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारतीय निर्यात पर 50 प्रतिशत तक की भारी ड्यूटी लगाए जाने की संभावना के बीच, नई दिल्ली ने अपने सबसे प्रभावशाली राजनीतिक हथियार ''लॉबिइंग'' को सक्रिय कर दिया है। वाइट हाउस से गहरे संबंध रखने वाली एक दूसरे नम्बर की हाई-पावर्ड फर्म को हायर करके भारत ने साफ संकेत दे दिया है कि वह अपने आर्थिक हितों या वॉशिंगटन में अपनी रणनीतिक पकड़ को बिना लड़े कमज़ोर नहीं होने देगा।

- ट्रंप के साथ टैरिफ वॉर में अब भारत ने अपने सबसे महत्वपूर्ण हथियार को काम में लिया है और वह है ''पोलिटिकल लॉबिइंग'' इसके लिए मर्करी पब्लिक अफेयर्स से 1.96 करोड़ रु. में तीन माह का करार किया है।
- वाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप की प्रभावशाली चीफ ऑफ स्टाफ सूज़ी वाइल्स से मर्करी की निकटता जग जाहिर है। सूज़ी मर्करी के लिए काम कर चुकी हैं।
- भारत के अलावा डेनमार्क, इक्वाडोर, आर्मेनिया व दक्षिण कोरिया ने भी इस फर्म की सेवाएं ली हैं।
- अमेरिका में लॉबिइंग बेहद महत्वपूर्ण है। आर्थिक रुप से विपन्न पाकिस्तान भी 6 ऐसी फर्मों पर प्रति माह 5.2 करोड़ रु. खर्च करता है।

यूएस फॉरेन एजेंट्स रजिस्ट्रेशन एक्ट (एफएआरए) के तहत हुए अनिवार्य खुलासों के अनुसार, वॉशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास ने ''मरकरी पब्लिक अफेयर्स'' नामक फर्म के साथ तीन महीने का अनुबंध किया है, जिसकी कुल लागत 225,000 (लगभग 1.96 करोड़) है। यह अनुबंध 15 अगस्त से प्रभावी है और इसके तहत मरकरी को संघीय लॉबिइंग, मीडिया आउटरीच, सोशल मीडिया रणनीति, विज्ञापन, और भारत की सार्वजनिक छवि का डिजिटल ऑडिट करना है, जो नवंबर के मध्य तक चलेगा।

इस व्यवस्था को खास बनाने वाली बात यह है कि मरकरी का वर्तमान वाइट हाउस से बेहद नजदीकी संबंध है। राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प की प्रभावशाली चीफ ऑफ स्टाफ सूज़ी वाइल्स पहले मरकरी के वॉशिंगटन और फ्लोरिडा कार्यालयों की प्रमुख रह चुकी हैं और ट्रम्प के 2024 के चुनाव अभियान की अगुआई भी कर चुकी हैं। यह व्यक्तिगत और संस्थागत संबंध भारत को वॉशिंगटन के व्यक्तित्व-प्रधान सत्ता गलियारों में अधिक प्रभावशाली बना सकता है।

भारत इस राह पर अकेला नहीं है। ट्रम्प की सत्ता में वापसी के बाद डेनमार्क, इक्वाडोर, आर्मेनिया और दक्षिण कोरिया जैसे कई देशों ने भी मरकरी को हायर किया है। हालांकि नई दिल्ली के लिए स्थिति ज्यादा गंभीर है, क्योंकि नया टैरिफ ढांचा अमेरिकी बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता को नुकसान पहुंचा सकता है, एक ऐसे समय में जब द्विपक्षीय व्यापार भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी की रीढ़ बन चुका है।

मरकरी के साथ हुआ यह समझौता वॉशिंगटन में भारत की पहले से मजबूत लॉबिइंग उपस्थिति में एक और कड़ी जोड़ता है। सन् 2023 से भारत ने सालाना 1.8 मिलियन (लगभग 15.7 करोड़) की फीस पर दायर कर रखा है, जिसका नेतृत्व ट्रम्प के पूर्व सलाहकार जेसन मिलर कर रहे हैं। यह अनुबंध रणनीतिक सलाह, सरकारी संपर्क और भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, विशेषकर ऐसे समय में जब वॉशिंगटन भारत की विदेश नीति,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंचायत चुनाव जल्दी कराने के कोर्ट के आदेश पर रोक लगी

जयपुर, 25 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ की ओर से गत 18 अगस्त को प्रदेश की पंचायतों के चुनाव जल्दी कराने और करीब डेढ़ दर्जन प्रशासकों को पद से हटाने पर रोक लगाने के आदेश पर खंडपीठ ने रोक लगा दी है। जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संजीत पुरोहित ने यह आदेश राज्य सरकार की अपील पर दिए। अदालत ने कहा कि समान बिंदु पर खंडपीठ के समक्ष मामला लंबित है।

अपील में अतिरिक्त महाधिवक्ता कपिल प्रकाश माथुर ने बताया कि एकलपीठ ने गत 18 अगस्त को पंचायतों के चुनाव जल्दी कराने के

- हाईकोर्ट की एकलपीठ के आदेश की क्रियान्विति पर डबल बैंच ने रोक लगाई।

आदेश देते हुए याचिकाकर्ता प्रशासकों को पद से हटाने पर रोक लगाई थी। अपील में कहा गया कि पूर्व में पंचायतों के तीन चरणों में चुनाव हुए थे। ऐसे में संबंधित सरपंचों का कार्यकाल भी अलग-अलग चरणों में पूरा हो रहा है। राज्य सरकार सभी पंचायतों के चुनाव एक साथ कराना चाहती है। इसलिए कार्यकाल पूरा कर चुके सरपंचों को ही प्रशासक नियुक्त कर दिया गया। यह व्यवस्था अस्थाई तौर पर और पंचायतों के दैनिक कामकाज को सुचारू चलाने के लिए की गई थी। वहीं बाद में कुछ प्रशासकों की शिकायत मिलने पर उन्हें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'धनखड़ के बारे में सच-झूठ की व्याख्या विपक्ष की राय पर आधारित नहीं होनी चाहिए'

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ के ''हाउस अरैस्ट'' की चर्चा पर यह बात कही

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 25 अगस्त। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफा देने और उसके बाद सार्वजनिक रूप से पूरी तरह गायब रहने को लेकर आज केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की तो भ्रम और गहरा गया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि शाह की टिप्पणी ने पूर्व उपराष्ट्रपति के इस्तीफे और उनकी गैर मौजूदगी से संबंधित रहस्य को और उलझा दिया है।

जयराम रमेश ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, ''श्री जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई, 2025 की रात को अचानक और अप्रत्याशित रूप से भारत के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया। यह अभूतपूर्व था एक दिन बाद, प्रधानमंत्री ने बस उन्हें अच्छे स्वास्थ्य की शुभकामना दी। आज गृह मंत्री ने कुछ और कहने की कोशिश की। लेकिन उन्होंने रहस्य को और गहरा ही किया है।'' उनकी यह टिप्पणी गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान के बाद आई जिसमें उन्होंने कहा कि धनखड़ ने स्वास्थ्य

- गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि, धनखड़ के त्यागपत्र में साफ लिखा था वे स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दे रहे हैं। इसमें ज्यादा सोच विचार की जरुरत नहीं है।
- कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने केन्द्रीय गृह मंत्री शाह के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि शाह के स्पष्टीकरण से धनखड़ की गैर मौजूदगी पर रहस्य और गहरा हो गया है।
- जयराम रमेश ने कहा कि शाह यह नहीं बता पाए कि किसानों के हितैषी और इतने मुखर नेता धनखड़ से इस्तीफा देने के बाद कोई संवाद क्यों नहीं हो पा रहा है।
- ज्ञातव्य है कि धनखड़ ने मानसून सत्र के पहले ही दिन स्वास्थ्य कारणों से अचानक इस्तीफा दे दिया था, तब से वे सार्वजनिक जीवन से गायब हैं।

कारणों से इस्तीफा दिया और विपक्ष को इस मुद्दे को तूल नहीं देना चाहिए।

समाचार एजेंसी एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में शाह ने कहा, धनखड़ साहब का इस्तीफा पत्र अपने आप में स्पष्ट है। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री, अन्य मंत्रियों और सरकार के सदस्यों के प्रति अपने अच्छे कार्यकाल के लिए हार्दिक आभार भी व्यक्त किया है।

गृह मंत्री ने यह भी कहा कि कुछ विपक्षी नेताओं द्वारा लगाए गए इस आरोप कि धनखड़ को नज़रबंद कर दिया गया है, निराधार हैं।

उन्होंने कहा, ''सच और झूठ की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डूंगरपुर में भारी बारिश, बेणेश्वर धाम टापू बना

माही बांध के गेट खोले जाने के बाद से बेणेश्वर धाम के चारों तरफ पानी भर गया है

डूंगरपुर, 25 अगस्त (निसं)। जिले भर में पिछले दो दिन लगातार तेज व मध्यम गति की बारिश हो रही है, जिसके कारण जिले के कई तालाब व बांध अपनी भराव क्षमता को पार कर चुके है। वहीं जिले का प्रमुख आस्था का केंद्र बेणेश्वर धाम तीन दिन से टापू बना हुआ है। जबसे माही बांध के गेट खोले गए तबसे जिले का सबसे बड़ा धर्मस्थल बेणेश्वर धाम के चारों और पानी ही पानी है। तीन दिन पूर्व वहां पर बड़ी संख्या में तीर्थ यात्री फंस गए थे, जिन्हें प्रशासन ने सुरक्षित निकाला। सोमवार को यही हालत रही, मौके पर प्रशाशनिक अधिकारी नियुक्त है, ताकि कोई जनहानि न हो। प्रशासन ने बेणेश्वर धाम की वर्तमान स्थिति को देखते हुए सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।

वहीं जिले के सबसे बड़े बांध सोम कमला आम्बा के सात गेट 1-1 मीटर खोले गये हैं तथा आसपास के काश्तकारों को सावधान कर दिया गया है। इधर लगातार बारिश के चलते पुराने

- प्रशासन ने वहां फंसे श्रद्धालुओं को निकाला और मौके पर प्रशासनिक अधिकारी को तैनात किया ताकि हालात पर नज़र रखी जा सके।
- डूंगरपुर जिले के सभी बांध और तालाब लबालब हो गए हैं तथा कई बांध ओवर फ्लो हो रहे हैं।
- कागदर नदी उफान पर है, जिससे देव सोमनाथ पुल पर एक से दो फीट पानी बह रहा है।
- डूंगरपुर शहर में भी बारिश से हालात खराब हैं। सड़कों पर दो से तीन फीट पानी है। स्कूलों, आंगनबाड़ी केन्द्रों आदि में छुट्टी कर दी गई है।

शहर में सड़कें दरिया बन गई है। सड़कों पर 2 से 3 फीट तक पानी भर गया है। डूंगरपुर में भारी बारिश के अलर्ट के चलते सोमवार को स्कूल, मां बाडी केंद्र और आंगनबाड़ी केंद्रों में छुट्टियां रही।

डूंगरपुर शहर के पुराना विजय स्कूल की चार दीवारी का कुछ हिस्सा ढह गया है। हालांकि स्कूल में छुट्टी की वजह से कोई जनहानि नहीं हुई है। जिले के कनबा इलाके में सबसे अधिक साढे तीन इंच बरसात हुई है, जबकि डूंगरपुर और देवल में ढाई-ढाई इंच बरसात हुई है। अमरपुरा सहित 7 छोटे-बड़े बांध व तालाब ओवरफ्लो हो गए हैं। कागदर नदी से लगातार पानी की आवक के कारण जहां देवसोमनाथ पुल पर एक से दो फीट पानी बह रहा है, इसलिए दोनों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जंतर-मंतर पर फिर डटे किसान

नई दिल्ली, 25 अगस्त। फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी की मांग को लेकर किसान एक बार फिर प्रदर्शन करने की राह पर हैं। सोमवार को जंतर-मंतर पर हजारों किसानों ने एकजुट होकर केंद्र सरकार से एमएसपी की मांग की। किसानों का कहना है कि एमएसपी किसानों के लिए मूल अधिकार के समान है जिसके बिना खेती को लाभकारी नहीं बनाया जा सकता। किसानों की मांग है कि केंद्र सरकार उन्हें कर्ज से मुक्ति दे और एमएसपी को कानूनी अधिकार घोषित

- किसानों ने सरकार से एमएसपी देने की मांग की है।

करे जिससे उन्हें अपनी ही फसलों के लिए सही दाम पाने के लिए बार-बार आंदोलन न करना पड़े।

किसानों की महापंचायत में पंजाब से आए सुखविंदर सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार ने अपने पिछले 10-11 वर्षों के कार्यकाल में देश के बड़े उद्योगपतियों के लाखों करोड़ रुपये के कर्ज माफ कर चुकी है। लेकिन पूरे देश के किसानों का पूरा कर्ज 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक नहीं है। ऐसे में केंद्र सरकार को किसानों को एकमुश्त कर्ज से मुक्ति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सुदर्शन रेड्डी पर शाह की टिप्पणी पूर्वाग्रह से भरी गलत व्याख्या है'

सुप्रीम कोर्ट के 7 पूर्व न्यायाधीशों सहित 18 पूर्व जजों ने अमित शाह के खिलाफ हस्ताक्षरित बयान जारी किया

नई दिल्ली, 25 अगस्त। सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के एक समूह ने सलवा जुडूम फैसले को लेकर विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी पर गृह मंत्री अमित शाह के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है। उन्होंने कहा कि इससे बचना ही समझदारी होगी। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश कुरियन जोसेफ, मदन बी. लोकुर और जे. चेलमेश्वर सहित 18 सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के समूह ने यह भी कहा कि एक उच्च राजनीतिक पदाधिकारी की ओर से शीर्ष अदालत के फैसले की पूर्वाग्रहपूर्ण गलत व्याख्या से न्यायाधीशों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

दरअसल, शाह ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश रेड्डी पर नक्सलवाद का समर्थन करने का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था कि सलवा जुडूम फैसले के बिना वामपंथी उग्रवाद 2020 तक समाप्त हो गया होता।

18 पूर्व न्यायाधीशों द्वारा हस्ताक्षरित बयान में कहा गया कि केंद्रीय

- शाह के खिलाफ बयान पर हस्ताक्षर करने वालों में सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत न्यायाधीश जस्टिस चेलमेश्वर, मदन बी.लोकुर, कुरियन जोसेफ, अभय ओका, गोपाल गौडा व विक्रमजीत सेन शामिल हैं।
- सेवानिवृत न्यायाधीशों के समूह ने कहा कि एक उच्च राजनैतिक पदाधिकारी द्वारा सुप्रीम कोर्ट के फैसले की गलत व्याख्या करने से न्यायाधीशों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।
- ज्ञातव्य है कि अमित शाह ने कहा था कि सुदर्शन रेड्डी ने सल्वा जुडुम खत्म करने का फैसला न दिया होता तो नक्सलवाद 2020 में ही खत्म हो जाता।

गृह मंत्री अमित शाह का सलवा जुडूम मामले में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की सार्वजनिक रूप से गलत व्याख्या करना दुर्भाग्यपूर्ण है। यह फैसला कहीं भी, न तो स्पष्ट रूप से और न ही इसके पाठ के किसी भी निहितार्थ के माध्यम से, नक्सलवाद या उसकी विचारधारा का समर्थन करता है। इस बयान पर हस्ताक्षर करने वाले सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश ए के पटनायक, अभय ओका, गोपाल गौड़ा, विक्रमजीत सेन, कुरियन जोसेफ, मदन बी. लोकुर और जे. चेलमेश्वर भी हैं।

सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने कहा, भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए प्रचार अभियान वैचारिक हो सकता है, लेकिन इसे शालीनता और गरिमा के साथ चलाया जा सकता है। किसी भी उम्मीदवार की तथाकथित विचारधारा की आलोचना से बचना चाहिए। किसी उच्च राजनीतिक पदाधिकारी की ओर से सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की पूर्वाग्रह पूर्ण व्याख्याता गलत व्याख्या का सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और न्यायपालिका की स्वतंत्रता को हिला सकता है।

सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने कहा कि भारत के उपराष्ट्रपति के पद के सम्मान में नाम-निंदा से बचना ही समझदारी होगी। सुप्रीम कोर्ट के सात सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के अलावा उच्च न्यायालयों के तीन पूर्व मुख्य न्यायाधीशों गोविंद माथुर, एस. मुरलीधर और संजीव बनर्जी ने भी बयान पर हस्ताक्षर किए। पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में उच्च न्यायालयों के पूर्व न्यायाधीश अंजना प्रकाश, सी. प्रवीण कुमार, ए. गोपाल रेड्डी, जी. रघुराम,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री ने सांसदों, विधायकों, प्रत्याशियों व पार्टी पदाधिकारियों के साथ मंथन किया

उन्होंने प्रदेश के विकास के कार्यों के लिये प्रतिबद्धता से काम करने का आव्हान किया

जयपुर, 25 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विकसित राजस्थान2047 के संकल्प को तेजी से साकार करने के क्रम में सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर कोटा, झालावाड़-बारां, टोंक-सवाईमाधोपुर, भरतपुर, करौली-धौलपुर, उदयपुर, राजसमन्द, चित्तोड़गढ , भीलवाड़ा एवं बांसवाड़ा लोकसभा क्षेत्र के सांसदों एवं प्रत्याशियों तथा इन संसदीय क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले विधानसभा क्षेत्रों के विधायकों, प्रत्याशियों तथा भाजपा जिला अध्यक्षों के साथ गहन मंथन किया। इस दौरान शर्मा ने राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं एवं नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा करते हुए उनसे प्रदेश के विकास के कार्यों के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का आ ान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सुशासन के माध्यम से सर्वांगीण विकास सुनिश्चित कर जनसेवा के नए कीर्तिमान स्थापित किए है। संवाद के दौरान सांसद-विधायकों और पार्टी पदाधिकारियों ने राज्य सरकार के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान में ऐतिहासिक निर्णयों से अभूतपूर्व

- पहले दिन मुख्यमंत्री आवास पर हुए गहन मंथन में कोटा, झालावाड़-बारां, टोंक सवाईमाधोपुर, भरतपुर, करौली-धौलपुर, उदयपुर, राजसमन्द, चितौड़, भीलवाड़ा व बांसवाड़ा के जनप्रतिनिधी शामिल हुए।

बदलाव आए है। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, अशोक परनामी, सीपी जोशी भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, आज सरकार और संगठन बेहतर समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं। सांसद और विधायक सहित संगठन के पदाधिकारी राज्य सरकार की अभूतपूर्व उपलब्धियों से गौरवान्वित हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को कोटा, झालावाड़-बारां, टोंक-सवाईमाधोपुर, भरतपुर, करौली-धौलपुर, उदयपुर, राजसमन्द, चित्तौड़गढ़ , भीलवाड़ा एवं बांसवाड़ा लोकसभा क्षेत्र के सांसदों, विधायकों, प्रत्याशियों तथा भाजपा जिला अध्यक्षों के साथ गहन मंथन किया।

संवाद कार्यक्रम के पश्चात पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने संयुक्त प्रेस वार्ता आयोजित की। प्रेस वार्ता में पत्रकारों को संबोधित करते हुए राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री ने नवाचार करते हुए जनप्रतिनिधियों और पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच में संवाद कार्यक्रम रखा। संवाद कार्यक्रम के दौरान राज्य के 5 हजार गांवों को गरीबी मुक्त करने पर चर्चा की गई। इस हेतु प्रत्येक मापदंड के आधार पर कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जाएगा।

राठौड़ ने कहा कि जनकल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। इसी क्रम में हम 16 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा का आयोजन करने जा रहे है। साथ ही, 29 सितम्बर से 31 अक्टूबर तक सांसद खेल महोत्सव आयोजित करने की रूपरेखा भी बनाई है।

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी ने कहा कि कार्यक्रम में यह भी तय किया गया है कि सभी विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र के विद्यालयों के मरम्मत और नवीन निर्माण कार्यों की सूची तैयार करके भेजेंगे। जिससे वहां शीघ्र कार्य शुरू हो सके।

संघ का तीन दिवसीय संवाद कार्यक्रम आज से

नई दिल्ली, 25 अगस्त। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे करने जा रहा है। संघ ने शताब्दी वर्ष मनाने की तैयारी तेज कर दी है। इसके लिए दिल्ली में तीन दिवसीस संवाद कार्यक्रम करने का एलान किया गया। आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने सोमवार को कार्यक्रम की

- संघ के शताब्दी वर्ष की तैयारी के सम्बंध में यह कार्यक्रम दिल्ली में हो रहा है, जिसमें मोहन भागवत भी हिस्सा लेंगे।

जानकारी दी। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि आरएसएस शताब्दी वर्ष दो अक्तूबर विजयादशमी से शुरू होगा। शताब्दी वर्ष पर संघ के विचारों को समाज तक पहुंचाने के उद्देश्य से दिल्ली में तीन दिवसीय संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। 26, 27 और 28

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

विश्व इतिहास में प्रत्येक महान और महत्त्वपूर्ण आन्दोलन उत्साह द्वारा ही सफल हो पाया है। –एमर्सन

सुशासन के लिए अधिक आवश्यक क्या - नियम या नीयत?

भारत का संविधान विश्व के सर्वश्रेष्ठ संविधानों में से एक है। यहां पर अनेक प्रकार के कानून, नियम, प्रक्रियाएं और दिशा निर्देश बने हुए हैं। इन सबके उपरांत भी अभी तक भारत में असमानता इतनी अधिक क्यों है? सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ वांछित, वंचित वर्ग तक क्यों नहीं पहुंचता है? क्यों भ्रष्टाचार दिन-प्रतिदिन अधिक फल फूल रहा है?

सरकार का हर निर्णय इसी कथित उद्देश्य से लिया जाता है कि उससे भ्रष्टाचार कम होगा और आम जन को अपने कार्य करवाने में सुविधा मिलेगी। उसे अनावश्यक दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। वास्तव में ऐसा होता किसी को दिखाई नहीं देता। यहां तक कि जैसे-जैसे डिजिटाइजेशन और कंप्यूटराइजेशन बढ़ता गया, वैसे-वैसे भ्रष्टाचार भी कम होने के स्थान पर बढ़ता गया।

सरकार के सभी विभागों की समान स्थिति है, चाहे वे आधारभूत संरचना के निर्माण में लगे हों, शिक्षा, स्वास्थ्य प्रदान करने के काम में लगे हों, गरीबी उन्मूलन के कार्य में लगे हों या सामाजिक कल्याण और न्याय की विभिन्न योजनाओं को लागू करने के काम में लगे हों। सरकार ने बजट की कमी के कारण यह तय किया कि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सबको देने के स्थान पर केवल गरीब लोगों की पहचान करके उन्हें ही लाभान्वित किया जाय। इस उद्देश्य से 1978 में अंत्योदय योजना प्रारंभ की गई तो गांव के पांच सबसे गरीब परिवारों की पहचान करके योजनाओं का लाभ उन्हें देने का निर्णय लिया गया। चूंकि यह निर्णय गांव के लोगों के समक्ष लिया जाता था, अधिकांशतया वही लोग अंत्योदय परिवारों में चयनित किए गए जो वास्तव में गरीब थे। इस योजना का लाभ भी बड़ी सीमा तक निर्धन व्यक्तियों तक पहुंचा।

बाद में जब बीपीएल योजना प्रारंभ हुई तो उसमें बहुत सारे मापदंड बना दिए गए जिनके आधार पर सर्वे किया गया और गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले (बी पी एल) लोगों की सूची बनाई गई। जब बीपीएल में चयनित लोगों को लाभ देने का प्रश्न आया तो देखा गया कि कई प्रभावशाली और अपेक्षाकृत संपन्न व्यक्ति भी बीपीएल की सूची में सम्मिलित हो गए। जो वास्तव में गरीब थे और जिनकी कोई पहुंच सरकारी अधिकारियों तक नहीं थी, उनमें से अधिकांश सूची में सम्मिलित होने से वंचित रह गए। इसके लिए योजना को दोष नहीं दिया जा सकता अपितु जिन लोगों ने बीपीएल का सर्वे किया उनकी नीयत सही नहीं थी। यदि वे गरीब लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने की मानसिकता रखते, तो सरकारी धन का दुरुपयोग होने से बचा जा सकता था।

यही हाल सरकार द्वारा गरीबों को 5 किलो राशन बांटने की योजना का हो रहा है। ये समाचार लगातार पढ़ने में आते हैं कि कई आयकर दाता भी मुफ्त राशन का लाभ उठा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि स्थानीय स्तर पर काम करने वाले अधिकारियों/ कर्मचारियों को उनके क्षेत्र में निवास करने वाले लोगों की आर्थिक स्थिति का पता न हो। किंतु जब उनकी नीयत ही ठीक नहीं है तो फिर उसका लाभ भी गलत लोगों को ही मिलेगा। नीयत का प्रश्न तब अधिक प्रासंगिक होता है जब चयनित व्यक्तियों को ही सरकारी योजनाओं का लाभ देना हो, जबकि उसके पात्र उससे कहीं अधिक संख्या में हों। जो व्यक्ति अपने प्रभाव के कारण गरीबों की सूची में सम्मिलित हो जाएंगे वे लाभ लेने में सबसे आगे रहेंगे और वास्तविक वंचित व्यक्ति उसी स्थिति में रह जाएंगे।

परिवहन विभाग में जब लाइसेंस देने का काम ऑनलाइन नहीं हुआ था, तब शायद कई लोग बिना एजेंट की सहायता से भी अपना लाइसेंस परिवहन कार्यालय में जाकर बनवा लेते थे। अब, जब से ऑनलाइन लाइसेंस बनाने का कार्य प्रारंभ हुआ है तब से एजेंट व्यवस्था समाप्त होने के स्थान पर और मजबूत हो गई है। जब विभाग यह दावा करता है कि घर बैठे आप सारा काम कर सकते हैं तो अधिकांश लोग एजेंटों से काम करवाने हेतु क्यों मजबूर हैं? कारण स्पष्ट है, ऑनलाइन व्यवस्था ऐसे बनेर है कि उस पर काम करना ही संभव नहीं है। इसका मुख्य कारण विभागीय अधिकारियों की विकृत मानसिकता ही है। अधिकांश सरकारी अधिकारी केवल टाइम पास करने या पैसा बनाने की नीयत से ही सरकारी नौकरी में आते हैं।

स्थानीय निकाय जैसे जेडीए, यूआईटी, नगर निगम आदि से अधिकांश नागरिकों का वास्ता पड़ता है। सब काम जैसे नक्शा पास कराना हो, किसी व्यापार का लाइसेंस लेना हो, कन्वर्शन कराना हो वह संबंधित अधिकारी या कर्मचारी की 'सेवा पूजा' किए बगैर संभव नहीं है। हमारे एक मित्र ने एक नगर निगम में जब भू उपयोग परिवर्तन का प्रार्थना पत्र दिया तो उस पर 70 बार आपत्तियां लगाई गई। उनसे कहा गया कि आप 10 लाख रुपए एजेंट को देते तो आपका काम तत्काल हो सकता था। यह सब दोष नियमों का नहीं केवल मात्र नीयत का है। अधिकांश विभागों में जहां ऑनलाइन की व्यवस्था है, वहां का पोर्टल काम ही नहीं करता। यही हाल हेल्प लाइन नंबर का है। मेरा व्यक्तिगत अनुभव यह है कि सरकारी काम में न पैसे की कमी आड़े आती है न नियम। जो बात आड़े आती है, वह है अधिकारियों की नीयत।

नरेगा में भ्रष्टाचार को रोकने की दृष्टि से सारे कामों की सूची ऑनलाइन वेबसाइट पर उपलब्ध की गई। इसके बावजूद नरेगा देश की भ्रष्टतम योजना में से एक बनकर रह गई है, क्योंकि इसमें काम करने वाले लोगों की नीयत अच्छी नहीं है। इस कानून में प्रावधान है कि 15 दिन में काम न मिलने पर ग्रामीण को बेरोजगारी भत्ता मिलना चाहिए। यह सभी को पता है कि नाम मात्र के लोगों को ही बेरोजगारी भत्ता मिलता है, क्योंकि उनके पास ऐसा कोई साधन नहीं है कि वे यह सिद्ध कर सकें कि उन्होंने किस तिथि को काम के लिए आवेदन किया था? स्थिति और विकट तब हो जाती है जब जिनके पास शिकायत करनी होती है, वही इस भ्रष्टाचार के दुष्चक्र में भागीदार हो जाते हैं।

जिस गति से आजकल सरकार द्वारा निर्मित भवन, सड़क और पुल टूट रहे हैं, उससे यह तो स्पष्ट है कि तकनीक में बहुत अधिक विकास के बावजूद इंजीनियरों/अधिकारियों की खराब नीयत के कारण ऐसा हो रहा है। चूंकि हर काम में अधिकारियों/इंजीनियरों द्वारा कमीशन लिया जाता है। स्वीकृत राशि का बहुत कम हिस्सा वास्तव में काम पर खर्च होता है।

शिक्षा के क्षेत्र में तो नीयत का महत्व सबसे अधिक है। शिक्षा में संख्यात्मक विस्तार और गुणात्मक सुधार के नाम पर कंप्यूटर के माध्यम से 'दर्पण' 'डाइस', 'अपार' जैसे सॉफ्टवेयर बनाए गए ताकि बच्चों की संख्या और उनके स्तर का ऑनलाइन मॉनिटरिंग किया जा सके। किंतु वास्तविकता यह है कि इससे शिक्षा के स्तर का कतई संबंध नहीं है। इसके विपरीत शिक्षकों का पूरा समय डेटा एंट्री करने में ही निकल जाता है। जहां पहले ही शिक्षक कम हों, वहां इस अनावश्यक काम में लगने के कारण बच्चों की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हुई है। आज का दसवीं पास विद्यार्थी तीन चार दशक पूर्व के पांचवी पास विद्यार्थी की अपेक्षा भाषा और गणित की जानकारी में कहीं पीछे है। इसी प्रकार, आज का स्नातक, कुछ दशक पहले के हाई स्कूल के समकक्ष भी नहीं है। किसी की नीयत शिक्षा में सुधार करना नहीं अपितु केवल कागज़ी खाना पूर्ति मात्र रह गया है। नियमानुसार 75% से कम उपस्थिति वाले बच्चों को परीक्षा में नहीं बैठने दिया जा सकता, किंतु यह सर्व ज्ञात है कि किसी भी सरकारी विद्यालय एवं महाविद्यालय में बच्चों की उपस्थिति 10-20% भी नहीं रहती है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों की इसी मानसिकता के कारण कोचिंग व्यवसाय फलफूल रहा है।

सरकार ने सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करने के लिए कई विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, महाविद्यालय, विद्यालय आदि खोलने की घोषणा तो कर दी किंतु उसकी नीयत वास्तव में शिक्षा प्रदान की नहीं थी। यदि वास्तव में ऐसा होता तो पहले वे उपयुक्त संख्या में शिक्षकों की व्यवस्था करते। आज कई ऐसे 12वीं के विद्यालय हैं जहां विषयों के शिक्षक नहीं हैं। मेडिकल कॉलेजों में उन्हीं शिक्षकों को हर जगह निरीक्षण के समय दिखा दिया जाता है। जो शिक्षा विभाग निजी विद्यालयों को मान्यता देने के नाम पर कई प्रकार के प्रमाण पत्र लेता है, उसी के स्वयं के विद्यालय छत ढह जाने से कई बच्चों की जान ले लेते हैं। खराब नीयत के लिए जवाबदेही की कमी भी बहुत बड़ा कारण है।

जिस गति से आजकल सरकार द्वारा निर्मित भवन, सड़क और पुल टूट रहे हैं, उससे यह तो स्पष्ट है कि तकनीक में बहुत अधिक विकास के बावजूद इंजीनियरों/अधिकारियों की खराब नीयत के कारण ऐसा हो रहा है। चूंकि हर काम में अधिकारियों/इंजीनियरों द्वारा कमीशन लिया जाता है। स्वीकृत राशि का बहुत कम हिस्सा वास्तव में काम पर खर्च होता है। अतः, पुल सड़क टूटने का कारण कमीशन की नीयत ही है। इसके विपरीत रियासत कालीन निर्माण आज भी ज्यों के त्यों खड़े हुए है।

सैटेलाइट से आजकल किसी भी क्षेत्र पर निगरानी संभव है। इसके बावजूद यदि वन क्षेत्र में कटाई हो रही है, नदी के बहाव में अवैध निर्माण हो रहे हैं, अवैध खनन निरंतर बढ़ रहा है, पहाड़ कट कर रहे हैं तो इसके लिए जिम्मेदार केवल एक ही बात को माना जा सकता है, वह यह कि संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी अच्छी नीयत के साथ काम नहीं कर रहे हैं।

अधिकांश लोक सेवक, वे मंत्री हों चाहे अधिकारी, इस उद्देश्य से इस क्षेत्र में नहीं आते हैं कि उन्हें जनता के हित के साधन में माध्यम बनना है। कई बार तो लगता है कि उनकी नीयत सामान्य जनता को प्रताड़ित और परेशान करके धनोपार्जन की है। वे 'लोक सेवा' में आए ही इसलिए हैं कि वे जनता से अधिकाधिक सुविधा शुल्क वसूल कर सकें। यदि ऐसा नहीं होता तो क्यों हमारे शहरों की कच्ची बस्तियों में लोग नारकीय जीवन जीने के लिए अब भी अभिशप्त होते?

सवाल यह उठता है कि अच्छी नीयत वाले सरकारी अधिकारियों/कर्मचारियों की संख्या धीरे-धीरे कम क्यों होती जा रही है? उत्तर स्पष्ट है - समाज में प्रतिष्ठा, सम्मान और प्रोत्साहन उन्हीं को मिल रहा है जो येन-केन-प्रकारेण अधिक संपत्ति और धन अर्जन कर लेते हैं। स्वाभाविक है, जो अच्छी नीयत से काम करते हैं वे जनता की दुआएं भले ही प्राप्त कर लें किंतु संपन्न नहीं बन सकते। युवा पीढ़ी, जब गलत मानसिकता से काम करने वाले व्यक्तियों को प्रतिष्ठित होते हुए देखती है तो वह भी वैसा ही करने के लिए प्रवृत्त हो जाती है।

हाल ही में संचालित की जा रही एस आई आर की प्रक्रिया के लिए भी कहा तो यही गया कि यह मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण के लिए है, किंतु वास्तव में इसका छद्म उद्देश्य कुछ विशेष वर्ग के लोगों को मतदाता सूचियों से बाहर करने का ही था। चुनाव आयोग संस्था तो संवैधानिक है, किंतु उसने सत्ताधारी दल के इशारे पर ऐसा किया, यह मानना गलत नहीं होगा। साफ है इस पूरी प्रक्रिया के पीछे लिखित उद्देश्य कुछ भी हो किंतु लागू करने वालों की नीयत में तो खोट है ही।

इसी प्रकार, सरकार ने शासन में नैतिकता और शुचिता लाने के उद्देश्य से संसद में एक विधेयक, 30 दिन से अधिक जेल में रहने वाले मंत्रियों/मुख्यमंत्रियों/प्रधानमंत्री को पद से हटाने के लिए प्रस्तुत किया, किंतु विपक्ष इसे विरोधी दलों के नेताओं को परेशान करने की नीयत से लाया गया बता रही है। वैसे भी यह पारित होना संभव नहीं लगता क्योंकि इसके लिए संसद में दो तिहाई बहुमत चाहिए, जो सरकार के पास नहीं है।

संक्षेप में हम यही कह सकते हैं कि सुशासन तब ही संभव है जब उसे लागू करने वाले सरकारी कर्मचारियों, विशेष कर उच्च पदों पर बैठे हुए मंत्री और अधिकारियों की नीयत साफ हो। उनकी नीयत जनता का भला करने की हो, केवल अपनी स्वार्थ सिद्धि की नहीं। वर्तमान में तो सभी दल एवं अधिकांश नौकरशाह मिलकर जनता के पैसे को अपनी कमाई का माध्यम समझ कर ही काम करते हुए दिखाई दे रहे हैं। अच्छी नीयत वाले लोगों के हाथ में प्रशासन और शासन सौंपे बिना सुशासन की बात कोरी कल्पना ही रहेगी, चाहे कितने ही नियम क्यों न बना लिए जाएं।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

राजस्थान रेत का विस्तार नहीं, अवसरों का पिटारा

डॉ. सुबोध अग्रवाल

थार के रेगिस्तान और दूर-दूर तक रेत के धोरों के लिए पहचाना जाने वाला राजस्थान आज औद्योगिक निवेश की विपुल संभावनाओं से परिपूर्ण प्रदेश हो गया है। औद्योगिक निवेश के लिए देसी-विदेशी निवेशकों के लिए राजस्थान प्रमुख डेस्टिनेशन बन गया है। राजस्थान का भौगोलिक परिदृश्य, जिसे कभी निवेश के लिए बाधा माना जाता था, आज अवसरों का पिटारा बन गया है। थार का रेगिस्तान अब केवल रेत का विस्तार नहीं, बल्कि सौर और नवीकरणीय ऊर्जा का वैश्विक केंद्र बन गया है। प्रदेश हरित विकास का नया अध्याय लिख रहा है तो धरती की गर्भ में छिपी खनिज संपदा ने राजस्थान में खनन विकास की नई इबारत लिखना शुरु कर दिया है। गत दिसंबर, 24 में आयोजित राइजिंग राजस्थान इसका जीता-जागता उदाहरण है कि आरआर समिट के दौरान ना केवल देसी-विदेशी निवेशकों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया अपितु समिट के दौरान 35 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेष समझौते हस्ताक्षिरत किये हैं। यह आज के बदलते राजस्थान की तस्वीर है।

राज्य की औद्योगिक विकास यात्रा को चार महत्वपूर्ण आयामों में विभाजित कर आसानी से समझा जा सकता है। एक थार के रेगिस्तान से नवीन अवसर तक: सौर और पवन ऊर्जा राजस्थान को हरित ऊर्जा केंद्र बना रही है। दूसरा, बंजर भूमि से औद्योगिक विकास तक: बाड़मेर आज प्रति व्यक्ति आय में अग्रणी है और जैसलमेर भारत की सीमेंट राजधानी के रूप में उभर रहा है। तीसरा, चुनौतियों से ताकत तक: कोटा के जल संसाधन ऊर्जा भंडारण और शिक्षा हब दोनों को गति दे रहे हैं। तो चौथे, खनिज संपदा से आर्थिक शक्ति तक: पोटाश, यूरेनियम, हाइड्रोकार्बन, क्रिटिकल मिनरल और अन्य खनिज प्रदेश की अर्थव्यवस्था का भविष्य तय कर रहे हैं।

इसी के साथ यह भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि राजस्थान निवेशकों की पहली पसंद बनने का बड़ा कारण यह है कि राजधानी दिल्ली और अन्य प्रमुख केन्द्रों से कनेक्टिविटी और यहां की कानून व्यवस्था व लोगों का व्यवहार। शांति, सद्भाव और सहजता राजस्थान की पहचान है। मानव संसाधन की सहज उपलब्धता उद्यमियों के लिए और अधिक आसान हो जाती है। कहा जाता है और कुछ हद तक सही भी है कि राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक बार नौकरी या किसी अन्य कारण से रहने के लिए आने वाला फिर यहीं का होकर रह जाता है। राजधानी दिल्ली से सबसे निकटतम शांत और बेहतर कानून व्यवस्था वाला प्रदेश राजस्थान है। एनसीआर का विस्तार राजस्थान और इसकी सीमाओं से लगते हुए हो रहा हैं। एक्सप्रेस वे और नेशनल हाईवे के विस्तार से प्रदेश के किसी भी कोने तक आसानी से पहुंचा जा सकता है।

आज देश में नवीकृत उर्जा के उत्पादन में राजस्थान शीर्ष पर है तो अब सोलर के लिए आवश्यक उपकरण तैयार करने वाले उद्योगों को भी राजस्थान में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। बालोतरा के पचपदरा में तैयार हो रही हिन्दुस्तान पेट्रोलियम राजस्थान रिफाइनरी शुरु होते ही तस्वीर पूरी तरह से बदल जाएगी। यहां पर पेट्रोकेमिकल जोन विकसित किया जा रहा है। बाड़मेर जैसलमेर जिसे कभी काले पानी की सजा के रुप में देखा जाता था तेजी से विकसित क्षेत्र होते जा रहे हैं। लगभग असंभव को संभव बनाते हुए बाड़मेर के विकास को इसी से समझा जा सकता है कि आज राजस्थान में परकेपिटा आय में बाड़मेर शीर्ष स्थान पर आ गया है।

बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर से बीकानेर तक तपती धरती आज नवीकृत ऊर्जा खासतौर से सोलर उर्जा के उत्पादन बढ़ा रही है। नवीकृत ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान में अभी भी संभावनाओं को इसी से समझा जा सकता है कि 35 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों में करीब करीब 80 प्रतिषत निवेश प्रस्ताव नवीकृत उर्जा क्षेत्र के प्राप्त हुए है। राज्य सरकार रीको के माध्यम से भूमि भी उपलब्ध कराने के साथ ही राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना, 2024 के तहत आकर्षक प्रोत्साहन भी दे रही है। सिंगल विण्डो सिस्टम से निवेशकों के लिए राजस्थान में उद्योगों की स्थापना आसान हो रही है। निवेश प्रस्तावों को धरातल पर लाने के प्रति मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा स्वयं बड़े प्रस्तावों को धरातल पर लाने के लिए हो रही प्रगति की समीक्षा प्रतिमाह अपने स्तर पर कर रहे हैं। मुख्य सचिव स्तर पर 200 करोड़ तक के निवेश प्रस्तावों की प्रगति की समीक्षा प्रति सप्ताह की जा रही है तो इससे कम के निवेश प्रस्तावों की समीक्षा नियमित रुप से संबंधित विभागों द्वारा की जा रही है। यह सब राजनीतिक ईच्छा शक्ति से ही संभव हो पा रहा है।

योजनावद्ध प्रयासों से प्रदेश में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। बाड़मेर-जैसलमेर को जहां राजस्थान में काले पानी की सजा से कम नहीं माना जाता था, आज वहीं बाड़मेर प्रदेश में परकेपिटा के हिसाब से शीर्ष पर आ गया है तो वो दिन दूर नहीं जब जैसलमेर सीमेंट के उत्पादन में देश की राजधानी बन जाएगा। पचपदरा में रिफाइनरी अब आ रही है पर इससे पहले ही बाड़मेर और आसपास के क्षेत्र में आर्थिक दृष्टि से तेजी से विकास हुआ है। इस सबके पीछे एक बड़ा कारण तपती धरती को वरदान में बदलकर नवीकृत ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ावा देने और प्रदेश में खनिजों की विपुल संपदा को एक्सप्लोर करने से संभव हो पाया है।

वैसे राजस्थान में सभी क्षेत्रों में औद्योगिक विकास के योजनावद्ध प्रयास किये जा रहे हैं। कोटा में पानी की प्रचुरता के कारण नवीकृत ऊर्जा को संरक्षित कर उपयोग करने की विपुल संभावनाएं हो गई है तो शिक्षा नगरी के रुप में कोटा की अलग पहचान बन चुकी है। जैसलमेर में सीमेंट ग्रेड लाइमस्टोन के विपुल भण्डार मिलने के साथ ही कच्चे तेल और गैस के भण्डार मिलने से पूरा सिनेरियो ही बदल रहा है। बीकानेर में पोटाश के विपुल भण्डार है तो राजस्थान में यूरेनियम के साथ ही क्रिटिकल मिनरल, गारनेट आदि आदि बहुतायत में है। राजस्थान की धरा के गर्भ में अथाह और विविध प्रकार की खनि संपदा है।

सोने-चांदी और लेड जिंक सहित कई मिनरलों में तो राजस्थान शीर्ष पर आ गया है। पर्यटन के क्षेत्र में राजस्थान अग्रणी प्रदेश बन गया है। देसी-विदेशी विदेशी पर्यटकों की पहली पसंद राजस्थान बनता जा रहा है। राजस्थान के सेंड डून्स, गढ़-किले से लेकर मंदिर गलियारें पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। पर्यटन के कारण होटल व्यवसाय ने तेजी से विस्तार किया है तो जयपुर और राज्य के अन्य प्रदेशों तक सहज पहुंच के चलते आज राजस्थान मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र में भी तेजी से पहचान बनाता जा रहा है। हेरिटेज होटलों के साथ सभी आर्थिक वर्ग की पहुंच की होटल्स की उपलब्धता है। राजधानी दिल्ली के नजदीक होने से दिल्ली आने वाला और नहीं तो जयपुर का ही चक्कर लगा लेता है। राजस्थान के एंटिक और रत्न व्यवसाय की धमक समूची दुनिया में है। औद्योगिक निवेशोन्मुखी माहौल का इसी से अंदाज लगाया जा सकता है कि राजस्थान में जापानी जोन अलग से विकसित है और सफलता पूर्वक औद्योगिक उत्पादन हो रहा है।

देखा जाए तो राजस्थान में प्रचुर मात्रा में संसाधन होने के साथ ही राज्य सरकार की स्पष्ट उद्योगोन्मुखी नीति, राजनीतिक इच्छाशक्ति और निवेशक-अनुकूल माहौल भी है। यही कारण है कि राजस्थान आने वाले वर्षों में भारत की आर्थिक वृद्धि का धुरी बनता जा रहा है। आने वाला समय राजस्थान का है और राजस्थान अब केवल पर्यटन ही नहीं, बल्कि ऊर्जा, खनिज, शिक्षा और उद्योगों का केंद्र भी हो गया है।

–डॉ. सुबोध अग्रवाल,
(आईएएस)
अतिरिक्त मुख्य सचिव,
राजस्थान सरकार

मंगला आरती के साथ 641वें रामदेवरा मेले का विधिवत शुभारंभ

- **प्रदेश सहितज अनेक राज्यों से आये हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा रामदेवजी की समाधि के दर्शन कर मन्नत मांगी**
- **प्रशासन के अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने बाबा की समाधि पर पूजा-अर्चना कर देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की**

जैसलमेर/पोकरण/रामदेवरा, (नि.सं.)। पश्चिमी राजस्थान के लोकदेवता बाबा रामदेवजी की अवतरण तिथि भादवा शुक्ला द्वितीया के पावन अवसर पर सोमवार अलसुबह मंगला आरती के साथ 641वें रामदेवरा मेले का विधिवत शुभारंभ हुआ। इस मौके पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर परसा राम सैनी ने बाबा की समाधि पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर साम्प्रदायिक सद्भाव, एकता और शांतिपूर्ण आयोजन का संदेश दिया। उन्होंने देश-प्रदेश से आए श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं और सुरक्षित व सुव्यवस्थित मेले की कामना की।

पुजारी पं. कमलकिशोर छंगाणी के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बाबा का दुग्ध, दही, शहद, इत्र और पंचामृत से अभिषेक किया गया। मेवा-मिष्ठान व मिश्री का भोग अर्पित कर समाधि पर नई चादर चढ़ाई गई और भोग आरती संपन्न हुई। अतिथियों ने इत्र व प्रसाद चढ़ाकर बाबा की अखण्ड जोत के दर्शन किए तथा पवित्र जारी का जल श्रद्धालुओं को आचमन हेतु प्रदान किया। मंगला आरती के समय हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा की समाधि के दर्शन कर स्वयं को धन्य माना। कई श्रद्धालु दर्शन के लिए रातभर कतार में खड़े रहे। अलसुबह मंदिर के मुख्य द्वार खुलते ही बाबा के जयकारों की गूंज से निज मंदिर परिसर उत्साह और श्रद्धा से भर उठा। मंदिर परिसर, गलियों और आसपास के क्षेत्रों में नगाड़ों और लोक भजनों की मधुर ध्वनि गूंजती रही।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे, मुख्य कार्यकारी अधिकारी रश्मि रानी, उपखंड अधिकारी लाखा राम, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण सैन, विकास अधिकारी हनुमान राम, सहायक निदेशक प्रवीण प्रकाश चौहान, बाबा वंशज गादीपति भोमसिंह तंवर, सांकडा पंचायत समिति के प्रधान भगवत सिंह तंवर, रामदेवरा सरपंच समुन्द्रसिंह तंवर सहित अन्य अधिकारी और मंदिर समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी ने बाबा की समाधि पर पूजा-अर्चना कर देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। अतिरिक्त जिला कलक्टर परसा राम सैनी एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे ने मेले की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने कतारबद्ध श्रद्धालुओं से बातचीत कर सुविधाओं की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सुरक्षा, सफाई और सुविधा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित हों। सीसीटीवी निगरानी, भीड़ प्रबंधन और सफाई कर्मचारियों की तैनाती पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

लोकदेवता बाबा रामदेवजी की समाधि के भक्तों ने दर्शन किये।

खेतों में पानी की डिग्गियों में सैकड़ों मछलियों की मौत

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के केसरीसिंहपुर कस्बे के पास गांव 16-17 एच घंजातिया में किसानों की कृषि भूमि में बनी पानी की डिग्गियों में अज्ञात कारणों से भारी संख्या में मछलियां मरने लगी हैं। सोमवार सुबह जब किसान खेतों में पहुंचे तो डिग्गियों की सतह पर सैकड़ों मरी हुई मछलियां और बाकी को तड़पते हुए देखा गया। यह नजारा देखकर किसानों में चिंता की लहर दौड़ गई।

गांव के किसान लखविंदर सिंह ने बताया कि सोमवार सुबह जब वे खेत में पहुंचे तो डिग्गी की सतह पर बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां दिखीं। वहीं सैकड़ों मछलियां ऊपर आकर सांस लेने की कोशिश कर रही थीं। उन्होंने आशंका जताई कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा डिग्गियों में जहरीली दवा या रसायन डाला गया हो सकता है, जिससे यह स्थिति उत्पन्न हुई। घटना की सूचना मिलने पर वेटरनरी विभाग के डॉक्टर महावीर अग्रवाल मौके पर पहुंचे और डिग्गी का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रारंभिक जांच के आधार पर किसान की आशंका को खारिज करते हुए बताया कि मछलियों की मौत का कारण पानी में ऑक्सीजन का स्तर कम होना है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति अक्सर तब उत्पन्न होती है जब गर्मी अधिक हो, पानी स्थिर हो और उसमें जैविक अपशिष्ट जमा हो जाए। इससे पानी में घुली ऑक्सीजन की मात्रा कम हो जाती है, जिससे मछलियों को सांस लेने में परेशानी होती है।

डॉ. अग्रवाल ने किसानों को सलाह दी कि वे डिग्गियों में चूना (चूना पत्थर) डालें, जिससे पानी का पीएच स्तर संतुलित होगा और ऑक्सीजन लेवल बढ़ेगा। इससे मछलियों को राहत मिलेगी। किसानों ने तत्काल प्रभाव से डिग्गियों में चूना डालना शुरू कर दिया है। किसानों का कहना है कि यह पहली बार है जब इतनी भारी संख्या में मछलियों की मौत हुई है।

राशिफल मंगलवार 26 अगस्त, 2025

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, हस्त नक्षत्र बुधवार प्रातः 6:04 तक, साध्य योग दिन 12:04 तक, गर करण दिन 1:55 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कन्या, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। भद्रा रात्रि 2:50 से आरम्भ होगी। आज हरितालिका तीज व्रत, मन्वादि है। आज कलंक चौथ है। आज चन्द्र दर्शन निषेध है। चन्द्रास्त रात्रि 8:36 पर होगा। आज साम श्रावणी उपाकर्म (सामवेदियों की राखी) है। आज रोट तीज, गौरी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:18 से 10:53 तक, लाभ-अमृत 10:53 से 2:04 तक, शुभ 3:39 से 5:15 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:07, सूर्यास्त 6:50

मेष

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन

घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी, उचित सफलता मिलेगी।

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। आज अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। वाणी पर संयम रखना ठीक रहेगा।

कन्या

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

तुला

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आज मन में असंतोष बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

धनु

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। धार्मिक-मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं।

मकर

नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी।

मीन

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

शराब ठेकों की चाबी एडीएम को सौंपी

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले में शराब ठेकेदारों और पुलिस विभाग के बीच टकराव खुलकर सामने आ गया है। सोमवार को जिलेभर के शराब ठेकेदारों ने एकजुट होकर सामूहिक हड़ताल की और अपने ठेकों की चाबियां एडीएम सिटी को सौंप दी।

ठेकेदारों का आरोप है कि पुलिस विभाग की सख्ती के चलते उनका कारोबार पूरी तरह चौपट हो गया है। हालात ऐसे हो गए हैं कि कई ठेकेदार आबकारी विभाग को तय की गई बैंक गारंटी तक नहीं चुका पा रहे। ठेकेदारों का कहना है कि पुलिसकर्मी शाम 7 बजे के बाद ही ठेकों के सामने खड़े हो जाते हैं, जिससे ग्राहक डरकर वापस लौट जाते हैं। कई बार ग्राहकों से मारपीट की घटनाएं भी सामने आई हैं।

ठेकेदारों का आरोप है कि पुलिस जानबूझकर रात्रि 8 बजे से पहले ही शराब बिक्री पर रोक लगाने जैसा व्यवहार कर रही है। इससे उन्हें हर रोज लाखों रूपए का नुकसान हो रहा है। उन्होंने बताया कि नियमों के अनुसार शराब की बिक्री रात 8 बजे तक की अनुमति है, लेकिन पुलिस इससे पहले ही ठेके बंद कराने लगती है।

कुछ स्थानों पर तो शाम 7 बजे ही पुलिस पहुंच जाती है और ग्राहक जैसे ही ठेके पर आते हैं। उन्हें डरा-धमका कर भगा दिया जाता है। दूसरी ओर पुलिस विभाग का कहना है कि यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के आदेश पर की जा रही है। एसपी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि रात 8 बजे के बाद किसी भी सूरत में शराब न बिके। इसी के चलते प्रत्येक ठेके पर दो से तीन पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

ऊंटों की घटती संख्या को रोकने पर ध्यान देना जरूरी : डॉ घौरूई

बीकानेर, (कासं)। राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र (एनआरसीसी), बीकानेर में पशु अनुवांशिक संसाधनों पर नेटवर्क परियोजना के अंतर्गत 'दुधारू ऊंटों का प्रबंधन और ऊंट डेयरी में उद्यमिता विकास' विषयक पांच दिवसीय प्रशिक्षण (25-29 अगस्त तक) शुरू हुआ।

इस प्रशिक्षण में राजस्थान के चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, उदयपुर और मध्यप्रदेश के मंदसौर, नीमच जिलों के ऊंट पालक भाग ले रहे हैं।

- **एनआरसीसी में पांच दिवसीय प्रशिक्षण राजस्थान एवं मध्यप्रदेश के ऊंट पालक पहुंचे**

राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र (एनआरसीसी) बीकानेर में प्रशिक्षण में राजस्थान एवं मध्यप्रदेश के ऊंट पालकों दुधारू ऊंटनियों का प्रबंधन और ऊंट डेयरी में उद्यमिता विकास पर जानकारी दी।

केन्द्र के प्रधान वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. समर कुमार घौरूई ने ऊंट पालकों को संबोधित करते हुए कहा कि घटती ऊंटों की संख्या को रोकने के लिए इस प्रजाति की बहुआयामी उपयोगिता और विशेष रूप से उद्यमिता विकास पर ध्यान देना जरूरी है।

उन्होंने ऊंटनी के औषधीय दूध के मानव स्वास्थ्य लाभ मधुमेह, टी.बी., ऑटिज्म आदि के साथ वैश्विक विपणन, व्यवसायिक प्रशिक्षण और मिश्रित कृषि पद्धति (खेती व पशुपालन) को अपनाने की महत्ता पर भी प्रकाश डाला।

इस अवसर पर नेटवर्क परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ. वेदप्रकाश के माध्यम से अपना संदेश पहुंचाते हुए केन्द्र निदेशक डॉ. अनिल कुमार पूनिया ने ऊंट पालकों से कहा कि इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण के दौरान वे ऊंटों के विविध पहलुओं से जुड़ा ज्ञान विशेषज्ञों से अर्जित करें और उष्ट्र पालन व्यवसाय को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए आगे आएं।

परियोजना के प्रधान अन्वेषक ने बताया कि इस नेटवर्क परियोजना के तहत मेवाड़ी, मेवाती और मालवी उष्ट्र नस्ल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए ऊंटपालकों को सशक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. बसंती ज्योत्सना ने कहा कि प्रशिक्षणार्थियों को दुधारू ऊंटों के प्रबंधन एवं डेयरी आधारित उद्यमिता विकास के विभिन्न पहलुओं जैसे, प्रजनन एवं चयन पद्धति, प्रबंधन तहत आंकड़ा, उष्ट्र स्वास्थ्य के अलावा दूध का प्रसंस्करण एवं विपणन तथा दुग्ध उत्पादों का निर्माण एवं उद्यमिता विकास योजनाओं की जानकारी विशेषज्ञों के माध्यम से प्रदान की जायेगी।

इस दौरान ऊंट पालकों ने अपने-2 क्षेत्रों में ऊंटों की वस्तुस्थिति की भी जानकारी देते हुए उष्ट्र पालन व्यवसाय में आ रही चुनौतियों का सामना करने में इस परियोजना तहत एनआरसीसी के सहयोग की सराहना भी की। परियोजना एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के सह समन्वयक डॉ. विश्व रंजन उपाध्याय, वैज्ञानिक ने उद्घाटन कार्यक्रम का संचालन किया।

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा राज्य के वेटरनरी महाविद्यालयों में बी.वी.एस.सी. एण्ड ए.एच. पाठ्यक्रम में केन्द्रीकृत काउंसलिंग द्वारा प्रवेश हेतु बैठक का आयोजन कुलगुरू आचार्य मनोज दीक्षित की अध्यक्षता में सोमवार को किया गया। बैठक को दीक्षित ने सम्बोधित किया।

बिजली वोल्टेज की समस्या से परेशान

नोखा, (कासं)। नोखा में बिजली वोल्टेज की समस्या से ग्रामीण परेशान हैं। नोखा के वार्ड नंबर 23 के निवासियों ने निगम के सहायक अभियंता को ज्ञापन सौंपा।

पिछले एक महीने से इस वार्ड में बिजली की वोल्टेज में लगातार उतार-चढ़ाव की समस्या बनी हुई है। इससे स्थानीय लोगों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लो वोल्टेज की वजह से घरेलू उपकरण जल रहे हैं और खराब हो रहे हैं। स्थिति इतनी चिंताजनक है कि बिजली के खंभों में भी आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं। मोहल्ले वासियों का कहना है कि यह समस्या जनहानि का कारण बन सकती है। उन्होंने विद्युत विभाग से तत्काल इस समस्या का समाधान करने की मांग की है।

वहीं बिजली आपूर्ति की समस्या को लेकर किसानों ने सोमवार को अधिशासी अभियंता कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन किया। ग्राम बुधरो की ढाणी स्थित 33/11 केवी जीएसएस पर लगा 5 एमवीए का ट्रांसफार्मर अत्यधिक लोड के कारण जल गया। इस जीएसएस से चार फीडर संचालित हैं। इनमें से तीन किसानों और घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति करते हैं। जबकि एक फीडर पेट्रोल पंप और फैक्ट्रियों को बिजली देता है। इसी जीएसएस से 4 एमवीए का सोलर प्लांट भी जुड़ा है।

नोखा गांव, बुधरो की ढाणी और सलूंडिया के किसानों ने कांग्रेस नेता मुरली गोदारा के नेतृत्व में प्रदर्शन किया। किसानों की मुख्य मांग है कि जला हुआ ट्रांसफार्मर तुरंत बदला जाए।

सार-समाचार

आर.पी.वी.टी. का परिणाम जारी

आर.पी.वी.टी.-2025 का परीक्षा परिणाम कुलगुरू आचार्य मनोज दीक्षित ने जारी किया।

बीकानेर, (कासं)। वेटरनरी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राजस्थान प्री-वेटरनरी टेस्ट-2025 का परीक्षा परिणाम सोमवार को घोषित कर दिया गया। वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलगुरू आचार्य मनोज दीक्षित ने सोमवार को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर आर.पी.वी.टी.-2025 का परिणाम ऑनलाइन जारी किया। आर.पी.वी.टी. समन्वयक प्रो. उर्मिला पानू ने बताया कि आर.पी.वी.टी.-2025 में बीकानेर के दिवाकर पुरोहित ने 692 में से 562 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। मेरिट सूची में जयपुर के ओमप्रकाश यादव ने 559 अंक एवं हनुमानगढ़ के आशीष कुमार ने 555 अंक प्राप्त कर क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान हासिल किया। बी.वी.एस.सी. एण्ड ए.एच. स्नातक के प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु 03 अगस्त 2025 को राजस्थान प्री-वेटरनरी टेस्ट-2025 का आयोजन किया गया था। प्रत्येक अभ्यर्थी को काउंसलिंग के लिए पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। इस अवसर पर अधिष्ठाता वेटरनरी महाविद्यालय बीकानेर के प्रो. हेमन्त दाधीच, निदेशक अनुसंधान प्रो. बी.एन. श्रृंगी, निदेशक क्लीनिक प्रो. प्रवीण विश्नोई, उप-कुलसचिव डॉ. एन.एस. राठौड़, आई.यू.एम.एस इंचार्ज डॉ. अशोक डांगी सहित विश्वविद्यालय के अधिकारीगण उपस्थित थे। परीक्षा परिणाम राजुवास की वेबसाइट पर अभ्यर्थी अपने लॉगिन आई.डी. व पासवर्ड द्वारा डाउनलोड कर प्राप्त कर सकते हैं।

छात्र सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन

केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने छात्र नेता सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन किया।

बीकानेर, (कासं)। 'स्टूडेंट फॉर वन नेशन वन इलेक्शन' को लेकर 30 अगस्त को आयोजित प्रदेश छात्र नेता सम्मेलन कार्यक्रम का पोस्टर विमोचन केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल व बीकानेर जिला अध्यक्ष श्यामसुंदर पंचारिया ने किया। मेघवाल ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक राष्ट्र-एक चुनाव का विषय अब देश के मुख्य एजेंडे का हिस्सा बन चुका है यह विषय सिर्फ चुनावी खर्च और आचार संहिता तक सीमित नहीं है। यह देश की राजनीतिक स्थिरता, सुशासन और विकास से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है। जिलाध्यक्ष पंचारिया ने कहा इस अभियान को व्यापक स्तर पर फैलाने के लिए आने वाले समय में छात्र प्रतिनिधियों का सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। इसके माध्यम से एक राष्ट्र-एक चुनाव की अवधारणा को जन-जन तक पहुंचाया जायेगा। जिला मीडिया संयोजक मनीष सोनी ने बताया इस दौरान कार्यक्रम संभाग संयोजक मांगीलाल गोदारा, सुनिल मेघवाल, भूपेन्द्र शर्मा, महेन्द्र ढाका, गजेन्द्र सिंह भाटी, कान नाथ गोदारा, विक्रम सिंह सिसोदिया, राधे धायल, मानवेन्द्र सिंह, संतोष महाराज, श्यामसुंदर शर्मा, अर्जुन कड़वासरा, विजय पाल कूंकणा आदि छात्र नेता उपस्थित थे।

गणेशजी का पंचामृत से अभिषेक

बीकानेर, (कासं)। कोटगेट सट्टा बाजार स्थित श्री ब्राह्मण स्वर्णकार गणेश मन्दिर ट्रस्ट के तत्वावधान में बुधवार को हर्षोल्लास व विभिन्न धार्मिक आयोजन के साथ गणेश चतुर्थी का पर्व मनाया जायेगा। मन्दिर के प्रबंधक मण्डल की ओर से बुधवार को प्रातः चार बजे गणेश प्रतिमा की विशेष पूजा अर्चना की जायेगी। दोपहर 12 बजे प्रथम पूज्य भगवान गणेश के जन्मोत्सव में प्रतिमा पर मंत्रोच्चार से दुग्ध, दही, शहद, घी, शक्कर, संमिश्रण पंचामृत से अभिषेक किया जायेगा। कुंभ से लाये गये जल से भी जलाभिषेक किया जायेगा। विशेष पूजा अर्चना के बाद सोने चांदी के आभूषणों से गणेश भगवान की प्रतिमा का श्रृंगार किया जायेगा। महाआरती के बाद 501 किलो बूंदी व 251 किलो का पंचामृत का प्रसाद भक्तों में वितरण किया जायेगा। ट्रस्ट प्रबंधन मण्डल की ओर से शाम सात बजे से विभिन्न देवी-देवताओं की सचेतन झाकियां भी सजाई जायेंगी। गणेश चतुर्थी पर्व हेतु समूचे मन्दिर परिसर को विशेष फूलों व रोशनी से आकर्षक सजावट की जा रही है। वहीं दाऊजी रोड स्थित श्री आदि गणेश मंदिर में सोमवार को दोपहर 2.00 बजे से 3.00 बजे तक गणेश जी व षोडश मातृकाओं की पूजा यज्ञ के यजमान ने करवाई। आचार्य पंडित राजेन्द्र किराडू ने पंडितों के साथ वैदिक मंत्रों के साथ पांच यजमानों से विधि विधान से पूजा अर्चना करवाई। तत्पश्चात 3.30 बजे से 6.00 बजे तक गणेश -लक्ष्मी स्त्रोत के 11000 पाठ का गायन नगाड़ों के वादन में सभी पंडितजन व भक्त जनों ने किया। 26 अगस्त को सुबह 9.30 बजे यज्ञ के यजमान पूजन करेंगे। तत्पश्चात दिन में तीन कार्यक्रम होंगे। पहले भगवान गणपति जी के एक लाख मूल मंत्र से दुर्वा का अर्चन किया जायेगा।

नहरबंदी से गजसिंहपुर में पेयजल संकट गहराया

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले के गजसिंहपुर में नहरबंदी के चलते हालात बेहद चिंताजनक हो गए हैं। पहली बार ऐसा हुआ है, जब शहर में छह महीने से पेयजल संकट लगातार बना हुआ है। स्थिति यह हो गई है कि लोगों को अब अपने घरों में ड्रम और अन्य सामानों में पानी स्टोर कर काम चलाना पड़ रहा है।

- **नहरबंदी के चलते गजसिंहपुर के वाटर वर्क्स की स्टोरेज डिग्गी में महज दो दिन का पानी ही शेष रह गया है**
- **ऐसे में जलदाय विभाग की ओर से शहर में अब एक दिन छोड़कर जलापूर्ति की जा रही है तथा लोग दूषित पानी पीने को मजबूर हैं**

नहरबंदी के चलते गजसिंहपुर के वाटर वर्क्स की स्टोरेज डिग्गी में महज दो दिन का पानी ही शेष रह गया है। ऐसे में जलदाय विभाग की ओर से शहर में अब एक दिन छोड़कर जलापूर्ति की जा रही है। जल संकट इतना बढ़ गया है कि लोग दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। लोगों ने आरोप लगाया है कि न केवल पानी की आपूर्ति बाधित है, बल्कि फिटकरी की अनुपलब्धता के कारण जल का शुद्धिकरण भी नहीं हो पा रहा। इससे लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है। कई मोहल्लों में गंदा और बदबूदार पानी सप्लाई में आ रहा है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्र के गणमान्य लोग, पार्षद और स्थानीय नागरिक जलदाय विभाग के कनिष्ठ अभियंता संदीप कुमार से मिले और पेयजल संकट पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। लोगों ने अभियंता को बताया कि एफ-नहर में पानी नहीं छोड़े जाने से आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित हुई है और फिटकरी की कमी के चलते शुद्ध जल नहीं मिल रहा है। लोगों ने मांग की है कि डिग्गियों की नियमित सफाई की जाए। स्टोरेज क्षमता को बढ़ाया जाए और शहर में जल्द से जल्द नई ओवरहैड टंकी का निर्माण कार्य शुरू कराया जाए। साथ ही ट्यूबवैलों की मरम्मत कर उन्हें क्रियाशील बनाया जाए ताकि वैकल्पिक रूप से जल आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इस पर कनिष्ठ अभियंता संदीप कुमार ने आश्वासन दिया कि आज के बाद से व्यवस्था में सुधार लाने के प्रयास किए जायेंगे।

ट्रेलर में जिंदा जला ड्राइवर

नोखा, (कासं)। भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर एक बेकाबू ट्रेलर पलट गया। घटना के बाद ट्रेलर में आग लग गई। जिससे अंदर बैठा ड्राइवर जिंदा जल गया। घटना बीकानेर जिले के नोखा थाना क्षेत्र की है।

नोखा थाना एसआई इंद्र कुमार ने बताया-घटना शाम 6 बजे की है। एक ट्रेलर सूरतगढ़ थर्मल प्लांट से मारवाड़ मुंडवा की तरफ जा रही थी। नोखा के पास से रासीसर में भारतमाला एक्सप्रेस-वे से बीकानेर के लिए जाने वाले रास्ते पर उतरा। इस दौरान एक्सप्रेस वे से नीचे उतरने के दौरान ट्रेलर बेकाबू होकर पलट गया। हादसे में ट्रेलर ड्राइवर सांवरनाथ (54) निवासी सरदारशहर केबिन में ही फंस गया। इस दौरान ट्रेलर में आग लगने से वह अंदर ही जिंदा जल गया। हादसे के बाद आसपास मौके पर जुटे लोगों ने पानी के टैंकर की मदद से आग पर काबू पाया। हादसा इतना भीषण था कि ट्रेलर का केबिन और पिछला हिस्सा अलग हो गया।

56 स्कूल भवन जर्जर, नहीं मिला बजट

बीकानेर, (कासं)। झालावाड़ स्कूल हादसे के एक महीने बाद भी बीकानेर में विद्यार्थी मौत के साये में ही शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

- **बीकानेर के 56 स्कूलों की रिपेयरिंग के लिए 4.70 करोड़ रूपए बजट मंजूरी की घोषणा**

हादसे के बाद जिस रफ्तार से मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री समेत सरकार के सभी नुमाइंदे बयान दे रहे थे। लगने लगा था कि सरकार सभी जर्जर विद्यालयों को गिराकर नया बनवा देगी। आनन फानन में प्रदेश के 1936 स्कूलों के जर्जर हिस्सों को गिराकर रिपेयर करने के लिए 169 करोड़ का बजट मंजूर भी कर लिया।

इसमें बीकानेर के 56 स्कूलों की रिपेयरिंग के लिए 4.70 करोड़ रूपए शामिल थे। बजट मंजूरी की घोषणा तो आई मगर बजट नहीं आया। हालात ये है कि लगभग एक माह बाद भी छात्र जर्जर भवनों में ही पढ़ रहे हैं। शनिवार और रविवार से प्रदेश सहित बीकानेर जिले में बारिश का दौर फिर से शुरू हो गया है। रविवार को शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र नापासर, नोखा, देशनोक, श्रीडूंगरगढ़, खाजूवाला, गजनेर, लूणकरनसर आदि क्षेत्रों में जमकर बारिश हुई।

शहरी क्षेत्र में 20 एमएम बारिश दर्ज की गई। हालात यह है कि नागौर, सिरोही और जयपुर में सोमवार और मंगलवार को स्कूली बच्चों की छुट्टी कर दी गई है। बीकानेर में भी अनेक स्कूलों की हालत खराब है। किराये की बिल्डिंग में संचालित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कोरियो का बास नम्बर एक को अभी तक नया भवन नहीं मिला है।

मंडी में जगह नहीं मिलने से सब्जी विक्रेता परेशान

बीकानेर, (कासं)। पूगल रोड स्थित फल-सब्जी मंडी में बीस साल से अधिक समय से फुटकर दुकानदार जमीन पर बैठकर फल-सब्जी बेच रहे हैं। बावजूद इसके मंडी प्रशासन और जिला प्रशासन ने अब तक उनके लिए स्थायी जमीन अलॉट नहीं की।

- **मंडी में बैठने की जगह नहीं मिलने से जमीन पर बैठ सब्जी बेचते हैं**

सब्जी मंडी से दुकानदार नानकराम मोटवानी ने बताया कि वेंडर्स के लिए हर शहर में नीतियां बनाई जाती हैं, लेकिन बीकानेर में यह वर्ग आज भी उपेक्षा का शिकार है। इस संबंध में जिला प्रशासन और मंडी प्रशासन को कई बार ज्ञापन और शिकायतें दी गई लेकिन आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। मंडी में बैठने की जगह नहीं मिलने से दुकानदार जमीन पर बैठकर सब्जी बेचते हैं। बारिश हो या धूप, इन्हें किसी भी तरह की बुनियादी सुविधा उपलब्ध नहीं है। यह समस्या सिर्फ मंडी तक सीमित नहीं है। शहर की प्रमुख और व्यस्त सड़कों पर ठेला लगाकर सब्जियां बेचने वालों की हालत भी यही है। जगह तय न होने से आए दिन ट्रैफिक जाम लगता है और सड़क हादसों की नौबत आती है। सवाल यह है कि आखिर कब जिला प्रशासन और मंडी प्रशासन इस उपेक्षित वर्ग की सुनवाई करेगा।

ट्रेन की चपेट में आने से मौत

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले के केसरीसिंहपुर क्षेत्र में जोधेवाला गांव के पास एक व्यक्ति की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। वह दिल्ली सराय रोहिला से श्रीगंगानगर और बीकानेर जा रही सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन से टकरा गया था।

यह हादसा रात करीब 2 बजे हुआ। मृतक की उम्र लगभग 60 वर्ष आंकी गई है। वह सफेद चादर, ब्राउन रंग की निकर और मटमैले रंग की कमीज पहने हुए था। उसके पैरों में काले रंग की नोकदार जूती थी। व्यक्ति के चेहरे पर हल्की सफेद दाढ़ी-मूंछ थी। दुर्घटना में व्यक्ति का सिर और चेहरा क्षतिग्रस्त हो गया है। इस कारण उसकी पहचान नहीं हो पा रही है। केसरीसिंहपुर थाना पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में सूचना भेजी है। शव को मोर्चरी में रखा गया है।

दो दोस्तों ने चुराये लाखों के मोबाइल फोन, एक गिरफ्तार

बीकानेर, (कासं)। जिले के खाजूवाला में पिछले दिनों मोबाइल की दुकान से करीब पांच लाख रूपए के मोबाइल चोरी हो गए। पुलिस ने मामले का खुलासा कर दिया। चोरी में दो युवक शामिल थे। इनमें से एक को गिरफ्तार कर लिया गया है। दूसरे की तलाश जारी है।

- **मोबाइल की दुकान का ताला तोड़कर वहां रखे करीब पांच लाख रूपए कीमत के मोबाइल चोरी किए, दूसरा साथी फरार**

जिस युवक को गिरफ्तार किया गया वह मीडिया के सामने आते ही कान पकड़ माफी मांगने लगा। खाजूवाला सीओ अमरजीत सिंह चावला ने बताया कि मोबाइल की दुकान का ताला तोड़कर वहां रखे करीब पांच लाख रूपए कीमत के मोबाइल चोरी किए गए थे। गिरफ्तार युवक लेखराज नायक है, जबकि फरार युवक मुरली है। मुरली की खाजूवाला पुलिस को तलाश है और जगह-जगह दबिश दे रही है। पुलिस को अब तक की जांच में 15 एंड्रायड मोबाइल और पंद्रह चार्जर बरामद हुए हैं। इनकी कीमत पंद्रह से बीस हजार रूपए तक है। बड़ी संख्या में मोबाइल अभी जब्त होने बाकी है। फरार एक अन्य अभियुक्त की तलाश की जा रही है। उससे बड़ी मात्रा में महंगे मोबाइल जब्त हो सकते हैं।

खाजूवाला थानाधिकारी सुरेन्द्र प्रजापत के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में एएसआई महेन्द्र सिंह मीणा, हैड कांस्टेबल धारा सिंह मीणा व कांस्टेबल अमरजीत सिंह गिल की अहम भूमिका रही। दूसरे युवक की गिरफ्तारी के लिए जगह-जगह दबिश दी जा रही है। अब तक उसको पकड़ा नहीं जा सकता है। इस चोरी का खुलासा करने में एएसआई महेन्द्र सिंह मीणा, हैड कांस्टेबल धारासिंह मीणा व कांस्टेबल अमरजीत की खास भूमिका रही।

मंत्र जप कर मनुष्य आधि-व्याधि व उपाधि से मुक्त हो सकता है : मुनि कमल कुमार

बीकानेर, (कासं)। पर्युषण पर्व के छठे दिवस पर गंगाशहर तेरापंथ तेरापंथ भवन में उग्रविहारी तपोमूर्ति मुनि कमल कुमार ने जप दिवस पर अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसा कोई अक्षर नहीं जिससे मंत्र नहीं बनता और ऐसी कोई जड़ी बूटी नहीं जिससे औषधि नहीं बनती तथा ऐसा कोई व्यक्ति नहीं जो किसी काम का नहीं होता। आवश्यकता होती है उनके गुणों को जानने वाले लोगों की उनको उपयोग में लेने वालों की।

मुनिश्री ने फरमाया कि जैसे किसी रोग के शमन के लिए कौनसी टेबलेट उपयुक्त होती है। अगर उसका ज्ञान होता है तो उसके सेवन करते ही उस रोग से निजात पायी जा सकती है। अगर कोई इस बात का ज्ञाता नहीं हो और ऐसे ही टेबलेट ले ली जाये तो ज्ञान के अभाव में रोग का विस्तार हो जाता है। उसी प्रकार मंत्र की भी यही स्थिति होती है कि कौनसा मंत्र कैसे व कितने दिन जपना है, इसकी जानकारी होनी चाहिये। उन्होंने कहा कि व्यक्ति आधि (मानसिक), व्याधि (शारीरिक) और उपाधि (बाहरी) समस्याओं से मुक्त हो सकता है। मुनि ने शोभजी श्रावक और रूपाजी का वृतांत सुनाया कि किस प्रकार हथकड़ियां, बेड़ियां व खोला टूट गया। आचार्य तुलसी के समय का वृतान्त सुनाते हुए कहा कि आचार्य श्री महाप्रज्ञ ने एक मंत्र दिया साधु- साध्वियों ने उसका विधिवत प्रयोग किया और कालदेव भी अपना रूप दिखला नहीं सके। उन्होंने कहा कि मंत्र में बहुत बल होता है। हर समस्या का हल होता है पर मंत्र के महत्व को समझ कर विधिवत उसका प्रयोग होना चाहिए। मुनि ने कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ की एक पुस्तक 'मंत्र एक समाधान' उसको आप पढ़ें, समझें और प्रयोग करें।

फोटो -त्तीन-एफ- गंगाशहर तेरापंथ तेरापंथ भवन में पर्युषण पर्व कार्यक्रम को विधायक सिद्धि कुमारी ने संबोधित किया।

राजस्व कर्मचारियों की हड़ताल जारी

नोखा, (कासं)। नोखा में राजस्व विभाग के कर्मचारियों की हड़ताल लगातार पांचवें दिन भी जारी रही। यह हड़ताल दौसा जिले के लालसोट में तहसीलदार के साथ हुई मारपीट की घटना के विरोध में की जा रही है।

19 अगस्त को वकीलों ने तहसीलदार के साथ मारपीट की थी और राजकीय कार्य में बाधा उत्पन्न की थी। इस घटना को लेकर राजस्व तहसीलदार सेवा परिषद ने नाराजगी जताई है। परिषद ने लापरवाही बरतने वाले एसएचओ को निलंबित करने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। नोखा उपखंड कार्यालय के बाहर लगभग 80 राजस्व कर्मचारी धरने पर बैठे हैं। तहसीलदार चन्द्रशेखर टाक, सब-रजिस्ट्रार शिवजी बावरी और नायब तहसीलदार गौरव बेताला शामिल हैं। धरने में कानूनगो संघ अध्यक्ष अर्जुनराम कुमावत, पटवारी भगवंत लोहार, राजेन्द्र सिंह, धनराज, बजरंग लाल धरने में शामिल थे।

बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की प्रगति के बारे में जाना

बीकानेर, (कासं)। वित्तीय वर्ष 2024-25 तथा 2025-26 की बजट घोषणाओं की प्रगति समीक्षा बैठक सोमवार को अतिरिक्त जिला कलेक्टर (नगर) रमेश देव की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने विभिन्न विभागों की घोषणाओं तथा अब तक उनके क्रियान्वयन की प्रगति के बारे में जाना। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उच्च स्तर पर इसकी नियमित समीक्षा की जाती है। इसके मद्देनजर प्रत्येक अधिकारी इन घोषणाओं के क्रियान्वयन को पूर्ण गंभीरता से लें। किसी प्रकार की कमी रहने पर संबंधित कार्यालयाध्यक्ष इसके लिए जिम्मेदार होगा। उन्होंने भूमि आवंटन से जुड़े मामलों का निस्तारण सर्वोच्च प्राथमिकता से करने तथा किसी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल उच्च अधिकारियों को इससे अवगत करवाने के निर्देश दिए। साथ ही बजट घोषणाओं की साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट देने के साथ विभाग स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर (नगर) रमेश देव ने बजट घोषणाओं की प्रगति समीक्षा की।

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियमन/2025/ **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 24.08.2025
सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्रों में कृषि से अकृषि प्रयोजनार्थ रूपान्तरित योजना में चक 7 ई छोटी मुरब्बा नं. 20 के किला नं. 08 में माप 28 इन्द्र 55 फीट भूखण्ड संख्या 36, श्रीगंगानगर का पटटा संख्या 3205 दिनांक 18.12.2004 को श्री दौलत राम पुत्र श्री पृथ्वीराज के नाम से जारी किया हुआ है। श्रीमती शीतल वर्मा पत्नी श्री कपिल वर्मा निवासी 159-162, गली नं. 6, वार्ड नं. 42, श्रीगंगानगर द्वारा उक्त भूखण्ड का न्यास कार्यालय द्वारा पूर्व में जारी पटटे एवं पंजीकृत बैयनामा का समर्पण कर भूखण्ड की लीज हस्तान्तरित करवाते हुए फ्री होल्ड पटटा जारी किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। अतः उक्त के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति मय सबूत छपा दिनांक से 7 दिवस के अन्दर अन्दर न्यास कार्यालय के कमरा नं. 17 में प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद मियाद गुजरने के उपरान्त आवेदकों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों एवं शपथ पत्र के आधार पर राजस्थान नगरीय क्षेत्र (कृषि भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के लिए उपयोग की अनुज्ञा एवं आबंटन) नियम 2012 के नियम 20, 25 एवं 27 को अनुपालना में कार्यवाही करते हुए फ्री होल्ड पटटा जारी कर दिया जावेगा। इस सम्बन्ध में न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा। Rajkaj Ref. No. 17094415 - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

जालोर में मूसलाधार बारिश से नदी-नाले उफान पर, चांदना गांव टापू बना

जवाई बांध में 47.60 फीट पानी की आवक हुई, पानी तेज गति बहने से चांदना गांव पानी से घिरा

जालोर, (कासं)। जालोर जिले में मानसून की सक्रियता के चलते रविवार रात्रि को मूसलाधार बारिश के चलते नदी नाले उफान पर नजर आये। वहीं कई जगह नदियों व नालों में पानी की आवक तेज होने से रास्ते भी अवरुद्ध हो गये। जालोर शहर के कई कॉलोनियों में पानी भर जाने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। जवाई बांध में 47.60 फीट पानी की आवक हुई। शाम करीब आठ बजे जवाई नदी जालोर के सांकरना पुलिया से नीचे गुजर रही नदी को देखने लोगों की भीड़ नजर आई। वहीं सुमेरपुर में जवाई नदी के तेज बहाव मे एक जीप बह गई। रपट पर मौजूद लोगों व पुलिस कर्मियों ने काफी मशक्कत से जीप में सवार लोगों को बचाया।

■ **सुमेरपुर में जवाई नदी के तेज बहाव मे एक जीप बह गई। रपट पर मौजूद लोगों व पुलिस कर्मियों ने काफी मशक्कत से जीप में सवार लोगों को बचाया**

जालोर में रविवार रात्रि बारिश का दौर शुरु हुआ जो सोमवार अल सुबह करीब छह बजे तक मूसलाधार बारिश होने से चारो ओर पानी ही पानी नजर आने लगा है। जालोर के निकट चांदना गांव में पानी तेज गति से बहने से गांव टापू बन गया। वही जिले में लगातार हो रही बारिश के चलते चांदना गांव चारों ओर से पानी से घिर गया है। गांव का जिला मुख्यालय से संपर्क पूरी तरह टूट गया है। इसके अलावा पचानवा जवाई नदी मे पानी की आवक तेज गति होने से मार्ग अवरुद्ध हो गये। वहीं जालोर के निकट आकोली नदी, खारी, सुकडी नदी सहित कई नदी नालों में तेज बारिश के चलते पानी वेग के साथ बहने से नदी के किनारे दोनों तरफ वाहनों की कतारें लग गई। भेटाला, नबी, सहित कई गांवों के नालों में भी पानी की आवक देखी गई। वहीं वणधर, बांडी सिणधरा सहित जिले के समस्त बांधों में भी लगातार बारिश के चलते जगह-जगह पानी भर जाने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जालोर की जीवनरेखा कही जाने वाली जवाई नदी में पानी की आवक नजर आई। जालोर शहर के सुन्देलाव तालाब के पीछे स्थित कॉलोनियों जलमग्न हो गई।

जालोर में लगातार मूसलाधार बारिश के चलते नगरपरिषद व पीडब्ल्यूडी के ठेकेदारों की पोल खोल कर रख दी है। तेज बारिश के चलते तिलकद्वार, सूरजपोल, लाल पोल से पानी पूरे वेग के साथ बहता नजर आया। तेज बारिश के चलते खेत खलिहानों में पानी भर जाने से चहूँओर पानी ही पानी नजर आने लगा है।

बारिश से पहाड़ दरका

मानपुरा माचेड़ी, (निसं)। दो दिन में हुई झमाझम बरसात से कई जगह जलभराव की स्थिति हो गई तो खेतों में बाजरे की फसल पसर गई। वहीं दिल्ली-अजमेर एक्सप्रेस हाइवे पर सेवड़ माता मंदिर के पास का पहाड़ दरक गया, जिससे पत्थर सड़क पर आकर जमा हो गए व यातायात बाधित हो गया। गनीमत रही कि पत्थरों की चपेट में कोई वाहन नहीं आया।

जानकारी के अनुसार रविवार रात्रि को क्षेत्र में हुई भारी बारिश से गत देर रात्रि को दिल्ली-अजमेर एक्सप्रेस हाइवे पर सेवड़ माता मंदिर के पास का पहाड़ दरक गया और पहाड़ से पत्थर लुढ़क कर हाइवे की सर्विसलेन पर आ गिरे। गनीमत रही कि पत्थरों की चपेट में कोई वाहन नहीं आया। सुबह मौके पर हाइवे पेट्रोलिंग व एनएचएआई के कर्मचारी पहुंचे और पत्थरों को सड़क से हटवाया। वहीं भारी पत्थरों को क्रेन के द्वारा सड़क से हटवाया गया। क्षेत्र के मानपुरा माचेड़ी, चंदवाजी, रुण्डल, बिलौची सहित कस्बा गांवों के कई खेतों में बरसात से बाजरे की फसल को नुकसान हुआ है। खड़ी फसल खेतों में पसर गई है।

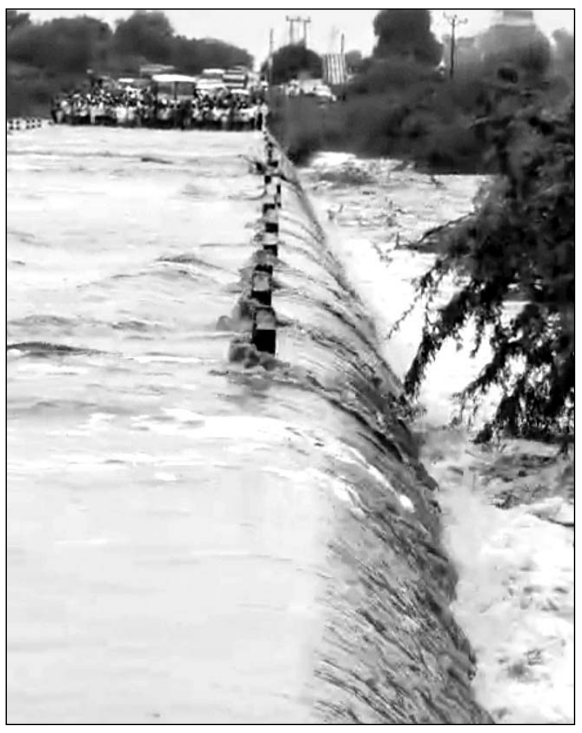

जालोर के निकट आकोली नदी में पानी आने से नदी के दोनों तरफ वाहनों की कतारें लग गई।

तीन भाइयों पर दोस्तों ने चाकू से हमला किया

बीकानेर, (निसं)। यहां रानी बाजार इंडस्ट्रियल एरिया में तीन भाइयों पर दो लोगों ने चाकू से हमला कर दिया। तीनों चचेरे और ममेरे भाई हैं। हमला करने वाले पुराने दोस्त थे, लेकिन बातचीत बंद होने के कारण नाराज थे और अचानक रास्ते में रोककर हमला कर दिया। एक घायल का रात में ही इमरजेंसी में ऑपरेशन करना पड़ा, जबकि दो अन्य का भी ट्रोमा सेंटर में इलाज चल रहा है।

■ **तीनों चचेरे और ममेरे भाई हैं, हमला करने वाले पुराने दोस्त थे**

घायल युवक नीरज के पिता महिपाल ने बताया कि शिवा और उसके साथ एक युवक ने उनके बेटे नीरज, भतीजे मनमोहन और साले के बेटे अशोक को रास्ते में रोक लिया। आपस में बोलचाल हुई और बाद में हमला कर दिया। इस दौरान तीनों भाइयों के चाकू से चोट लगी। मनमोहन के छाती पर चाकू से वार किया गया, जिससे चाकू के आगे के नुकीले हिस्से से छाती की चमड़ी कट गई। वहीं जाते-जाते नीरज पर भी चाकू से वार किया। नीरज के फेफड़े के पास ही चाकू लगा है, जिससे उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। महिपाल ने बताया कि रात में ही ट्रोमा सेंटर में ऑपरेशन किया गया। अशोक के भी चोट लगी है। महिपाल ने बताया कि हमला करने वाले शिवा से पुरानी पहचान थी। उसकी संगत को सही नहीं मानते हुए मनमोहन और नीरज को उनके साथ रहने से मना किया था। इसी कारण नाराज होकर शिवा और उसके एक अन्य साथी ने ये हमला कर दिया। फिलहाल, कोटगेट पुलिस ने मौका मुआयना करने के साथ ही एफआईआर दर्ज कर ली है। अब शिवा की तलाश की जा रही है।

बजरी माफ़िया ने आतंक मचाया

भीलवाड़ा, (निसं)। मांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र के बड़लियास थाना इलाके में बजरी माफ़िया का आतंक देखने को मिला है। अवैध बजरी ले जा रहे करीब आधा दर्जन ट्रैक्टर ने सुठेपा गांव मे बिजली के खंभे तोड़ डाले और गांव के बस्ती के घरों की दीवारों और दरवाजों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। पूर्व सरपंच रमेश चन्द्र शर्मा मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया, हादसे के बाद बजरी भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली मौक़े पर ही फँस गए और ट्रैक्टर छोड़ चालक मौके से भाग छूटे। सूचना पर थाना प्रभारी सिद्धार्थ प्रजापत मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने बजरी माफिया ओर पुलिस के ख़िलाफ़ आक्रोश जताया और बजरी माफिया के ख़िलाफ़ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

कार पलटने से बुजुर्ग महिला की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र में सागवाडा रोड पर सरकण के पास एक कार बेकाबू होकर पलट गई। हादसे में एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई, जबकि पति-पत्नी समेत तीन लोग घायल हो गए। तीनों घायलों को एंबुलेंस की मदद से डूंगरपुर अस्पताल में भर्ती करवाया है। मंडावरा अरनोद जिला प्रतापगढ़ निवासी रघुराज सिंह पत्नी नंद कुंवर, सास कैलाश कुंवर निवासी मऊ खेरी मंदसौर एमपी और साला दिग्विजय सिंह चारों कार से गुजरात के अहमदाबाद में इलाज के लिए जा रहे थे। सरकण के पास आते ही कार अनियंत्रित हो गई। हादसा में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में कार सवार चारों घायल हो गए। 108 एम्बुलेंस से चारों को डूंगरपुर अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टर ने जांच के बाद सास कैलाश कुंवर को मृत घोषित कर दिया, जबकि तीनों को इमरजेंसी में भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया है।

कार्यालय नगर परिषद निम्बाहेड़ा जिला - चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक :- नपनि/मेला/2025-26/01 दिनांक :- 21/08/2025

प्रस्ताव आमंत्रण सूचना

नगरपरिषद निम्बाहेड़ा, जिला चित्तौड़गढ़ द्वारा प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी राष्ट्रीय दषहरा मेला 2025 दिनांक 22/09/2025 से दिनांक 02/10/2025 तक आयोजित किया जाएगा। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम को आकर्षक बनाने हेतु राष्ट्रीय दषहरा मेला 2025 में आयोजित किए जाने वाले निम्न कार्यक्रमों हेतु सुयोग्य फर्मो/इवेंट कम्पनी/लोक कला मण्डलों इत्यादि प्रस्ताव आमंत्रित किए जाते है :-

1. अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन 2. भारत वर्ष में ख्यातनाम बॉलीवुड गायक मय दल कार्यक्रम 3. लाफ्टर कार्यक्रम 4. रामलीला कार्यक्रम 5. आर्केस्ट्रा कार्यक्रम 6. मेले योग्य अन्य कोई विशेष कार्यक्रम

उक्तानुसार प्रस्ताव नगर परिषद् निम्बाहेड़ा जिला चित्तौड़गढ़ (राज.) कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से दिनांक 01/09/2025 से दिनांक 08/09/2025 तक प्राप्त किए जाएंगे तथा प्राप्त प्रस्तावों पर छंटनी उपरान्त योग्य प्रस्तावों पर दिनांक 12/09/2025 को विचार किया जायेगा। अतः प्रस्तावक अपने प्रस्तावों के साथ अनुभव प्रमाण पत्र एवं पूर्व में धार्मिक स्थलों/मेला/उत्सव इत्यादि में प्रस्तुत किए रंगारंग कार्यक्रमों की विडियो/डी.वी.डी./फोटो एलबम/प्रमाण-पत्र आदि सहित निर्धारित स्थल एवं समय पर व्यक्तिगत रूप उपस्थित होवें। उक्त विज्ञप्ति एवं शर्ते पोर्टल वेबसाईट **www.sppp.rajasthan.nic.in** पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/8695 प्रशासक आयुक्त

बरसात से गोगुंदा में केलूपोश मकान गिरा, परिवार को बचाया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले में बारिश से सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मौसम विभाग ने जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया था, जिसके चलते जिला कलेक्टर ने सोमवार को स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी थी। बीती रात और सोमवार सुबह उदयपुर जिले के कई भागों में मध्यम से तेज बारिश होने से कई जगह नदी-नालों में बहाव तेज हो गया है। पीछोला झील के कैचमेंट में स्थित 60 फीट पूर्ण भराव स्तर वाला आकोदडा बांध ओवरफ्लो हो गया। इससे अब मानसी वाकल बांध का जलस्तर तेजी से बढ़ेगा। गोगुंदा उपखंड क्षेत्र में बारिश का दौर जारी है। यहां वीरपुरा के आदूजी का वास गांव में भरभराकर केलूपोश मकान गिर गया। मकान गिरने के समय रतन सिंह उनकी पत्नी व तीनों बच्चे मकान के अंदर थे। शोर मचने पर ग्रामीणों ने उनकी पत्नी व बच्चों को बाहर निकाला। गनीमत रही किसी को ज्यादा चोट नहीं आई। मकान में रखा घरेलू सामान, कपड़े, बिस्तर व अनाज मलबे में ढेर हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर सरपंच कालू लाल गमेती, उप सरपंच निर्भयसिंह मौके पर पहुंचे। सरपंच ने पटवारी व सचिव को घटना की सूचना देकर उचित मुआवजा देने की मांग की।

■ **उदयपुर जिले बारिश से जन-जीवन अस्त-व्यस्त, कई जगह मार्ग बाधित**

वहीं जल संसाधन विभाग ने उदयपुर आकोदडा बांध के भी गेट खोल दिए हैं। उसके गेट 25 सेंटीमेंटर खोले हैं। वहां से पानी सीधे कोडियात, सीसारमा होकर उदयपुर आ रहा है। मदार के दोनों तालाबों पर चादर चलने से मदार नहर से आ रहे पानी से 13 फीट पूर्ण भराव स्तर वाला फतहसागर अब महज करीब 10 इंच और खाली है। आवक को देखते हुए जल्द ही फतहसागर का झरना देखने को मिल सकता है। सीसारमा से आवक बढ़ने पर स्वरूपसागर के चारों गेट खोलने के बावजूद इस पर चादर चलने का क्रम जारी है। उदयपुर में थूर की पाल पर चादर चल रही है और पिछोला झील में पानी की आवक बढ़ने के कारण स्वरूपसागर झील के चारों गेट रविवार को खोले गए हैं, ताकि पानी उदयसागर झील में जा सके। उदयसागर के डूब क्षेत्र में पानी बढ़े उससे पहले ही रात को दो गेट खोल रखे हैं। करीब 3.3 फीट के गेट वहां खोल रखे हैं।

झाडोल क्षेत्र में कैचमेंट एरिया में अच्छी बारिश होने से वहां कई नदियां उफान पर हैं। उदयपुर जिले के खेरवाड़ा-झाडोल मार्ग पर सोम नदी उफान पर है और नदी का पानी हाईवे पर बह रहा है। खेरवाडा तहसील के हिंका ग्राम पंचायत का अकोट गांव में बारिश से तीन घर और दुकानें डूब गई। मेवाड़ भील कोर परेड ग्राउंड के सामने पुलिया पर पानी के तेज बहाव के कारण पुलिया बह गई है। जवास-झुंथरी गांव जाने वाला मार्ग भी पूरी तरह से बाधित हो गया है। जिले के ओगणा बांध में अच्छी मात्रा में पानी की आवक हुई है जिससे 42 फीट क्षमता वाले बांध का जलस्तर 35 फीट तक पहुंच गया है। ओगणा का मोहम्मद फलासिया बांध और नागमाला तालाब छलक गए हैं और मोहम्मद फलासिया नाला उफान पर चल रहा है। फलासिया सीएचसी में डॉक्टर के क्वार्टर की बालकनी पर पीछे की दीवार गिर गई हालांकि कोई जनहानि नहीं हुई है। गोरण में एक केलूपोश घर क्षतिग्रस्त हो गया लेकिन बारिश के कारण घर मालिक अपने भाई के घर में सो रहा था जिससे वह बाल-बाल बच गया। मोखी के समीप एक पुलिया भी क्षतिग्रस्त हो गई है। ओगणा की वाकल, झाड़ोल की मानसी और उंडासिया नदी उफान पर चल रही हैं। झाडोल-ओगणा मार्ग पर बदराना नदी में उफान के कारण मार्ग बाधित हो गया है। जलसंसाधन विभाग के अनुसार शाम 5 बजे समाप्त 12 घंटों में उदयपुर शहर में 16 मिलीमीटर बारिश हुई। स्वरुपसागर में 11, देवास में 21, नाई में 14, गोगुन्दा में 7,मदार में 5 तथा बागोलिया में 2 मिलीमीटर बारिश हुई।

15 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिला पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 15 हजार के इनामी बदमाश अंशुल नंदीवाल को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर नेतेवाला बायपास पर टेंट की दुकान में फायरिंग कर एक व्यक्ति की हत्या करने और चूनावढ़ क्षेत्र में गाड़ी में तोड़फोड़ कर फायरिंग करने का आरोप है। पुलिस ने बताया कि आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और उस पर पहले से पांच केस दर्ज हैं।

■ **फायरिंग मामलों में वांछित था, हत्या समेत छह संगीन केसों में नामजद है आरोपी**

पुलिस के अनुसार 16 जनवरी 2024 को नवदीप सिंह निवासी अक्कावाली ने चूनावढ़ थाने में रिपोर्ट दी थी कि वह और बलकरण सिंह शाम को श्रीगंगानगर से घर लौट रहे थे। रास्ते में एक कार रोड पर खड़ी कर रास्ता रोका गया। कार के आगे लखवीर सिंह और उसके 6 साथी खड़े थे। उन्होंने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। जान बचाने के लिए नवदीप और बलकरण गाड़ी में छिप गए, लेकिन हमलावरों ने आगे और पीछे से तलवार और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। इसी दौरान पीछे से एक वाहन की लाइट पड़ने पर आरोपी फरार हो गए। इस मामले में चूनावढ़ थाने में केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। इस हमले में अंशुल नंदीवाल मुख्य आरोपी के रूप में सामने आया, जो वारदात के बाद से फरार था। अंशुल नंदीवाल पर एक अन्य मामले में भी गंभीर आरोप हैं। उसने अपने साथियों के साथ नेतेवाला बायपास पर स्थित एक टेंट की दुकान में फायरिंग कर एक व्यक्ति की हत्या कर दी थी। इस मामले में सदर थाना श्रीगंगानगर में मुकदमा दर्ज है। इन दोनों मामलों में फरार चल रहे अंशुल नंदीवाल की गिरफ्तारी पर पुलिस ने 15 हजार रुपए का इनाम घोषित किया हुआ था। आरोपी को चूनावढ़ थाने की पुलिस टीम ने थानाधिकारी मलकीयत सिंह के निर्देशन में हेड कॉन्स्टेबल कंवरपाल सिंह और अन्य पुलिसकर्मियों की मदद से पकड़ा। आरोपी से पूछताछ जारी है।

कार्यालय नगर परिषद निम्बाहेड़ा जिला - चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक :- नपनि/स्टोर/मेला/25-26/13 - 14 दिनांक :- 21/08/2025

निविदा सूचना

नगरपरिषद निम्बाहेड़ा द्वारा निम्नलिखित कार्यो के लिए अनुभवी फर्मो/ठेकेदारो से निर्धारित प्रपत्र में ऑफ लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण **sppp.rajasthan.gov.in** के NIB Code DLB2526A4959 पर भी देख सकते है :-

कार्य निविदा के कार्य	कुल 13 कार्य
निविदा की अनुमानित लागत	राशि 40.50 लाख रूपये
ऑनलाईन निविदा फार्म मिलने की दिनांक	22.08.2025 से 29.08.2025 प्रातः 10 बजे तक
ऑफलाईन निविदा फार्म जमा कराने की अन्तिम दिनांक	29.08.2025 समय प्रातः 11.00 बजे तक
ऑन लाईन राशि जमा करवाने की अन्तिम दिनांक	29.08.2025 समय प्रातः 10.00 बजे तक
बिड खोलने की दिनांक	29.08.2025 समय दोपहर 4.00 बजे
UBN	DLB2526SS0B15395, 15396, 15397, 15398, 15400, 15401, 15402, 15403, 15404, 15405, 15406, 15407, 15408

प्रशासक आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/8698 नगर परिषद निम्बाहेड़ा नगर परिषद निम्बाहेड़ा

कार्यालय, अधीक्षक, सामूहिक चिकित्सालय संघ, अजमेर

क्रमांक-1241/लेखा-8/जलानेचि/2025 दिनांक-21/8/2025

ई-टेण्डर (UBN No.MCA2526SLOBQ0094)

इस चिकित्सालय हेतु मेडिकेटिड गैस आपूर्ति एवं सिलेण्डर से संबंधित रिपेयरिंग कार्य हेतु ई-निविदा के माध्यम से ई-प्रक्योरमेन्ट प्रक्रिया के तहत ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से संबंधित विवरण इन्टरनेट साइट www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

01	निविदा कार्य का विवरण	मेडिकेटिड गैस आपूर्ति एवं सिलेण्डर से संबंधित रिपेयरिंग कार्य हेतु एक वर्ष हेतु (2025-27)
02	निविदा मूल्य	200.00 लाख
03	निविदा संख्या एवं प्रकाशन की तिथी	1241 12-8-25
04	प्री-बिड दिनांक / समय	दि0 18-8-25 प्रातः 10.30 बजे अधीक्षक कक्ष
05	निविदा डाउनलोड की दिनांक/समय	दि0 12-8-25 प्रातः 10.00 बजे
06	निविदा अपलोड की दिनांक/समय	दि0 19-8-25 प्रातः 10.00 बजे से दि0 8-9-25 को दोपहर 03.00 बजे तक
07	भौतिक रूप से निविदा शुल्क, बिड सिक्यूरिटी राशि, निविदा प्रोसेसिंग शुल्क जमा कराने का समय	दि0 8-9-25 को दोपहर 03.00 बजे तक
08	तकनीकी बिड खोलने की दिनांक/समय	दि0 9-9-25 को दोपहर 03.00 बजे

निविदाएं खोलने की तिथि को सार्वजनिक अवकाश होने पर निविदाएं अगले कार्य दिवस पर खोली जावेंगी। अपूर्ण रूप से भरी हुई निविदाएं एवं सशर्त निविदाएं स्वीकार्य नहीं होंगी।

अधीक्षक
सामूहिक चिकित्सालय संघ
अजमेर

DIPR/C/11757/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता
सा. नि. वि. खण्ड नाथद्वारा जिला राजसमन्द राजस्थान

क्रमांक : 25 दिनांक : 13.08.2025

निविदा सूचना संख्या 08/2025-26

NIB: PWD202526A2699

पुलिया मरम्मत व कंस्ट्रक्शन कार्य हेतु ईच्छुक संवेदको से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा के सम्बन्ध में अन्य विवरण उपापन वेबसाईट (http://www.eproc.rajasthan.gov.in और http://www.sppp.rajasthan.gov.in) पर देखा जा सकता है। उपापन की कुल अनुमानित राशि 332.86 लाख रुपया है।

UBN No.- 1. PWD2526WSOB09990, 2. PWD2526WSOB09991, 3. PWD2526WSOB09992 4. PWD2526WSOB09993, 5. PWD2526WSOB09994

(भानु प्रकाश माथुर)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड नाथद्वारा

DIPR/C/12098/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड टोडाभीम

क्रमांकः 1566-1574 दिनांकः 14/08/2025

ई-निविदा सूचना संख्याः 05/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला करौली (खण्ड टोडाभीम) में सड़क मरम्मत कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।

UBN No. 1. PWD2526WSRC09725, 2. PWD2526WSRC09726

(के. के. मीना)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड टोडाभीम

DIPR/C/11969/2025

EXECUTIVE ENGINEER PWD DN-DAUSA

File No. 3032-37 Date 12/08/25

Notice Inviting Bid No-14/2025-26

Bids for Remaining/Construction of Building work under PWD Division Dausa District Dausa of Nit No. 14 Year 2025-26 of Procurement are invited from interested bidders upto 11.00 AM (time) 29-08-2025 (date). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://www.eproc.rajasthan.gov.in, "http://sppp.rajasthan.gov.in) of the state; and "http://www.pwd.rajasthan.gov.in" departmental website. The approximate value of the procurement is Rs 268.15 Lacs

1. UBN No. PWD2526WSOB 9808
2. UBN No. PWD2526WSOBO9810
3. UBN No. PWD2526WSOB 09812
4. UBN No. PWD2526WSOBO9815
5. UBN No. PWD2526WSOB 09816
6. UBN No. PWD2526WSOB09817

(Phool Singh Meena)
Executive Engineer
PWD Division-Dausa

DIPR/C/12078/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, रेगुलेशन खण्ड-तृतीय, बज्जू (बीकानेर)

क्रमांकः- 733-36 दिनांकः- 19/08/2025

निविदा सूचना संख्या : EE/01 OF YEAR 2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस कार्यालय की निविदा सूचना संख्याः EE/01OF YEAR 2025-2026 में 13.10-लाख से 143.82 लाख के विभिन्न कार्यों की निविदा आमंत्रित की जाती है। राज्य सरकार द्वारा जल संसाधन विभाग एवं निर्माण विभाग के प्रथम श्रेणी में नियमानुसार (समय समय पर संशोधित) प्रभावी आदेशों के तहत पंजीकृत ठेकेदारों एवं रेगुलेशन इकाई में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निर्धारित प्रपत्र में ई- प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण वेब साईड http://www.sppp.rajasthan.gov.in, http://watereresources.rajasthan.gov.in http:/eproc.rajasthan.gov.in तथा http://dipr.rajasthan.gov.in देखे जा सकते है इच्छुक संवेदकों को अपने डिजीटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईड http:/eproc.rajasthan.gov. in पर रजिस्टर्ड होना आवश्यक है एंव निविदा प्रपत्र निर्धारित अवधि में डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते है। सभी विवरण इस कार्यालय में भी देखे जा सकते है। (NIB01/2025-26 / IGB2526A0049 & IGB2526WSOB00169 to 76 uploading date 20.08.2025)

अधिशाषी अभियन्ता,
रेगुलेशन खण्ड तृतीय, इंगानप बज्जू

DIPR/C/12146/2025

सड़क पर गोवंश मांस मिलने की आशंका पर हंगामा

उदयपुर,(कासं)। उदयपुर के गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र में रविवार देर रात सड़क पर गोवंश के मांस के अवशेष मिलने से तनाव फैल गया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि किसी ने जानबूझकर गोवंश का वध करके उसके टुकड़े सड़क पर फेंके है। हालांकि पुलिस का कहना है कि यह मांस गोवंश का नहीं है बल्कि नगर निगम की कचरा गाड़ी से गिरा है जो मांसाहारी दुकानों का कचरा लेकर बलीचा डंपिंग यार्ड जा रही थी।

जानकारी के अनुसार रविवार रात करीब 11.30 बजे पालीवाल भवन के सामने मुख्य मार्ग पर मांस से भरा कट्टा सड़क पर गिरा हुआ पाया गया, जिसके बाद हिंदू संगठनों और स्थानीय लोगों ने इसे गोवंश का मांस बताकर विरोध प्रदर्शन किया। लगभग डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद, पूर्व भाजयुमो अध्यक्ष सन्नी पोखरना की शिकायत पर मामला दर्ज होने के बाद स्थिति शांत हुई। पुलिस ने लोगों को आश्वासन दिया कि सीसीटीवी फुटेज की जांच करके आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। गोवर्धन विलास थानाधिकारी दिलीप सिंह झाला के अनुसार सड़क पर बिखरे मांस के अवशेषों की जांच पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक सुरेश जैन और नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी सत्यनारायण शर्मा द्वारा की गई, जिसमें प्राथमिक जांच में यह गोवंश का मांस नहीं पाया गया। पुलिस ने विस्तृत जांच के लिए सैंपल एफएसएल भेजे हैं।

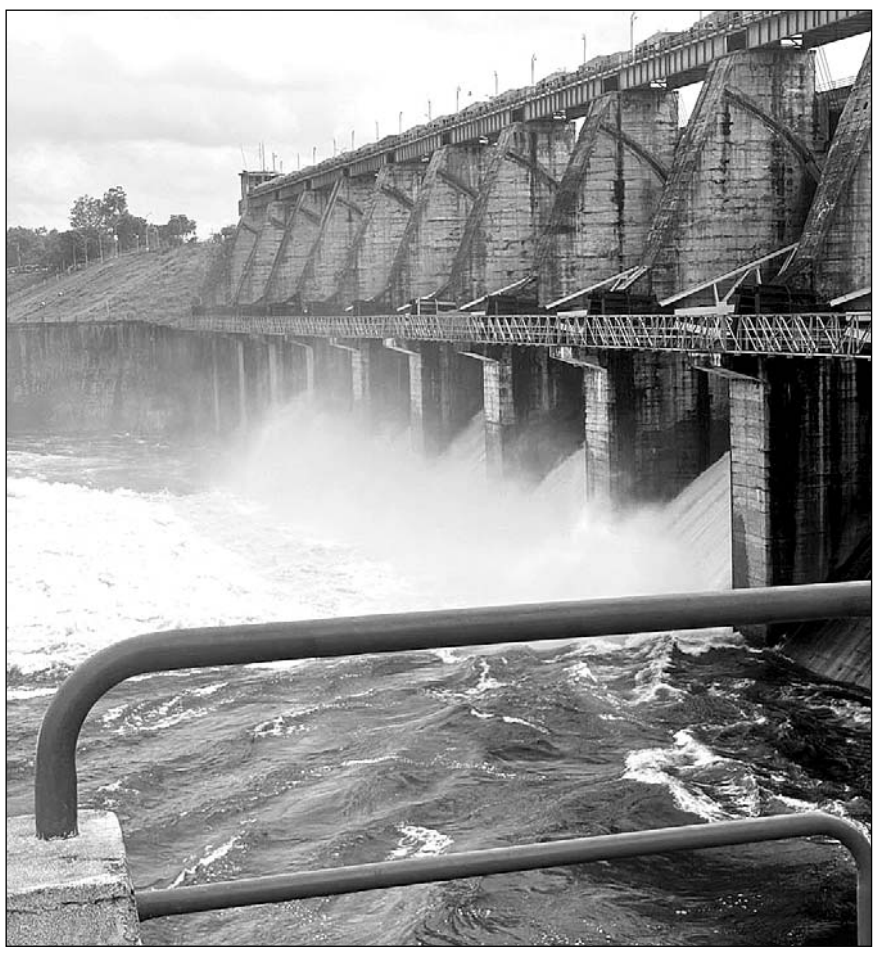

डूंगरपुर जिलेभर में दो दिन से लगातार तेज व मध्यम गति की बारिश का दौर चल रहा है, जिसके कारण कई तालाब व बांध भराव क्षमता को पार कर चुके हैं। वहीं जिले के सबसे बड़े बांध सोम कमला आम्बा के सात गेट एक-एक मीटर खोले गये हैं तथा आसपास के काश्तकारों को सावधान कर दिया गया है।

पेयजल की किल्लत, ग्रामीण पानी की टंकी पर चढ़े

टोंक, (निसं)। उनियारा उपखंड के ककोड़ कस्बे में ग्रामीणों ने पेयजल से परेशान होकर पानी की टंकी पर चढ़कर प्रदर्शन किया।

■ **ककोड़ गांव में पानी की समस्या को लेकर सोमवार को ग्रामीण टंकी के पास पहुंचे और प्रदर्शन किया**

जानकारी के अनुसार ककोड़ गांव में पानी की समस्या को लेकर सोमवार को ग्रामीण टंकी के पास पहुंचे और प्रदर्शन किया। इस दौरान कुछ महिलाएं और युवक पानी की टंकी पर चढ़ गए, जहां बाद में प्रशासक (सरपंच) ने उनकी समस्या सुनी तथा उन्होंने बीसलपुर पेयजल परियोजना के अधिकारियों समेत अन्य अधिकारियों से बातचीत कर जल्द समाधान करने की मांग की। बाद में परियोजना से जुड़े कर्मचारी मौके पर पहुंचे और पेयजल की लाइन के वाल्व को ज्यादा खोलकर राजपूत मोहल्ला समेत तीन कॉलोनियों की पेयजल सप्लाई बढ़ाई, जहां दो घंटे बाद करीब 10 बजे बजे लोग टंकी से उतरे। इस दौरान ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि फिर भी पानी पर्याप्त नहीं आया तो और बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

बाड़मेर -344001, दूरभाष :- 02982-220674

अल्कालिक ई-निविदा सूचना

अन्य विवरण जैसे निविदा मुलय, धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने/खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट **www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl** एवं **www.eproc.rajasthan.gov.in** द्वारा जानी जा सकती है। निविदाकर्ताओं को उनके स्वयं के हित में सलाह दी जाती है की ऑन लाईन पर निविदा डालने से पहले निविदा दस्तावेजों का सावधानी पूर्वक अध्ययन कर ले। सुचारू भविष्य में इन निविदाओं से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन तिथि बढ़ने की जानकारी आदि केवल वेबसाईट **www.eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in, energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl** पर उपलब्ध करायी जायेगी।

TN	Works	UBN No.
TN-25	('ए) रीडवा के लिए 33/11 केवी सब स्टेशन का निर्माण, (बी) नवनिर्मित 33/11 केवी जीएसएस रीडवा के लिए 10.00 किमी 33 केवी लाइन का निर्माण (सी) जैसलमेर वृत्त के अंतर्गत सब डिवीजन चान्दन,जैसलमेर में रीडवा जीएसएस के लिए इंटरकनेक्शन के लिए 3.60 किमी 11 केवी लाइन का निर्माण श्रम दर के आधार पर-2025	JVV2526 WSOE00451
TN-26	('ए) मुन्ना टिब्बा के लिए 33/11 केवी सब स्टेशन का निर्माण, (बी) नवनिर्मित 33/11 केवी जीएसएस मुन्ना टिब्बा के लिए 23.00 किमी सिंगल सर्किट 33 केवी लाइन का निर्माण (सी) जैसलमेर वृत्त के अंतर्गत सब डिवीजन मोहनगढ़ में मुन्ना टिब्बा जीएसएस के लिए इंटरकनेक्शन के लिए 6.5 किमी 11 केवी लाइन का निर्माण श्रम दर के आधार पर -2025	JVV2526 WSOE00452
TN-27	('ए) केशव नगर के लिए 33/11 केवी सब स्टेशन का निर्माण, (बी) नवनिर्मित 33/11 केवी जीएसएस केशव नगर के लिए 4.5 किमी सिंगल सर्किट 33 केवी लाइन का निर्माण (सी) जैसलमेर वृत्त के अंतर्गत सब डिवीजन ग्रामीण में केशव नगर जीएसएस के लिए इंटरकनेक्शन के लिए 6.5 किमी 11 केवी लाइन का निर्माण श्रम दर के आधार पर -2025	JVV2526 WSOE00453

राज.संवाद/सी/25/8680 संभागीय मुख्य अभियन्ता (बाड़मेर-संभाग)

बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आमेर किले का निरीक्षण किया

उन्होंने पिछले दिनों बारिश में ढही रामबाग की दीवार का जायजा लिया

जयपुर (कासं)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जयपुर के ऐतिहासिक आमेर किले का दौरा किया और हाल ही में ढही हुई रामबाग की दीवार का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को किले की सुरक्षा और मरम्मत का काम तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के बाद, उपमुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ एक विस्तृत बैठक की। इस बैठक में आमेर किले के विकास और संरक्षण पर चर्चा हुई। बैठक में किले की दीवारों और अन्य संरचनाओं के रखरखाव, पर्यटकों के लिए बेहतर सुविधाओं, सुरक्षा प्रबंधों, यातायात और साफ-सफाई जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर बात की गई। अधिकारियों ने वर्तमान स्थिति और प्रस्तावित सुधारों के बारे में जानकारी दी, जिस पर दिया कुमारी ने अपने सुझाव दिए और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की सभी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने इन धरोहरों के सुधार और विकास के लिए आम लोगों और विशेषज्ञों की राय को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि इन प्रयासों से राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को एक नई पहचान मिलेगी और पर्यटकों का अनुभव और भी बेहतर होगा। इस अवसर पर पर्यटन आयुक्त रुक्मणि रियार, महल अधीक्षक राकेश छोलक, पुरातत्व निदेशक पंकज धीरेन्द्र, आमेर विकास प्राधिकरण और ट्रैफिक पुलिस के प्रतिनिधि सहित कई अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जयपुर के ऐतिहासिक आमेर किले का दौरा किया और हाल ही में ढही हुई रामबाग की दीवार का जायजा लिया।

- उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को किले की सुरक्षा और मरम्मत का काम तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए
- आधुनिक संरक्षण के लिए आमेर किले में दिया कुमारी ने अधिकारियों के साथ चर्चा की, विकास और सुधार पर बातचीत की
- राजस्थान की धरोहरों के संरक्षण पर दिया कुमारी ने जताई प्रतिबद्धता

गयाना के जार्जटाउन शहर में कृत्रिम अंग व कैलीपर निर्माण का स्थायी केन्द्र खुलेगा

जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति और वेस्टइण्डीज़ के देश गयाना के बीच एम.ओ.यू. हुआ

वेस्टइण्डीज़ के देश गयाना में कृत्रिम अंग और कैलीपर के निर्माण का स्थायी केन्द्र खोलने के लिए एमओयू पर भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति की दिल्ली शाखा के चेयरमैन प्रेमेन्द्र राज मेहता तथा गयाना के स्वास्थ्य मंत्री फ्रैंक एंथनी ने हस्ताक्षर किए ।

जयपुर। विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) और वेस्टइण्डीज़ के देश गयाना के बीच एक एम.ओ.यू. के अन्तर्गत गयाना के जार्जटाउन शहर में कृत्रिम अंग और कैलीपर के निर्माण का एक स्थायी केन्द्र स्थापित किया जाएगा। इस केन्द्र की स्थापना में बी.एम.वी.एस.एस. तकनीकी सहयोग देगा और जार्जटाउन में स्थायी केन्द्र की स्थापना करने में गयाना के स्वास्थ्य मंत्रालय को सभी तकनीकी सहायता प्रदान करेगा ।

बी.एम.वी.एस.एस. की ओर से इस एम.ओ.यू. पर प्रेमेन्द्र राज मेहता जो बी.एम.वी.एस.एस. की दिल्ली शाखा के चेयरमैन हैं तथा गयाना के स्वास्थ्य मंत्री फ्रैंक एंथनी ने हस्ताक्षर किए । एम.ओ.यू. के अन्तर्गत बी.एम.वी.एस.एस. गयाना सरकार को जयपुर फुट और कैलीपर निर्माण के लिए आवश्यक सामान और उपकरण उपलब्ध कराएगा । इसके अलावा गयाना से भेजे गए तकनीशियनों को जयपुर स्थित केन्द्र में प्रशिक्षित करेगा। गयाना में केन्द्र की स्थापना के लिए बी.एम.वी.एस.एस. द्वारा एक विशेषज्ञ जार्जटाउन भेजा जाएगा जो केन्द्र की स्थापना अपनी निगरानी में करेगा। उल्लेखनीय हैं कि वर्तमान में जार्जटाउन में इस समय भारतीय कम्पनी कल्पतरू प्रोजेक्ट्स इन्टरनेशनल लिमिटेड के आर्थिक सहयोग से एक शिविर का संचालन हो रहा हैं। इस शिविर के लिए कल्पतरू प्रोजेक्ट्स इन्टरनेशनल आर्थिक सहयोग दे रहा हैं। शिविर का आयोजन भारतीय उच्चायोग और गयाना सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के सहयोग से सम्भव हो पाया हैं।

उल्लेखनीय हैं कि वर्ष 2024 में दूसरे भारत-कैरी-कॉम सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कैरीकॉम देशों को सात प्रमुख क्षेत्रों में सहायता की पेशकश की थी । इसके क्षमता निर्माण, कृषि और खाद्य सुरक्षा क्रिकेट संस्कृति, समुद्री अर्थव्यवस्था और समुद्री सुरक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य और अन्य सेवा शामिल हैं ।

स्वास्थ्य सेवा के अन्तर्गत कृत्रिम पैर लगाने का शिविर लगाया गया। फिज़ी के प्रधानमंत्री सितीवेनी रोलका जो भारत दौर पर अभी दिल्ली में हैं की उपस्थिति में प्रधानमंत्री मोदी ने फिज़ी में दूसरे जयपुर फुट शिविर लगाकर फिज़ी के विकलांगों को लाभ पहुँचाने की घोषणा की । बी.एम.वी.एस.एस. की छः सदस्यीय तकनीकी टीम जार्जटाउन में विकलांगों को कृत्रिम पैर लगाने गई हुई हैं।

पद्मश्री गीता चंद्रन ने भरतनाट्यम के माधुर्य से कलाप्रेमियों को किया मंत्रमुग्ध

जयपुर । राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में सोमवार की शाम कला और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला, जब पद्मश्री से सम्मानित ख्यातनामा भरतनाट्यम नृत्यांगना गीता चंद्रन ने अपने नृत्यवृक्ष डांस कलेक्टिव के साथ काव्य कथा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में सभागार दर्शकों से खचाखच भरा रहा और हर प्रस्तुति पर तालियों की गूंज छाई रही।

शिव स्तुति की दिव्यता, गोविंद वंदना की भक्ति, ओंकारकारिणी की ऊर्जा, वसंत ऋतु की काव्यात्मकता और सूरदास के पदों पर आधारित रामायण की लोरी-इन सभी भावनात्मक और आध्यात्मिक पक्षों को गीता चंद्रन ने अपनी विशिष्ट शैली में मंचित किया। संध्या का समापन ऊर्जावान तिल्लाना के साथ हुआ, जिसे दर्शकों ने खड़े होकर सराहा।

गीता चंद्रन के साथ नृत्यवृक्ष की प्रतिभाशाली कलाकार राधिका कथल, मधुरा भ्रुशुंडी, सौम्या लक्ष्मी नारायणन और यादवी शकधर मेनन ने भी मंच पर सामंजस्य और भावनात्मक गहराई का सुंदर योगदान दिया। जीवंत संगीत के साथ उनकी सामूहिक प्रस्तुति ने दर्शकों के अनुभव को और अधिक प्रभावशाली बना दिया।

प्रस्तुति के उपरांत गीता चंद्रन ने कहा कि भरतनाट्यम उनके लिए केवल नृत्य नहीं, बल्कि प्रार्थना, दर्शन और काव्य का जीवंत संगम है।

'इम्यूनोग्रिट करेगा अजरता-अमरता के वरदान को सिद्ध'

हरिद्वार। पतंजलि के वैज्ञानिकों ने पुन: सिद्ध कर दिया है कि हमारे पौराणिक ग्रंथों में वर्णित अष्टवर्ग जड़ी-बूटियों के द्वारा प्राप्त अजरता-अमरता का वरदान मात्र मिथ्या नहीं हैं, इसमें सत्यता भी निहित है। पतंजलि के वैज्ञानिकों ने अष्टवर्ग एवं अन्य प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से निर्मित औषधि इम्यूनोग्रिट पर किए गए शोध के द्वारा सिद्ध कर दिया है कि इस औषधि के द्वारा असमय आने वाले बुढ़ापे को प्रभावी रूप से धीमा किया जा सकता है।

इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि तनाव, चिंता, प्रदूषण और गलत जीवनशैली हमें असमय बुढ़ापे की ओर ले जा रही है। आजकल 35-40 वर्ष की आयु में चेहरे पर झुर्रियां, माथे पर लकीरे होना आम बात हो गई है। एलोपैथिक चिकित्सा और महंगे-महंगे इंजेक्शन द्वारा लोग इस समस्या का अस्थाई समाधान खोजने में लगे हैं।

परन्तु इस समस्या का हल भी हमारे पौराणिक ग्रंथों में ही निहित है, हमने अष्टवर्ग जड़ी-बूटियों को वर्तमान युग के अनुरूप, वैज्ञानिक प्रमाणिकता के साथ इम्युनोग्रिट के रूप में प्रस्तुत किया है। आयुर्वेद के अनुसार अष्टवर्ग जड़ी-बूटियां बलवर्धक, रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने वाली एवं आयु को बढ़ने से रोकने वाली विशेषताओं से निहित हैं। उन्होंने आगे कहा कि आयुर्वेद की शक्ति को आज पूरा विश्व स्वीकार कर रहा है। यह हमारी परंपरा और हमारे ऋषि-मुनियों का ज्ञान है। अब वह समय दूर नहीं जब भारत ही नहीं, पूरा विश्व आयुर्वेद को अपनी चिकित्सा पद्धित के रूप में मान्यता देगा।

इम्यूनोग्रिट औषधि विदारीकंद, मेदा, शतावरी, ककोली, क्षीरककोली, रिद्धि, वाराहीकंद, बला, सफ़ेद मूसली, शुद्ध कौंच, अश्वगंधा से बनी है, जिन्हें हमारे आयुर्वेदिक ग्रंथों में बुढ़ापे को मंद करने वाला माना गया है।

पतंजलि अनुसन्धान संस्थान के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. अनुराग वार्ष्णेय ने कहा कि यह शोध उन लोगों के लिए एक आशा की किरण है जो बढ़ती आयु और उस कारण त्वचा पर असमय होने वाली झुर्रियों से चिंतित हैं। इम्यूनोग्रिट मात्र एक हर्बल सप्लीमेंट नहीं, अपितु एक वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित आयुर्वेदिक समाधान है, जो आने वाले वर्षों में एंटी-एजिंग उपचार की दिशा में बडी भूमिका निभाएगा। उन्होंने आगे कहा कि हमारा यह प्रयास पुष्टि करता है कि जब परंपरा और विज्ञान साथ आते हैं, तो असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है। इस अध्ययन में पाया गया कि इम्यूनोग्रिट बुढ़ापे के कारण त्वचा की कोशिकाओं में होने वाले बदलावों को नियंत्रित करने में कारगर है। यह शोध जिसमें वृद्धावस्था को भी धीमा करने की शक्ति से निहित इम्यूनोग्रिट औषधि के बारे में बताया गया है, अंतरराष्ट्रीय रिसर्च जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

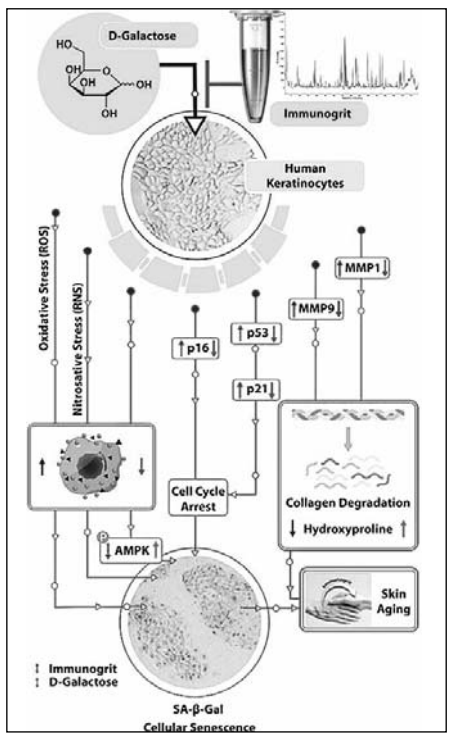

ज्वैलरी की मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट में हुई नकबजनी का भंडाफोड, तीन गिरफ्तार

जयपुर। माणकचौक थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बीस अगस्त को चाकसू का चौक स्थित ज्वैलर की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में हुई नकबजनी का भंडाफोड करते हुए वहां काम करने वाले नौकर सहित तीन लोगों को पकडा है। जिसमें एक बाल अपचारी है। पुलिस ने आरोपियों के पास से वारदात में प्रयुक्त ऑक्सीजन गैस सिलिंडर, गैस कटर सहित अन्य सामान बरामद किया है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि माणक चौक थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बीस अगस्त को चाकसू का चौक स्थित ज्वैलरी की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में हुई नकबजनी के मामले में काम करने वाले नौकर राहुल प्रजापत निवासी अरावली विहार जिला अलवर खो नागोरियान और मनीष प्रजापत निवासी अलवर हाल खोनागोरियान को गिरफ्तार किया है और साथ ही इस वारदात में शामिल एक अन्य बाल अपचारी को निरुद्ध किया गया है। आरोपित राहुल प्रजापति वर्तमान में ज्वेलरी मैन्युफैक्चरिंग युनिट पर काम करता है। तथा उसके बडे भाई मनीष प्रजापत ने भी पूर्व मे एक माह तक इस यूनिट में काम किया था। काम करने के दौरान गोल्ड ज्वेलरी की अत्यधिक मात्रा को देखकर तथा दोनो भाइयों के कर्ज होने के कारण चोरी करने का प्लान बनाया । चूंकि करोडो रुपये की ज्वैलरी गोदरेज के सेफ में रहती थी । जिसको काटकर ज्वैलरी चोरी करना एक चैलेंज था।

हाईकोर्ट ने जांच अधिकारी को जेल भेजने की चेतावनी दी

माफी मांगने पर पालना के लिए मिला एक दिन का समय

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने दुष्कर्म मामले में अदालती आदेश के बावजूद आरोपी की कॉल डिटेल अदालत में पेश नहीं करने पर अलवर के राजगढ़ थाने के जांच अधिकारी को जेल भेजने की चेतावनी दी। आखिर में जांच अधिकारी के माफी मांगने पर अदालत ने प्रकरण की सुनवाई एक दिन के लिए टालते हुए जांच अधिकारी को संबंधित रिकॉर्ड पेश करने को कहा है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश शंकर लाल की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।सुनवाई के दौरान अदालत ने जांच अधिकारी से पूछा कि गत 12 अगस्त के आदेश की पालना में आरोपी के फोन की कॉल डिटेल से जुडा रिकॉर्ड पेश क्यों नहीं किया। इस पर जांच अधिकारी ने कहा कि वह रिकॉर्ड नहीं लाए हैं। इस पर अदालत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि कहीं वह आरोपी को बचाने के लिए तो ऐसा नहीं कर रहे हैं। इसके साथ ही अदालत ने जांच अधिकारी को जेल भेजने की चेतावनी देते हुए हुए कहा कि 26 अगस्त को रिकॉर्ड पेश किया जाए, वरना कोर्ट अपने स्तर पर आदेश देगी।

- दुष्कर्म मामले में अदालती आदेश के बावजूद आरोपी की कॉल डिटेल कोर्ट में पेश नहीं करने पर हाईकोर्ट ने जताई नाराजगी

पीडिता के वकील बाबूलाल बैरवा ने बताया कि याचिकाकर्ता ने पीडिता के साथ दुष्कर्म किया था। वहीं बाद में उसका विवाह तय होने पर उसके मंगेतर को भी फोन कर जान से मारने की धमकी दी। जिसके चलते शादी के कुछ दिन पहले ही मंगेतर ने विवाह करने से इनकार कर दिया। वहीं सामाजिक रिवाजों के चलते आनन फानन में दूसरे लडके से पीडिता का विवाह कराया गया। पीडिता के वकील ने अदालत में आरोप लगाया की जांच अधिकारी ने आरोपी को बचाने के उद्देश्य से अनुसंधान किया है और आदेश के बावजूद अदालत में रिकॉर्ड पेश नहीं किया।

देवनारायण पदयात्रा में शामिल महिला को पुलिस बस ने कुचला

जयपुर। ब्रह्मपुरी थाना इलाके में सोमवार अल-सुबह एक पुलिस बस ने देव नारायण पदयात्रा में शामिल एक महिला भक्त को जोरदार टक्कर मार दी। जिसके महिला गिर पड़ी और बेहोश हो गई। इससे गुस्साएं पदयात्रियों ने बस को रोक लिया और बस चालक को पुलिस के हवाले कर दिया। पदयात्रियों का आरोप है बस चालक ने शराब पी रखी थी और उसके मुंह से बदबू आ रही थी।

एएसआई सोहन लाल के अनुसार सोमवार सुबह साढ़े 5 से 6 बजे के बीच जल महल के सामने से देव नारायण भगवान की पदयात्रा निकल रहीं थी।

- सोमवार सुबह साढ़े पांच जल महल के सामने हुआ हादसा

तभी आमेर की ओर से आ रही एक पुलिस बस ने अलवर निवासी सरसो देवी (32) पत्नी रामनारायण गुर्जर को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। एंबुलेंस की सहायता से उसे एसएमएस के ट्रोमा वॉर्ड में भर्ती कराया गया।

गुस्साए पदयात्रियों ने विरोध करते हुए बस को रोक लिया और पुलिस को सूचना दी। बस चालक के मुंह से शराब की बदबू आने से पदयात्री और ज्यादा भडक गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने बस को साइड में खड़ा करवाकर पुलिसकर्मियों को अन्य वाहनों से ड्यूटी पॉइंट के लिए रवाना किया।

कांस्टेबल को बर्खास्त करने वाला 41 साल पुराना आदेश रद्द

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पुलिस विभाग के 41 साल पुराने उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसके तहत याचिकाकर्ता की कांस्टेबल पद से सेवाएं समाप्त कर दी गई थी। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता को सेवानिवृत्त परिलाभ के लिए उसकी सेवानिवृत्ति की उम्र तक सेवा में मानने को कहा है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश रमेश की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता को बर्खास्त करने और बाद में उसकी अपील खारिज करने के दौरान निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। वहीं समान मामले में वह अदालत से बरी भी हो गया। ऐसे में उसका बर्खास्तगी आदेश और अपीलीय अधिकारी का आदेश रद्द किया जाता है।

याचिका में अधिवक्ता संदीप भगवती ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता साल 1979 में कांस्टेबल नियुक्त हुआ था। वहीं विभाग में उसके खिलाफ शिकायत दी गई कि उसका वास्तविक नाम मोहन लाल है और उसने अपने भाई रमेश के दस्तावेजों से नौकरी हासिल की है। इस शिकायत पर विभाग ने जनवरी, 1984 में उसे निलंबित और बाद में जून माह में बर्खास्त कर दिया। इसके खिलाफ पेश विभागीय अपील भी नवंबर, 1984 में खारिज कर दी गई। याचिका में कहा गया कि उसे 17 सीसीए के तहत छोटा दंड देने के बजाए बर्खास्तगी जैसा बडा दंड दिया गया। इस दौरान उसे सुनवाई का भी पूर्ण अवसर नहीं दिया गया। इसके अलावा समान आरोप में उसके खिलाफ आपराधिक मामला भी चला। जिस पर सुनवाई करते हुए 31 मार्च, 2000 को कोर्ट ने उसे बरी कर दिया। इसके बाद उसने साल 2002 में यह याचिका दायर की। इसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता ने करीब 18 साल की देरी से याचिका दायर की है। विभागीय अपील के आदेश को तत्काल चुनौती नहीं दी गई। ऐसे में देरी के आधार पर याचिका को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को बर्खास्त करने और विभागीय अपीलीय आदेश को रद्द करते हुए उसे सेवानिवृत्ति की उम्र तक सेवा में मानने को कहा है।

प्रसार की आमसभा में कैडर रिव्यू समेत कई मुद्दों पर चर्चा

15 से 21 अप्रैल तक मनाएंगे जनसंपर्क सप्ताह, राज्य सरकार की योजनाओं का करेंगे सघन प्रचार

जयपुर । पब्लिक रिलेशंस एंड एलाइड सर्विसेज एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (प्रसार) की वार्षिक आमसभा रविवार को सूचना केन्द्र, जयपुर के सभागार में आयोजित हुई। प्रसार अध्यक्ष डॉ. हरिशंकर आचार्य की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष कुमार अजय, उपाध्यक्ष (क्षेत्रीय) धर्मेन्द्र मीणा, उपाध्यक्ष (मुख्यालय) चंद्रशेखर पारीक, महासचिव अभय सिंह भाटी, सचिव मोहित जैन मौजूद रहे। वहीं विभाग के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. आशीष खंडेलवाल, हेमंत सिंह, आलोक आनंद, कविता जोशी, छोटू लाल जीनगर, वीर सेन, आशीष जैन, सुरेन्द्र बगवाड़ा, संतोष कुमार, दिनेश शर्मा, राकेश कुमार, मनीष कुमार आदि ने भी विचार रखे। बैठक में जनसंपर्क विभाग के कैडर रिव्यू एवं सुदृढ़ीकरण के प्रस्ताव तैयार करने, सहायक जनसंपर्क अधिकारियों के स्थाईकरण, प्रतिवर्ष 15 से 21 अप्रैल तक जनसंपर्क सप्ताह आयोजित करने तथा जनसंपर्क दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह में जयपुर में आयोजित करने, विभागीय कार्यालयों में संसाधनों की वृद्धि सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। इस दौरान जनसंपर्क मंत्रालयिक कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों के साथ भी चर्चा हुई और कैडर रिव्यू से जुड़े प्रस्ताव साझा तरीके से तैयार करते हुए उच्च स्तर तक प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया। संगठन की अब तक की गतिविधियों, सदस्यता शुल्क, विभिन्न कमेटियों के गठन, फोटोग्राफर संवर्ग तथा जयपुर के न्यू गेट स्थित रंगमंच कार्यालय के विभागीय हित में बेहतर उपयोग के लिए उच्चाधिकारियों को अवगत करवाने का निर्णय लिया गया। बैठक में प्रसार द्वारा सरकार की युवा कल्याण की योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए चलाए जाने वाले 'युवा संकल्प' अभियान और जनसंपर्क सप्ताह के दौरान प्रदेश के सभी जिलों में पूरे सप्ताह सरकार की योजनाओं के प्रचार-प्रसार का विषेष अभियान चलाने के संबंध में भी चर्चा की गई।

पब्लिक रिलेशंस एंड एलाइड सर्विसेज एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (प्रसार) की वार्षिक आमसभा रविवार को सूचना केन्द्र जयपुर में आयोजित हुई।

पैक्स व केवीएसएस पर एक दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण

जयपुर । सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने कहा कि सहकारी संस्थाएं उनसे की जाने वाली अपेक्षा के अनुरूप पारदर्शी तरीके से कार्य कर सदस्यों और किसानों का हित सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि विभिन्न स्तर पर सामने आने वाले गैप्स समितियों की रैंकिंग और परफॉर्मेंस पर असर डालते हैं, ऐसे में निर्धारित मापदण्डों एवं दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य कर रैंकिंग पैरामीटर्स पर खरा उतरने का प्रयास किया जाए।राजपाल सोमवार को नेहरू सहकार भवन में राज्य के सभी पैक्स एवं केवीएसएस हेतु आयोजित एक दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को सम्बोधित कर रही थीं।

प्रदेश के कई नेशनल और स्टेट हाई-वे अभी भारी बारिश से जलमग्न है। जयपुर-दिल्ली नेशनल हाईवे पर भी सोमवार को काले बादल मंडराए तो ऐसा लगा कि मौसम विभाग की भारी बारिश को लेकर जारी की गई चेतावनी अगर सही रही तो ये भी जलमग्न होगा, परंतु लेकिन बादल जैसे छाए बरसे नहीं। फोटो: दिनेश भारद्वाज

पांच करोड़ की सायबर ठगी का पर्दाफाश, सात जने गिरफ्तार, सरगना फरार

बड़ी मात्रा में सायबर क्राइम में प्रयुक्त सामग्री व अवैध हथियार बरामद किए

डीडवाना, (निसं)। जिला पुलिस ने सायबर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक संगठित सिंडिकेट गैंग का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस कार्रवाई में गैंग के सात सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से बड़ी मात्रा में सायबर क्राइम में प्रयुक्त सामग्री व अवैध हथियार बरामद किए हैं। वहीं गिरोह का मुख्य सरगना दिनेश रणवा पुलिस की पकड़ से फरार हो गया। जिला पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर ने प्रेस कांफ्रेंस कर मामले का खुलासा किया।

पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर ने बताया कि प्राप्त सायबर शिकायतों के आधार पर सायबर सेल और डीडवाना वृताधिकारी धरम पुनिया के नेतृत्व में पुलिस टीम को मौलासर थाना क्षेत्र के पीपला का बास गांव के नजदीक तलाई इलाके में एक स्कॉर्पियो कार में बैठे सायबर ठगों की सूचना मिली। टीम मौके पर पहुंची तो आरोपी भागने लगे, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर सात को दबोच लिया। मुख्य सरगना मौके से फरार होने में सफल हो गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों से 21 एटीएम कार्ड, 22 सिम कार्ड, 10 मोबाइल फोन, एक वाई-फाई डोंगल,

पुलिस ने करोड़ों की ठगी मामले में सात जनों को गिरफ्तार किया।

- डिजिटल अरेस्ट, लिंक भेजकर ठगी और बेरोजगार युवाओं को नौकरी का लालच देकर उन्हें फंसाने जैसी तरकीबों से लोगों को ठगी की थी

4 चेकबुक, 9 पास बुक, 34 हजार नगद, एक स्कॉर्पियो कार, एक पिस्टल मय मैग्जीन व 12 जिंदा कारतूस जब्त किए हैं। शुरुआती जांच में गैंग से 5 करोड़ रुपये से अधिक की सायबर ठगी के लेनदेन का खुलासा हुआ है।

एसपी ऋचा तोमर ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में पीपला का बास, मौलासर निवासी शिवपाल सिंह और जितेन्द्र सिंह, चितावा थाना क्षेत्र के कुकनवाली गांव निवासी विकास कुमार, कुचामन सिटी क्षेत्र के कुकनवाली निवासी रामदेवाराम, उदयपुरा निवासी मुकेश और कमल, तथा आथूना दरवाजा, कुचामन सिटी निवासी आदिल उर्फ मोनू शामिल हैं। एसपी ऋचा तोमर ने बताया कि आरोपियों द्वारा आपराधिक षड्यंत्र के तहत भोले-भाले लोगों को कमीशन व लालच देकर उनके बैंक खाते, एटीएम कार्ड, पासबुक व सिम कार्ड अपने कब्जे में ले लिए जाते थे। इसके बाद सायबर ठगी की राशि इन खातों में डलवाकर एटीएम, चेक या ई-मित्र के माध्यम से निकालकर मुख्य सरगना तक पहुंचाई जाती थी। कमीशन के रूप में गैंग के सदस्य हिस्सा पाते थे। पुलिस के अनुसार यह गैंग डिजिटल अरेस्ट, लिंक भेजकर ठगी और बेरोजगार युवाओं को नौकरी का लालच देकर उन्हें फंसाने जैसी तरकीबों से लोगों को ठगता था।

यह पूरी कार्रवाई पुलिस महानिदेशक राजस्थान जयपुर और अजमेर रेंज आईजी राजेन्द्र सिंह के निर्देशन में, डीडवाना-कुचामन एसपी ऋचा तोमर की पर्यवेक्षण और एएसपी नेमीचंद खारिया व वृताधिकारी धरम पूनिया के सुपरविजन में हुई। इसमें मौलासर, कुचामन, चितावा थाना पुलिस व सायबर सेल डीडवाना की संयुक्त टीम ने अहम भूमिका निभाई।

छह लाख रूपये का अफीम दूध जब्त, चार अभियुक्त गिरफ्तार

सरूण्ड थाना पुलिस ने कार्रवाई की चार जनों को गिरफ्तार किया।

कोटपूतली, (निसं)। निकटवर्ती सरूण्ड थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के विरूद्ध बड़ी कार्यवाही की है। पुलिस ने छह लाख रूपये का अफीम दूध सहित चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया व वारदात में प्रयुक्त स्वीफ्ट गाड़ी जब्त की।

जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार बिश्नोई ने प्रैस वार्ता में जानकारी देते हुये बताया कि गत 24 अगस्त की रात्रि को गश्त व नाकाबंदी के दौरान सरूण्ड थाना पुलिस को डीएसटी टीम के कानि. धर्मेन्द्र द्वारा सूचना दी गई कि एक स्वीफ्ट गाड़ी गोरधनपुरा से कुजोता की ओर आ रही है। पुलिस टीम ने उक्त गाड़ी को रोकने का प्रयास किया तो चालक उसको भगा ले गया। इस पर पुलिस टीम द्वारा कुजोता मोड़ स्थित कंजर बस्ती के पास नाकाबंदी की गई तो उक्त स्वीफ्ट गाड़ी आती हुई दिखाई दी। जिस पर एसएचओ बाबूलाल मीणा ने गाड़ी को रोककर चालक से भागने

- पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त स्वीफ्ट गाड़ी जब्त की

का कारण पूछा तो वह कोई जवाब नहीं दे पाया एवं घबरा गया। कार सवार युवकों ने अपना नाम मोहित मोहन, राजवीर, बलवान उर्फ बल्ले बताया। पुलिस ने गाड़ी की जांच की तो सीट के नीचे प्लास्टिक की थैली में अवैध मादक पदार्थ अफीम दूध पाया गया। कार सवार लोगों से इस बाबत पूछताछ की तो उन्होंने कोई लाईसेंस अथवा अनुज्ञा पत्र होना नहीं बताया।

इस पर पुलिस ने उक्त मादक पदार्थ अफीम दूध का वजन किया तो 1 किलो 780 ग्राम वजन पाया गया, जिसे एनडीपीएस एक्ट के तहत मौके पर ही सील कर जप्त किया। साथ ही स्वीफ्ट गाड़ी को जप्त करते हुये अवैध मादक पदार्थ का परिवहन कर रहे आरोपी हरिन्द्र राठी (25) पुत्र सरजीत गुर्जर निवासी बार गुर्जर, थाना खेड़की दौला व मोहित मोहन (25) पुत्र मदन लाल राजपूत निवासी सदना पार्क के पास, सैक्टर 10 जिला गुड़गांव (हरियाणा) एवं राजवीर (25) पुत्र बलराम गुर्जर व बलवान उर्फ बले (25) पुत्र विश्राम गुर्जर दोनों निवासी मिलकपुर गुर्जर थाना फुलबाग, खैरथल-तिजारा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा जप्त किये गये उक्त मादक पदार्थ अफीम दूध की बाजार किमत करीब छह लाख रूपये हैं। इस संबंध में थाना पुलिस द्वारा एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर इस बाबत अनुसंधान किया जा रहा है कि गिरफ्तारशुदा अभियुक्तों द्वारा यह अफीम दूध कहां से लाया गया एवं कहां ले जाया जा रहा था। साथ ही इस बाबत भी अनुसंधान किया जा रहा है कि इस अवैध धंधे में कौन-कौन व्यक्ति शामिल हैं।

राष्ट्रसंत पुलक सागर ने के.के. गुप्ता के कार्यों की सराहना की

उदयपुर, (कासं)। राष्ट्रसंत आचार्य पुलक सागर महाराज ससंघ का चातुर्मास भव्यता के साथ संपादित हो रहा है। टाउन हॉल नगर निगम प्रांगण में ज्ञान गंगा महोत्सव के विशेष प्रवचन के अवसर पर रविवार प्रात: स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण राजस्थान सरकार के कोऑर्डिनेटर के के गुप्ता सम्मिलित हुए और आचार्य का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस विशेष अवसर गौ माता संवर्धन कार्यक्रम में के. के. गुप्ता द्वारा उपस्थित हुकमचंद सावला केंद्रीय परामर्श समिति सदस्य एवं पूर्व उपाध्यक्ष विश्व हिंदू परिषद एवं राष्ट्र संत पुलक सागर को गौ माता की मूर्ति भेंट की तथा स्वच्छ भारत

राष्ट्रसंत पुलक सागर को के.के. गुप्ता ने गौ माता की मूर्ति भेंट की।

- गुप्ता ने स्वच्छता, जल और पर्यावरण संरक्षण में अथक परिश्रम करके डूंगरपुर को श्रेष्ठ बनाया : पुलक सागर महाराज

मिशन पर्यावरण जल संरक्षण जल संचय एवं गौ माता संरक्षण के पोस्टर का विमोचन राष्ट्रीय संत पुलक सागर महाराज के निर्देशन में करवाया गया।

महाराज ने कहा कि गुप्ता ने स्वच्छता, जल और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अथक परिश्रम करके डूंगरपुर नगर को नंबर एक बनाने के प्रयास किए और इन्हें शत प्रतिशत सफलता भी प्राप्त हुई है। वर्ष 2018 में डूंगरपुर नगर का प्रवास हुआ था, उस समय डूंगरपुर नगर को नजदीक से देखा था लेकिन, आज के समय में डूंगरपुर नगर एक स्वच्छ, सुंदर, हरा भरा और जल युक्त अंतरराष्ट्रीय स्तर का नगर बन चुका है। गुप्ताजी के इन अनुकरणीय कार्यों को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह द्वारा भी के.के. गुप्ता को सम्मानित किया गया है। महाराज ने कहा कि गुप्ताजी जैसा व्यक्तित्व देश के प्रत्येक शहर में मिल जाए तो इस देश में स्वच्छता की क्रांति आने में देर नहीं लगेगी और हमारा भारतवर्ष पुन: विश्वगुरु की उपाधि को प्राप्त करेगा। गुप्ताजी को मेरा अत्यंत आत्मीय आशीर्वाद है।

इस अवसर पर गुप्ता ने बताया कि आचार्य पुलक सागर महाराज का आशीर्वाद मेरे ऊपर बहुत वर्षों से बना हुआ है और मैं वैश्य अग्रवाल समाज से आता हूं, लेकिन जैन समुदाय के साधु संतों का मेरे प्रति विशेष स्नेह है तथा मुझमें भी जैन साधुओं के प्रति अत्यंत श्रद्धा है। नेक नियति से किए जाने वाले कार्यों मे ईश्वर के साथ-साथ साधु संतों का भी आर्शीवाद प्राप्त होता है और उसी का परिणाम रहा कि डूंगरपुर शहर को नीत नए सोपानों पर लाकर खड़ा कर दिया तथा विश्व पटल पर डूंगरपुर स्वच्छता के क्षेत्र में मिसाल बनकर उभर गया। गुप्ता ने कहा कि मैं डूंगरपुर नगर परिषद का सभापति रहा। हमारे शहर में राष्ट्रीय क्रांतिकारी संत गुरुदेव तरुण सागर महाराज का सबसे पहले जब प्रवेश हुआ इसके बाद राष्ट्र संत आचार्य पुलक सागर महाराज, आनंद सागर महाराज, सुनील सागर महाराज, नवरत्न सागर, प्रद्युम्न विमल महाराज, अभय देव सूरीश्वर महाराज, हेमचंद सूरीश्वर महाराज आदि जब जब किसी भी संत का शहर में प्रवेश हुआ, हमने उन्हें शहर में किसी भी प्रकार की समस्याएं नहीं आने दीं तथा जब भी संत हमारे शहर में प्रवेश करते थे तो हम उनके आगे-आगे फायर ब्रिगेड गाड़ी चलाते थे तथा पानी का छिड़काव पर करते थे, जिससे संत को गर्म सड़क पर चलने में दिक्कत नहीं हो।

एनएसयूआई कार्यकताओं ने किया प्रदर्शन

परीक्षा परिणाम में अधिकतर छात्रों को शून्य मार्क्स देने का मामला

अजमेर, (कासं)। एमडीएस यूनिवर्सिटी के परीक्षा परिणामों में अधिकतर छात्रों को शून्य मार्क्स देने सहित अन्य मांगों को लेकर एनएसयूआई के देहात जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में सोमवार को छात्र नेताओं सहित स्टूडेंट्स ने एमडीएस यूनिवर्सिटी के मुख्य द्वार पर टायर जलाकर अपनी नाराजगी जताई।

प्रदर्शन के दौरान यूनिवर्सिटी परिसर में घुसने और कुलपति को बाहर बुलाने को लेकर कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की भी हो गई। मौके पर पहुंचे कुलगुरु को छात्र नेताओं ने ज्ञापन सौंपा। कुलगुरु ने आश्वासन दिया कि जल्द ही मांगों पूरा करने के प्रयास किए जाएंगे। वहीं छात्र नेताओं ने चेतावनी दी है कि मांग नहीं मानी गई तो आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी।

एनएसयूआई देहात जिला अध्यक्ष अंकित घारू के नेतृत्व में सोमवार को विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर स्टूडेंट पहुंचे और टायर जलाकर हाथों में तख्तियां लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इसके बद कुछ देर के लिए मुख्य दरवाजे को बंद कर उस पर चढ़कर नारेबाजी की गई। प्रदर्शन करते हुए कुलपति भवन पहुंचे। इसके बाद कुलपति को बाहर बुलाने को लेकर धरना दिया। कुलपति के बाहर नहीं आने पर कार्यकर्ता आक्रोशित हो गए। पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की हुई। काफी देर बाद कुलगुरु प्रो. सुरेशचंद्र बाहर आए और स्टूडेंट्स ने अपनी विभिन्न मांगों का ज्ञापन

- एनएसयूआई कार्यकताओं की पुलिस से धक्का-मुक्की हुई, कुलगुरु को सौंपा ज्ञापन

दिया। उन्होंने मांग की कि यूनिवर्सिटी द्वारा परीक्षा परिणाम घोषित किए गए हैं, जिसमें अधिकतर छात्रों को शून्य मार्क्स दिए गए हैं, जिससे समस्त छात्र असंतुष्ट हैं, जिससे जाहिर होता है कि एग्जाम रिजल्ट में कहीं ना कहीं अनियमित बरती गई है। परीक्षा परिणाम की निष्पक्ष जांच की जाए। यूनिवर्सिटी में जो सेमेस्टर सिस्टम शुरू किया गया उसे बंद किया जाए। इससे छात्रों पर भार बढ़ा है, जो ग्रेजुएट 3 वर्ष में होती थी वह सेमेस्टर के चलते 5 से 6 वर्ष में हो रही है, जिससे अगर इन छात्रों को कंपटीशन की तैयारी करनी हो तो उन्हें काफी परेशानी से गुजरना पड़ेगा। यूनिवर्सिटी में सेमेस्टर में डबल परीक्षा फीस ली जा रही है, उससे छात्रों पर आर्थिक भार बढ़ेगा। इसे तुरंत प्रभाव से एक वर्ष में एक बार ही ली जाए। यूनिवर्सिटी में परीक्षा परिणाम घोषित किए जाते हैं जो तय समय से काफी देरी से घोषित होते हैं। जिससे छात्रों को काफी परेशानी उत्पन्न होती है। कुलगुरु ने मामले में जांच कर जल्द मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया।

देहात जिला अध्यक्ष अंकित घारू ने कहा कि यदि छात्र हितों में उनकी मांगें जल्द पूरी नहीं हुई तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी।

तीस लाख रूपये मुआवजे पर सहमति बनी

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के डबोक थाना क्षेत्र में कुंवारी माइंस में रविवार को पानी में डूबने से 4 नाबालिगों की मौत के मामले में सोमवार अलसुबह मुआवजे पर सहमति बन पाई। इसके बाद चारों बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए एमबी हॉस्पिटल मॉर्च्युरी में शिफ्ट किया गया, जहां पोस्ट मार्टम के बाद शव परिजनों को सुपूर्द कर दिए। इससे पहले रविवार शाम चार बजे से सोमवार सुबह चार बजे तक ग्रामीण और उनके परिजन चारों मृतक बच्चों के शवों के लेकर माइंस के बाहर बैठे रहे। कई बार पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में माइंस प्रतिनिधि और ग्रामीणों की वार्ता विफल रही।

वार्ता में मौजूद रहे बीटीपी नेता अंगूरलाल गमेती ने बताया कि प्रत्येक मृतक बच्चे को 10-10 लाख के हिसाब से कुल 50 लाख मुआवजा और परिवार में एक को माइंस में नौकरी की मांग कर रहे थे। आखिरकार कुल 30 लाख यानी प्रत्येक मृतक परिवार को 7.30 लाख मुआवजा दिए जाने पर सहमति बन पाई। इसके बाद शवों को उठाया गया।

ग्राफ्टिंग विधि से किसान ने परम्परागत सोच को बदला

बीकानेर, (निसं)। खेतों में विभिन्न वनस्पति ऐसी होती हैं जो अपने आप उगती है। किसान इन्हें खरपतवार, अनुपयोगी और नुकसानदेह मानते हैं, लेकिन बीकानेर के हिम्मतासर निवासी किसान रामेश्वर लाल खींचड़ ने इस सोच को बदला है। उन्होंने न सिर्फ अपने खेत में उगी जंगली झाड़ियों को उपयोगी बनाया बल्कि दो किस्मों का पेटेंट भी लिया है। रामेश्वर अब तक 963 किसानों को इसका प्रशिक्षण देकर ट्रेनर बना चुके हैं।

किसान रामेश्वर लाल ने बताया कि 30 साल पहले इजरायल का एक डॉक्टर बीकानेर आया था। उसने अंग्रेजी में भाषण दिया। मैंने एक पढ़े-लिखे सज्जन से पूछा कि इन्होंने ऐसा क्या कह दिया। सज्जन ने बताया कि कोई भी वनस्पति बेकार नहीं होती, राजस्थान के किसान ग्राफ्टिंग विधि से पेड़-पौधों की किस्म बदलना सीख लें तो यहां की धरती सोना उगल सकती है। बस, वहीं से मैंने ठान लिया कि खरपतवार और जंगली अनुपयोगी झाड़ियों को उपयोगी बनाऊंगा। इसके बाद मैं श्रीगंगानगर में एक शिविर में गया, दो दिन रहकर ग्राफ्टिंग विधि सीखी। फिर बाड़मेर-जैसलमेर जाकर बिना कांटों वाली खेजड़ी की टहनियां लाया। उन्हें अपने बंजर खेत में कांटों वाली अनुपयोगी कुछ झाड़ियों पर चढ़ाकर प्रयोग किया। उनमें 8-10 दिन में कोंपलें फूटने लगीं और कुछ दिन बाद बेर आने लगे। खेजड़ी पर प्रयोग कर कांटों वाली खेजड़ी को कांटों रहित बनाया। अब तक मैं खेजड़ी की 18 और बेर (हाइब्रिड, आकार में बड़े) की 8 किस्में विकसित कर चुका हूं। इनमें से खेजड़ी की 2 किस्मों थार हरित और धोरों की तरकारी का पेटेंट भी अपने नाम कराया है।

किसान खींचड़ ने बताया मैंने अब तक जिन झाड़ियों को कांटों से मुक्त किया, वे साग-सब्जी बनाने और पशुओं के पौष्टिक चारे के काम आ रही हैं। इससे पहले कांटे होने के कारण उनका उपयोग नहीं हो पा रहा था। इससे चारा फ्री में मिल रहा है जबकि पहले बाजार से सूख चारा 1500 से 2000 और 1000 से 1200 रुपए क्विंटल के भाव से लाना पड़ रहा था। मिट्टी और पानी की समस्या वाले इलाकों में ग्राफ्टिंग विधि से बिना पानी के फलदार पौधे सफलता पूर्वक उगाए जा सकते हैं।

ग्राम मेघा में मिले दुर्लभ डायनासोर प्रजाति के जीवाश्म की जांच की

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर जिले की पंचायत समिति फतेहगढ़ के ग्राम मेघा में एक अत्यंत दुर्लभ वर्टिब्रेट स्केलेटन (कशेरुकी जीवाश्म) प्राप्त हुआ है। इसकी जांच रविवार को जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के भू-विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं जीवाश्म वैज्ञानिक प्रो. वीरेंद्र सिंह परिहार द्वारा भूवैज्ञानिक डॉ.

- 'यह फाइटासौर नामक डायनासोर प्रजाति का जीवाश्म है, जो जुरासिक काल में पाया जाता था'
- 'यह प्राणी मूलतः मगरमच्छ के आकार का था, जिसकी अनुमानित लंबाई लगभग तीन मीटर थी। ये जीव मुख्यतः घने जंगलों में रहते थे'

जयनारायण व्यास विवि के भू-विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं जीवाश्म वैज्ञानिक प्रो. वीरेंद्रसिंह ने जीवाश्म का अध्ययन किया।

नारायण दास इणखिया की सक्रिय भागीदारी एवं उपस्थिति में की गई।

प्रो. परिहार ने विस्तृत अध्ययन के बाद बताया कि यह फाइटासौर नामक डायनासोर प्रजाति का जीवाश्म है, जो जुरासिक काल में पाया जाता था। यह प्राणी मूलत: मगरमच्छ के आकार का था, जिसकी अनुमानित लंबाई लगभग तीन मीटर थी। ये जीव मुख्यत: घने जंगलों में रहते थे और मीठे जल स्त्रोतों के आसपास विचरण करते थे। डॉ. नारायण दास इणखिया ने बताया कि यह खोज जैसलमेर ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मेघा गांव में मिला जीवाश्म करीब दो मीटर लंबा है, जिसमें सिर, रीढ़ की हड्डी एवं पंजे जीवाश्म रूप में स्पष्ट रूप से संरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि भारत में गोंडवाना क्षेत्र के बाद केवल जैसलमेर में ही इस प्रकार का जीवाश्म रिपोर्ट हुआ है, जिससे जैसलमेर की जीवाश्मीय विविधता और महत्व एक बार फिर सामने आया है।

जैसलमेर जिले के मेघा गांव में मिले दुर्लभ डायनासोर प्रजाति के जीवाश्म के संरक्षण को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। जिला कलेक्टर प्रताप सिंह व फतेहगढ़ उपखण्ड अधिकारी लगातार निगरानी रखते हुए आवश्यक निर्देश जारी कर रहे हैं। शीघ्र ही इस ऐतिहासिक जीवाश्म को सुरक्षित संरक्षित कर आमजन के लिए प्रदर्शित किया जाएगा। यह खोज पुरा-जीव विज्ञान एवं भू-विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान को नई दिशा देने के साथ-साथ जैसलमेर को वैश्विक फॉसिल मानचित्र पर और सशक्त रूप से स्थापित करेगी।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने आदर्श डिफेंस एवं स्पोर्ट्स एकेडमी का किया लोकार्पण

जोधपुर, (कासं)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश विरोधी ताकतों को खुली चेतावनी देते हुए कहा है कि भारत को छेड़ने वालों को छोड़ेंगे नहीं। उन्होंने पहलगाम घटना का जिक्र करते हुए कहा कि आतंकियों ने वहां लोगों का धर्म पूछकर उनकी हत्या की थी, लेकिन हमारे जवानों ने आतंकियों को धर्म नहीं बल्कि कर्म देखकर मार गिराया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को यहां हनवंत आदर्श विद्यामंदिर लालसागर परिसर में आदर्श डिफेंस एवं स्पोर्ट्स एकेडमी के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। राजनाथ सिंह ने लाल सागर स्थित विद्या भारती द्वारा संचालित आदर्श विद्या मंदिर परिसर में लालसागर परियोजना के तहत तैयार की गई आदर्श डिफेंस एवं स्पोर्ट्स एकेडमी का लोकार्पण किया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों ने सशस्त्र बलों को पूर्ण समर्थन दिया, जो इस बात का प्रमाण है कि राष्ट्र की सुरक्षा केवल सरकार या सेना की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यदि नागरिक, विशेषकर युवा अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक और समर्पित रहे तो देश किसी भी कठिनाई का सामना कर सकता है और मजबूत बन सकता है। रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान युवाओं द्वारा दिखाए गए उत्साह और दृढ़ संकल्प की सराहना की। इस बात पर जोर देते हुए कि भारत जाति और धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करता, उन्होंने कहा कि जहां पहलगाम में आतंकवादियों ने निर्दोष लोगों के धर्म के आधार पर उनकी हत्या की, वहीं भारतीय सशस्त्र बलों ने आतंकवादियों को शरण देने वालों को उनके कृत्य के आधार पर खात्मा किया। उन्होंने इस ऑपरेशन को नए भारत की पहचान बताया। उन्होंने कहा कि रक्षा और शिक्षा का संगम अनूठा होता है और जब इसमें खेल का भी समावेश होता है, तो यह और भी विशेष बन जाता है। उनके अनुसार यहां से निकलने वाले विद्यार्थी न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश का नाम रोशन करेंगे।

केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथसिंह ने मारवाड़ राजपूत सभा भवन में शहीद वीरांगनाओं का सम्मान किया।

उन्होंने कहा कि शिक्षा ज्ञान प्रदान करती है जबकि रक्षा से सुरक्षा सुनिश्चित होती है। दृढ़ता, अनुशासन, धैर्य और दृढ़ संकल्प जैसे गुण एक सैनिक के लिए उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितने एक खिलाड़ी के लिए। रक्षा, शिक्षा और खेल के इस संगम से निकले छात्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकते हैं। उन्होंने नागरिकों से एक ऐसे राष्ट्र के निर्माण का आव्हान किया जो ज्ञान, संस्कृति और शक्ति के मामले में दुनिया में अग्रणी हो।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि विद्या भारती पिछले छह दशक से संस्कारमय शिक्षा दे रही है। जोधपुर में यह यात्रा 1964 से जारी है और वर्तमान में 17 विद्यालय संचालित हो रहे हैं। विद्या भारती के संगठन मंत्री यतींद्र शर्मा ने बताया कि संघ के शताब्दी वर्ष में यह बड़ा प्रकल्प विकसित किया जा रहा है। परियोजना समिति अध्यक्ष डॉ. निर्मल गहलोत ने बताया कि यह केंद्र रक्षा, खेल, आचार्य प्रशिक्षण, प्रशासनिक सेवाओं, कौशल विकास तथा शोध-आधारित शिक्षा का उत्कृष्ट मॉडल होगा। विद्या भारती जोधपुर प्रांत अध्यक्ष प्रो. नरपत सिंह शेखावत ने बताया कि यह केंद्र शिक्षा, संस्कार, अनुशासन और राष्ट्र सेवा के मूल्यों पर आधारित एक आदर्श मॉडल के रूप में विकसित होगा। परियोजना के लिए आर्थिक सहयोग देने वाले भामाशाहों का प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, पूर्व सांसद कैलाश चौधरी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक निंबाराम, ससंदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल सहित देश-प्रदेश के सांसद, विधायक, सैन्य और प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

वहीं केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथसिंह ने सोमवार को दोपहर में मारवाड़ राजपूत सभा भवन में शहीद वीरांगनाओं का सम्मान किया। सभा के अध्यक्ष हनुमानसिंह खांगटा ने बताया कि मारवाड़ राजपूत सभा की ओर से रक्षामंत्री का अभिनंदन भी किया गया। इस दौरान केंद्रीय संस्कृति व पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी उपस्थित रहे।

- पहलगाम में आतंकियों ने धर्म पूछकर मारा, लेकिन हमने कर्म देखकर मारा : रक्षा मंत्री

अगर हमारे फिजियो किसी खिलाडी को काम के बोझ के प्रबंधन के लिए कह रहे हैं तो मुझे लगता है कि हमें उनकी बात सुननी चाहिए क्योंकि वे चीजों को बेहतर समझते हैं। - चेतन शर्मा

पूर्व भारतीय गेंदबजा, जसप्रीत बुमराह को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

सानिया चंडोक

मुंबई की हाई-प्रोफाइल सोसाइटी में नाम सानिया चंडोक इन दिनों खासी चर्चा में है। दरअसल, सानिया भारतीय क्रिकेट के महान दिग्गज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की मंगेतर हैं। बल्कि इसलिए भी कि वह एक ऐसे कारोबारी घराने से आती हैं जिसकी पहचान भारत के हॉस्पिटैलिटी और फूड इंडस्ट्री में दशकों से स्थापित है। सानिया का परिवार बैकग्राउंड, शिक्षा और खुद के बिजनेस वेंचर उन्हें एक अलग पहचान दिलाते हैं। सानिया चंडोक मुंबई के मशहूर घई परिवार से है। उनके नाना रवि इकबाल घई ठाविस हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड के चेयरमैन हैं।

क्या आप जानते हैं ?... एशिया कप में आठ खिताबों (सात वनडे और एक टी20 अंतरराष्ट्रीय) के साथ भारत इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम है। श्रीलंका छह खिताबों के साथ दूसरी सबसे सफल टीम है।

सावि की हैट्रिक ने बीकानेर पोलो टीम को महाराज जगत सिंह मेमोरियल कप के फाइनल में पहुंचाया

जयपुर, 25 अगस्त। तीन दिन के मानसून के विराम के बाद,जयपुर राइडिंग एंड पोलो क्लब, बिंदैयाका में महाराज जगत सिंह मेमोरियल कप का रोमांच फिर से लौट आया। शानदार प्रदर्शन करते हुए, टीम बीकानेर पोलो ने टीम जेआरपीसी को5-0 के अंतिम स्कोर से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। सावि गोदारा मैदान पर अजेय रहे,उन्होंने बीकानेर पोलो के लिए सभी पाँच गोल दागे और एक ऐसी हैट्रिक लगाई जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नरेंद्र और योगेंद्र के कड़े प्रयासों के बावजूद,टीम जेआरपीसी रक्षा पंक्ति को भेदने या अपनी गति को गोल में बदलने में विफल रही। हालाँकि मैदान पर हाल ही में हुई बारिश के निशान थे,फिर भी पोलो का उत्साह अडिग रहा, जो दृढ़ ता,शालीनता और सरपट दौड़ के साथ आगे बढ़ता रहा।

भारत ने अंडर-11 और नेपाल ने जीती अंडर-14 रिबाउंडर बॉल चैम्पियनशिप

जयपुर, 25 अगस्त। भारत और नेपाल के बीच पोखरा (नेपाल) मे आयोजित मिनी- सब जूनियर सब -जूनियर वर्ग की रिबाउंडर बॉल चैंपियनशिप में भारत ने अंडर-11 बालक वर्ग और नेपाल ने अंडर-14 बालक वर्ग की चैंपियनशिप जीती। रिबाउंडर बॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव रमेश सिंह के अनुसार अंडर-11 वर्ग में तीन मैचों की चैंपियनशिप में भारत ने 3-0 से जीत दर्ज की। भारत ने पहला टेस्ट 4-3 से, दूसरा टेस्ट 13-3 से और तीसरा टेस्ट 7-2 से जीती। सब जूनियर अंडर-14 वर्ग में पहला मुकाबला भारत ने 6-2 से जीता लेकिन नेपाल ने दूसरा मैच 2-1 से जीत 1-1 से बराबरी हासिल कर ली। निर्णायक मुकाबले में नेपाल ने 3-2 की रोमाचक जीत के साथ चैंपियनशिप अपने नाम कर ली। समापन समारोह में विजेताओं को फेडरेशन के महासचिव रमेश सिंह ने पुरस्कार प्रदान किए।

सागरमल मेहता बैडमिंटन में सतवीर ने तिहरे एवं स्तुति ने जीते दोहरे खिताब

जयपुर, 25 अगस्त। सागर मेहता मेमोरियल बैडमिंटन चैंपियनशिप के आज अंतिम दिन सभी फाइनल खेले गए राजस्थान बार एसोसिएशन के अध्यक्ष महेंद्र शांडिल्य व रमित पारीक ने बताया आज न्यायाधीश समीर जैन व न्यायाधीश सुदेश बंसल एवम पूर्व उपमाधिवक्ता अनिल मेहता ने प्रदर्शन मैच खेला साथ ही खिलाड़ियों की हौसला बढ़ाया। आज खेले गये अडर 40 फाइनल में सतवीर ने एकल, युगल व मिश्रित युगल का खिताब जीता। एकल के फाइनल मे सतवीर ने राहुल त्यागी को हराया ,मिक्स्ड डबल्स फाइनल मैच में सतबीर गुर्जर व भुवनेश्वरी ने पार्थ वशिष्ठ व किंजल सुराणा को 21- 12 ,21 -14 से हरा फाइनल जीता ,अंडर 40 पुरुष युगल में सतवीर गुर्जर व आयुष बिश्नोई ने फाइनल में व्युमेश शर्मा और अजय खेदड़ को 21- 13 21- 15 से हरा तीसरा खिताब भी सतवीर ने अपने नाम किया। आज खेले गए पुरुष एकल 40 वर्ष आयु से अधिक के खिलाड़ियों में संदीप खींची ने भरत सिंह को 15-13 ,15- 3 से हराया वहीं महिला एकल में स्तुति भंसाली ने भुवनेश्वरी को हराया। महिला युगल में स्तुति भंसाली व अनीमा चतुर्वेदी की जोड़ी ने तन्वीशा व किंजल की जोड़ी को फाइनल में संघर्ष भरे तीन गेमों में 21 -14, 19- 21 ,21 -18 से हरा खिताब जीता तथा 60 प्लस आयु वर्ग में टी. पी पांडे ने 21-9 21-10 से रमेश को फाइनल में हराया वही मेंस डबल्स 40 प्लस आयु के फाइनल में अमित पुनिया व भीष्म सिंह सिसोदिया की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अजय शर्मा व भवानी की जोड़ी को 21-13, 21-10 से पराजित किया।

वेटलिफ्टर मीराबाई चानू की गोल्डन वापसी

कॉमनवेल्थ चैम्पियनशिप में गोल्ड जीता, पेरिस ओलिंपिक के बाद पहला मुकाबला खेल रही थी

नई दिल्ली, 25 अगस्त। भारतीय महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने अहमदाबाद में चल रही कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीत लिया है। 48 वेट कैटेगरी में शिरकत करते हुए चानू ने कुल 193 वेट उठाया। स्नैच में उनकी बेस्ट लिफ्ट 84 की रही, वहीं क्लीन एंड जर्क में उन्होंने 109 वजन उठाया।

चानू पेरिस ओलिंपिक के बाद पहली बार किसी इंटरनेशनल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में उतरी थीं। 2020 टोक्यो ओलिंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट चानू पेरिस ओलिंपिक में मेडल जीतने से चूक गई थीं। तब वे चौथे स्थान पर रही थीं।

स्नैच में 1 प्रयास ही सफल हो पाया चोट की वजह से चानू करीब 1 साल से इंटरनेशनल इवेंट्स से दूर रही थीं। तैयारी की कमी का असर उनके प्रदर्शन से जाहिर हो रहा था। उन्होंने स्नैच में 3 प्रयासों में केवल एक सफल लिफ्ट किया।

पहले प्रयास में वे 84 वेट लिफ्ट करने में फेल रहीं और दाहिने घुटने को पकड़ते दिखाई दी। हालांकि दूसरे प्रयास

में उन्होंने यही वजन आराम से उठा लिया। तीसरे प्रयास में उन्होंने 89 उठाने की कोशिश की लेकिन कामयाब नहीं हो सकीं।

स्नैच के बाद क्लीन एंड जर्क की लिफ्टिंग हुई। चानू ने पहले अटैम्प्ट में 105 उठाया। दूसरे प्रयास में उन्होंने 109 वेट भी आसानी से उठा लिया। तीसरे प्रयास में चानू ने 113 वेट उठाने की कोशिश की लेकिन विफल रहीं। इस तरह स्नैच में 84 और क्लीन एंड जर्क में 109 की बेस्ट लिफ्ट के साथ चानू ने ओवलऑल 193 वेट उठाया और गोल्ड अपने नाम कर लिया। मलेशिया की आइरीन हेनरी ने कुल 161 (73 88) उठाकर सिल्वर मेडल जीता, जबकि वेल्स की निकोल रॉबर्ट्स ने कुल 150 किलो (70 80) के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

49 कैटेगरी से 48 में शिफ्ट हुई हैं चानू 31 वर्षीय चानू पहले 49 किलो वर्ग में वेटलिफ्टिंग करती थी। हालांकि पिछले ओलिंपिक में 49 किलो वर्ग हटा दिया गया, जिस वजह से उन्हें 48 किलो वर्ग में शिफ्ट होना पड़ा।

पर्सनल बेस्ट से अभी काफी दूर हैं चानू चानू ने भले ही कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में गोल्ड जीता हो लेकिन अभी वे अपने पर्सनल बेस्ट से काफी दूर हैं। स्नैच में उनका पर्सनल बेस्ट 88 और क्लीन एंड जर्क में 119 है। इस तरह उनका कंबाइंड पर्सनल बेस्ट 207 है। पेरिस ओलिंपिक में चानू ने टोटल 199 वेट उठाया था। वहीं, टोक्यो ओलिंपिक में उन्होंने 202 वेट उठाया था।

ऐश्वर्य ने जीता एशियन शूटिंग चैम्पियनशिप में गोल्ड

अद्रियानका जूनियर पुरुष 3 में एशियाई रिकॉर्ड, 25 गोल्ड के साथ भारत टॉप पर

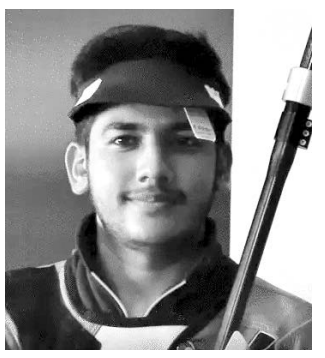

नई दिल्ली, 25 अगस्त। भारत के ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 16वें एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप के 50 मीटर मेंस राइफल 3 पोजीशन (3) इंडिविजुअल इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने फाइनल में 462.5 स्कोर किया। कजाकिस्तान के शिमकेंट में चल रही चैंपियनशिप में ऐश्वर्य ने शुरू से ही बढ़त बना ली। पहले पांच शॉट्स (नीलिंग पोजीशन) के बाद वे आगे निकल गए और फिर लगातार अपनी बढ़त को मजबूत करते रहे। 13वें शॉट के बाद झाओ और ऐश्वर्य के बीच केवल 0.3 अंकों का अंतर था। ऐश्वर्य ने 14वें शॉट में 10.8 का स्कोर बनाकर फिर से एक अंक से ज्यादा की बढ़त हासिल की, जो अंत तक बनी रही। उन्होंने 0.5 अंकों के अंतर से गोल्ड मेडल जीता। जापान के नाओया ओकाडा (448.8) ने ब्रॉन्ज मेडल जीता, जबकि चैन सिंह (435.7) और अखिल श्योरान (424.9) क्रमश: चौथे और पांचवें स्थान पर रहे। भारत के तीनों शूटरों ने फाइनल के लिए क्वालिफाई किया पुरुष 3 स्पर्धा में भारत के तीनों निशानेबाजों ने फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। ऐश्वर्य ने 584 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल कर सबसे ऊंचा क्वालिफिकेशन स्कोर बनाया। अनुभवी निशानेबाज चैन सिंह 582 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहे, जबकि विश्व चैंपियनशिप ब्रॉन्ज मेडल विजेता अखिल श्योरान ने 581 अंकों के साथ सातवां स्थान प्राप्त किया। चीन के भी तीनों निशानेबाज फाइनल में पहुंचे, जबकि जापान और कोरिया के एक-एक शूटर फाइनल के लिए क्वालिफाई किए। हालांकि, भारत को टीम गोल्ड मेडल से चूकना पड़ा। भारत का कुल स्कोर 1747 रहा, जो चीन के 1750 से तीन अंक कम था। ऐश्वर्य इस टूर्नामेंट में दूसरी बार गोल्ड मेडल जीता ऐश्वर्य का इस टूर्नामेंट में यह दूसरा गोल्ड है। वह एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल भी जीत चुके हैं। चीन के झाओ वेन्यू ने सिल्वर और जापान के नाओया ओकाडा ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। जूनियर में अद्रियान और वेदांत ने भारत को मेडल दिलाए जूनियर के मेंस राइफ थ्री पोजीसन में भारत को दो मेडल मिले। अद्रियान ने गोल्ड और वेदांत ने ब्रॉन्ज मेंडल जीता। फाइनल में अद्रियान ने शानदार शुरुआत की।

संजू ने केरल क्रिकेट लीग में शतक लगाया

एशिया कप के प्लेइंग इलेवन के लिए दावेदारी पेश की

नई दिल्ली, 25 अगस्त। एशिया कप से ठीक पहले संजू सैमसन ने डोमेस्टिक टी-20 लीग केरल क्रिकेट में शतक लगा दिया है। उन्होंने इस शतक से भारतीय टीम की प्लेइंग इलेवन के लिए अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है। एशिया कप 9 सितंबर से में खेला जाएगा। संजू ने कोच्चि ब्लू टाइगर्स की ओर से खेलते हुए सिर्फ 51 गेंदों में 121 रन बनाए, जिसमें 14 चौके और 7 छक्के शामिल थे। उन्होंने 16 गेंदों पर हाफ सेंचुरी पूरी की जबकि 42 गेंदों पर शतक पूरा किया। इस मैच में वह ओपनिंग करने उतरे थे। संजू की टीम कोच्चि ब्लू टाइगर्स ने एरीज कोल्लम सेलर्स को 4 विकेट से हराया।

एरीज कोल्लम सेलर्स ने 236 रन बनाए टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी एरीज कोल्लम सेलर्स ने 20 ओवर में 236 रन बनाए। विकेटकीपर बल्लेबाज विश्नु विनोद ने 94 रन (41

गेंदों पर) और सचिन बेबी ने 91 रन (44 गेंदों पर) की शानदार पारी खेली। दोनों ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए सिर्फ 66 गेंदों में 143 रनों की साझेदारी की। एरीज ने शुरुआती 6 ओवर में 1 विकेट पर 100 रन बनाकर टूर्नामेंट का रिकॉर्ड बनाया। 237 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कोच्चि ब्लू टाइगर्स को आखिरी ओवर में 17 रन चाहिए थे। मोहम्मद आशिक ने पहले दो गेंदों पर चौका और छक्का लगाकर मैच को रोमांचक कर दिया। अगले तीन गेंदों में सिर्फ एक रन आए और एक विकेट भी गिरा।

आखिरी गेंद पर टीम को 6 रन चाहिए थे। आशिक ने सामने की तरफ सिक्स लगाकर कोच्चि ब्लू टाइगर्स को जीत दिला दी। आशिक ने 18 गेंदों में नाबाद 45 रन बनाए, जिसमें 3 चौके और 5 सिक्स भी शामिल थे।

एशिया कप के प्लेइंग-11 में संजू के लिए जगह बनाना मुश्किल एशिया कप 9 सितंबर को में शुरू होगा। फाइनल 28 सितंबर को खेला जाएगा। भारत ने 17 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। इस टीम में संजू को भी जगह दी गई है। एशिया कप के लिए घोषित टीम में इस बार टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को भी जगह दी गई है। टीम में दूसरे विकेटकीपर के तौर पर जितेश शर्मा को भी शामिल किया गया है।

राजस्थान के इतिहास में पहली बार अरशान बने बॉडी बिल्डिंग के एशिया चैम्पियन

जयपुर, 25 अगस्त। बैंकोक, थाईलैण्ड में 18 से 25 अगस्त को आयोजित हुई 57वीं एशियन बॉडी बिल्डिंग एण्ड फिजिक स्पोर्टस चैम्पियनशिप में राजस्थान के बॉडी बिल्डर अरशान खान ने 100 किलो भार वर्ग में गोल्ड मैडल हासिल कर सभी 10 किग्रा भार वर्गों के विजेताओं से प्रतियोगिता में सम्पूर्ण एशिया के नम्बर वन चैम्पियन बने। राजस्थान बॉडी बिल्डिंग संघ के अध्यक्ष नवीन यादव ने बताया कि बॉडी बिल्डर अरशान खान मिस्टर एशिया बनने से पहले ऑल इण्डिया फैडरेशन कप में सिल्वर मैडल, ऑल इण्डिया इन्टरनेशनल यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में वर्ष 2019, 2021, 2023 में गोल्ड मैडल जीता, जूनियर मिस्टर नोर्थ इण्डिया ने 2016, 2017 में गोल्ड मैडल जीता, मिस्टर राजस्थान में वर्ष 2014, 2015, 2016, 2017, 2021 व 2022 में गोल्ड मैडल जीत के साथ ही चैम्पियन ऑफ चैम्पियन का खिताब जीता।

शाकिब टी-20 में 500 विकेट लेने वाले 5वें गेंदबाज बने

नई दिल्ली, 25 अगस्त। बांग्लादेश के दिग्गज ऑलराउंडर शाकिब अल हसन टी-20 क्रिकेट में 500 विकेट लेने वाले दुनिया के पांचवें गेंदबाज बन गए हैं। शाकिब ने कैरेबियन प्रीमियर लीग (2025) में रविवार को सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के खिलाफ एंटिगुआ एंड बारबुडा फाल्कन्स की ओर से खेलते हुए यह अचीवमेंट हासिल की। शाकिब ने दो ओवर की गेंदबाजी में 11 रन देकर 3 विकेट झटके। उनके गेंदबाजी से फाल्कन्स ने 7 विकेट की जीत हासिल की। टीम पॉइंट टेबल में टॉप पर बरकरार है। इस मैच से पहले शाकिब को 500 विकेट पूरे करने के लिए सिर्फ एक विकेट की जरूरत थी, जो उन्होंने अपनी छठी गेंद पर हासिल कर लिया। पैट्रियट्स टीम के 4 बैटर्स दहाई तक नहीं पहुंचे पहले बल्लेबाजी करने उतरी पैट्रियट्स की टीम 133/9 बना सकी।

शटलर लक्ष्य सेन बैडमिंटन वर्ल्ड चैम्पियनशिप से बाहर

वर्ल्ड नंबर-1 चीन के शी यू की ने हराया, सिंधु और प्रणय के मैच बाकी

नई दिल्ली, 25 अगस्त। वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत के युवा शटलर लक्ष्य सेन को हारकर बाहर होना पड़ा है। सोमवार को राउंड ऑफ 64 मैच में उन्हें वर्ल्ड नंबर-1 चीन के शी यू की ने सीधे गेम में हरा दिया।

पेरिस के अडीडास एरिना में चीनी प्लेयर ने 21-17, 21-19 से बाजी मारी और अगले राउंड में एंट्री की। चीनी प्लेयर ने चौथी बार हराया शी यू की और लक्ष्य के बीच बैडमिंटन में पांचवां ही मैच खेला गया। शी ने इनमें चौथी बार बाजी मारी, लक्ष्य 1 बार ही चीनी प्लेयर को हरा सके। 54 मिनट तक चले मैच में शी हावी ही दिखे। उन्होंने 21-17 से पहला गेम जीतने के बाद 21-19 से दूसरा गेम भी जीत लिया।

दोनों प्लेयर्स इसी साल जून में आखिरी बार इंडोनेशिया ओपन के दौरान भी भिड़े थे। तब भी शी ने बाजी मारी थी। हालांकि, तब मुकाबला 3 गेम तक चला था। शी के खिलाफ लक्ष्य की इकलौती जीत 2022 के एशियन गेम्स में आई थी। तब लक्ष्य ने 22-20, 14-21, 21-18 से मैच जीता था। सिंगल्स में प्रणौय और सिंधु बाकी वर्ल्ड चैंपियनशिप में 24 साल के लक्ष्य सेन की हार के साथ मेंस सिंगल्स में भारत की चुनौती कम हो गई। अब सिंगल्स में एचएस प्रणौय ही बचे हैं, उनका राउड ऑफ 64 मैच मंगलवार को होगा। विमेंस सिंगल्स में पीवी सिंधु का राउंड ऑफ 64 मैच भी मंगलवार को ही होना है।

प्रणौय फिनलैंड के जोकिम ओल्डोर्फ से भिड़ेंगे। वहीं सिंधु बुल्गारिया की काल्योना नाल्बांतोवा का सामना करेंगी। मेंस और मिक्स्ड डबल्स में भारत की एक-एक जोड़ी टूर्नामेंट खेल रही हैं। दोनों के मैच मंगलवार को होंगे। विमेंस डबल्स में 2 भारतीय जोड़ियां हिस्सा ले रही हैं।

एशिया कप 2025 में भारत-पाक मैच को लेकर विवाद गहरा

कांग्रेस ने बीसीसीआई को पत्र लिखकर मैच रद्द करने की मांग की

नई दिल्ली, 25 अगस्त। एशिया कप 2025 में भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर विवाद गहरा गया है। कांग्रेस ने बीसीसीआई को पत्र लिखकर मैच रद्द करने की मांग की है। उन्होंने पहलगाम हमले के बाद दोनों देशों के तनावपूर्ण संबंधों का हवाला देते हुए कहा कि इस समय पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना देश हित के खिलाफ है।नई दिल्ली।अगले महीने से यूएई में शुरू हो रहे एशिया कप-2025 में भारत और पाकिस्तान की टीमें एक-दूसरे के खिलाफ मैच खेलेंगी। इस मैच को लेकर काफी हंगामा मचा हुआ है।

मामले पर राजनीति काफी गहरा गई है और विपक्षी पार्टी कांग्रेस का सांसद गौरव गोगोई ने ये मुद्दा एक बार फिर उठाया है। गौरव ने बीसीसीआई को एक पत्र लिखा है जिसमें साफ तौर पर कहा है कि भारत को ये मैच नहीं खेलना चाहिए। अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के संबंध काफी खराब हो गए हैं। इसके बाद से भारत में हर मोर्चे पर पाकिस्तान का विरोध किया जा रहा है। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर कर इस हमले का बदला लिया और लगातार पाकिस्तान को घेर रहा है। इसी के चलते इस मैच का विरोध भी हो रहा है और बीसीसीआई के साथ-साथ भारतीय सरकार पर भी सवाल उठ रहे हैं।

भारत और पाकिस्तान के बीच मैच 14 सितंबर को खेला जाना है। लोकसभा सांसद गौरव ने अपनी बात रखते हुए कहा कि इस समय पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच खेलना देश हित के खिलाफ है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकया को लिखे पत्र में गौरव ने लिखा, ''वैसे क्रिकेट हमेशा से एक ऐसा माध्यम रहा है जो लोगों के चेहरे पर हंसी लेकर आया है, लेकिन भारत और पाकिस्तान के मौजूदा हालात को देखते हुए इस तरह के आयोजनों को देश हित के ऊपर तरजीह नहीं दी जा सकती।''

गौतम गंभीर फाउंडेशन को राहत नहीं

नई दिल्ली, 25 अगस्त। दिल्ली हाई कोर्ट ने गौतम गंभीर फाउंडेशन और उसके सदस्यों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया है। बता दें कि, गंभीर के इस फाउंडेशन में उनके अलावा उनकी पत्नी और मा सीमा गंभीर शामिल हैं। दरअसल, मामला कोरोना महामारी के दौरान 21 में बैगर लाइसेंस के दवा बांटने से जुड़ा है।सितंबर 2021 में हाईकोर्ट ने दिल्ली के औषधि नियंत्रण विभाग द्वारा गौतम गंभीर फाउंडेशन के खिलाफ रोहिणी कोर्ट में दायर एक आपराधिक शिकायत की कार्यवाही पर रोक लगा दी थी।

हमारा लक्ष्य हीरो एशिया कप जीत कर हॉकी विश्वकप 2026 के लिए क्वालीफाई करना : हरमनप्रीत

पटना, 25 अगस्त । भारतीय पुरूष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने सोमवार को कहा कि हमारा लक्ष्य हीरो एशियाकप जीतकर हॉकी विश्वकप 2026 के लिए सीधे क्वालीफाई करना है। सिंह ने आज यहां यूनीवार्ता से बातचीत में कहा कि इस प्रतियोगिता में भारत किसी भी टीम को हल्के में नही ले रही है और हम हर मैच को पूरी मुस्तैदी से खेलेंगे। उन्होंने कहा कि हमारे पास प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की एक नर्सरी तैयार है जो भारतीय हॉकी को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

भारतीय हॉकी टीम के कप्तान ने कहा कि हाल ही में अपने बेंच स्ट्रेंथ को टेस्ट करने के किये ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 24 सदस्यों की भारतीय हॉकी टीम गयी थी। पहले दो प्रयोगात्मक मैच हम हारे लेकिन बाद के दो मुकाबलों में एक हमने ऑस्ट्रेलिया जैसी सशक्त टीम को हराया।हरमनप्रीत तीन ओलम्पिक खेलो 2016,2021 और 2024 में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और दो बार कांस्य पदक हासिल करने में सफल रहे हैं। 2024 के पेरिस ओलम्पिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीन के वह कप्तान भी थे।

2016 के ओलम्पिक खेलो में हरमनजीत की हॉकी स्टिक कोई गोल किये बिना खामोश रह गयी थी, इस सवाल के जवाब में भारतीय कप्तान ने कहा कि एक साल पहले ही भारतीय टीम में उनका चयन हुआ था। उस समय अनुभव की कमी थी और सीनियर खिलाड़ियों का दबदबा था लेकिन उस अनुभव से बहुत कुछ सीखा गया। उन्होंने कहा कि मेहनत का कोई स्थानापन्न नही होता है, मैंने ठान लिया कि आगे देश के लिए कुछ करना है, इसके बाद सफलता मिलती गयी। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रन शंकरन ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पहली बार राज्य में कोई एशिया स्तर की पुरुष हॉकी प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इससे पहले बिहार ने महिलाओं की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजित की गयी थी। उन्होंने कहा कि खेलकूद के इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के साथ हमारी आयोजन क्षमता बढ़ रही है। महिलाओं की हॉकी टीम को हमने बोधगया में ठहराया था लेकिन इस बार पुरूष टीम खेलकूद के स्थल के पास ही राजगीर में ठहरेगी। उन्होंने कहा कि राजगीर में पहले हमारे पास केवल एक हॉकी ट्रैक था लेकिन अब दूसरा भी बन गया है जिससे मैचो को समय सीमा में आयोजित करना आसान हो गया है।

32वीं मुथरादास माथुर अवार्ड : महीपाल, कार्तिक व यथार्थ अवार्ड्स से सम्मानित

जयपुर, 25 अगस्त। 32वें मथुरादास माथुर अवार्ड के लिए वर्ष 2024-25 में सीनियर वर्ग में महीपाल लोमरोर, जूनियर वर्ग में कार्तीक शर्मा व सब जूनियर वर्ग में यथार्थ भारद्वाज सर्वश्रेष्ठ किकेटर चुने गये। पूर्व रणजी खिलाडी वेद आहुजा की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने राजस्थान के खिलाडियों की वर्ष भर के प्रर्दशन के आधार पर सर्वसम्मत से चयन किया है। चयन समिति में अन्य सदस्य पूर्व कप्तान संजय व्यास, शरद जौशी, रोहित झालानी व गौरव शर्मा उपस्थित थे।

अवार्डस के तहत सीनियर वर्ग में 15000 (पन्द्रह हजार) तथा जूनियर व सब जूनियर वर्ग में क्रमश: साडे सात हजार रुपये नकद व सर्टिफिकेट ऑफ एक्सिलेंस, स्मृति चिन्ह, व सम्पूर्ण किट बैग प्रदान किये जाएगें। अवार्डस हर वर्ष की भाँती 6 सितम्बर को होटल हिल्टन में, हवा सडक, प्रात: 11 बजे स्व. मथुरादास माथुर की जन्म तिथि पर दिये जाएंगे। इससे पहले महिपाल लोगरोर को अवार्ड 2017 में मिला था। 5 वर्ष बाद अवार्ड दूसरी बार दिया जा सकता है। इससे

पहले यह अवार्ड पंकज सिंह, अनिकेत चौधरी, अशोक मेनारिया को 2 बार मिल चुका है।

सीनियर कैटेगरी

महिपाल लोमरोर: नागौर, बायें हाथ के बल्लेबाज व गेन्दबाज।

1. मुस्ताक अली: 7 मैच, 6 पारी, 2 नॉट आउट, 146 रन,
गेंदबाजी 7 मैच, 2 पारी, ओवर 4.10-29-2

2. विजय हजारे 8 मैच, 8 पारी, 2 नॉट आउट, 438 रन, 2 शतक, 134 नाबाद उच्चतम, 73 औषत।
गेंदबाजी 1 मैच, 1 पारी, ओवर 1.3-0-09-0

3. रणजी ट्रॉफी 7 मैच, 10 पारी, 1 नॉट आउट, 616 रन, 300 रन नॉट आउट उच्चतम, 68. 44 औषत ।
गेंदबाजी, ओवर 43.1-1-198-5।

जूनियर कैटेगरी

कार्तीक शर्मा: भरतपुर, दायें हाथ के बल्लेबाज व विकेट किपर।

बीनू मंकड ट्रॉफी: बल्लेबाजी: 5 मैच, 5 पारी, 1 नॉट आउट, 492 रन, 225 उच्चतम, 123 औषत, 2शतक, 4 कैंच, 4 स्टम्प।

कूच बिहार ट्रॉफी: 3 मैच, 5 पारी, 0 नॉट आउट, 379 रन, 181 उच्चतम, 45.4 औषत, 3 अर्धशतक, 5 यौच, 3 स्टम्प।

मुस्ताक अली ट्रॉफी 7 मैच, 6 पारी, 201 रन, 58 उच्चतम, 33.5 औषत, 2अर्धशतक, 3 कैच।

विजय हजारे ट्रॉफी 9 मैच, 8 पारी, 0 नॉट आउट, 445 रन्न, 123 उच्चतम, 55.6 औषत, 2 शतक, 2 अर्धशतक, 27 कैच।

रणजी ट्रॉफी 3 मैच, 5 पारी, 0 नॉट आउट, 148 रन, 113 उच्चतम, 29.6 औषत, 1 शतक, 2 कैच।

बोन्जी ने मेदवेदेव को हराकर यूएस ओपन में किया उलटफेर

न्यूयॉर्क, 25 अगस्त। फ्रांस के बेंजामिन बोन्जी ने यूएस ओपन में उलटफेर करते हुए 2021 के चैंपियन डेनियल मेदवेदेव को हराकर अगले दौर में जगह बना ली है। लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में रविवार देर रात खेले गये मुकाबले में फ्रांसीसी खिलाड़ी बोन्जी ने पांच सेटों तक चले मैच में रूसी दिग्गज मेदवेदेव को 6-3, 7-5, 6-7(5), 0-6, 6-4 से हराकर सभी को चौंका दिया। फ्रांसीसी खिलाड़ी बोन्जी ने कुछ हफ्ते पहले विंबलडन में भी मेदवेदेव को हराया था।

उन्होंने एक बार फिर रूसी खिलाड़ी को पहले ही दौर में हराकर ग्रैंड स्लैम से बाहर कर दिया। बोन्जी ने पांच सेटों की मैराथन जीत के बाद सांस फूलने की हालत में स्वीकार करते हुए कहा, मैंने ऐसा पहले कभी अनुभव नहीं किया था। यह परिदृश्य अद्भुत था तीसरे सेट में मैच पॉइंट, चौथे सेट में थकावट, फिर पांचवें सेट में पूरी ताकत। मेरे लिए, यह मेरी अब तक की सबसे अच्छी जीत है।

राजस्थान की गोवा पर 201 से ऐतिहासिक जीत

जयपुर, 25 अगस्त। राष्ट्रीय सब जूनियर बालिका फुटबाल प्रतियोगिता में राजस्थान का पहला मुकाबला गोवा से हुआ जिसमें राजस्थान ने अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए गोआ जैसी मजबूत फुटबॉल टीम को 2-1 से हराकर अपने पूल का पहला मैच जीत लिया। राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि राजस्थान सब जूनियर बालिका टीम छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में आयोजित हो रही राष्ट्रीय सब जूनियर चैंपियनशिप के पूल के पहले मैच में गोआ के सामने खेलते हुए शानदार टीम गेम दिखाते हुए शानदार फुटबॉल खेला और राजस्थान की ओर से राधिका ने 25वें मिनट में शानदार गोल करके राजस्थान को बढ़ त दिलाई। बाद में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल खेला और गोआ ने भी अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए पेनल्टी हासिल की और मैच के 47वें मिनट में गोवा ने पेनल्टी किक से गोल करके मैच में 1- 1 गोल से बराबरी कर ली। राजस्थान की खिलाडियों ने शानदार तालमेल दिखाया और 49वें मिनट में एक बार फिर राधिका ने शानदार गोल करके राजस्थान को 2- 1 बढ़ त दिला दी। अन्तिम समय तक गोवा टीम ने गोल करने का भरसक प्रयास किया लेकिन राजस्थान की ओर से गोलकीपर पायल, आसमान, मनीषा और रूचिका ने शानदार खेल दिखाते हुए संघर्ष पूर्ण मुकाबले में 2-1 से जीत हासिल की। राजस्थान फुटबॉल टीम की जीत पर राजस्थान फुटबॉल संघ के अध्यक्ष कर्नल मानवेन्द्र सिंह, सचिव दिलीप सिंह शेखावत, महिला विंग की चेयरमैन रोशनी टाक और विभिन्न जिला संघो के महेंद्रसिंह बिजरानीया, कैलाश खटीक, अरविंद सिंह, मदन बेनीवाल, अब्दुल जब्बार, हरिराम डारा, सतीश जांगिड़, फरहत अली, दिनेश सिंह, दिलीप सिंह चुण्डावत, अमरसिंह, मनोज जाट, शकील अहमद, तीर्थ सांगा और राजस्थान के सभी भूतपूर्व फुटबॉल खिलाड़ीयों तथा सभी जिला संघो ने टीम की जीत पर बधाई और शुभकामनाएं दी। ज्ञात रहे राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के सभी राज्यों की टीमें भाग ले रही हैं जिसकी मेजबानी इस बार छत्तीसगढ़ फुटबाल संघ कर रहा है। ग्रुप में राजस्थान की टीम का अगला मुकाबला मेजबान छत्तीसगढ़ से 29 अगस्त को होगा। राजस्थान की टीम का प्रशिक्षण शिविर पहली बार राजस्थान से बाहर हिसार, हरियाणा में आयोजित हुआ जिसे फुटबाल की अंतर्राष्ट्रीय सीनियर टीम की खिलाड़ी रेणु ओर एशिया कप क्वालीफाईड निशा रानी ने प्रक्षिक्षण दिया।

हिमाचल में भारी बारिश 5 की मौत

शिमला/धर्मशाला, 25 अगस्त। हिमाचल प्रदेश में मौसम विभाग के रेड अलर्ट के बीच सोमवार को कांगड़ा, बिलासपुर, कुल्लू, हमीरपुर, मंडी में भारी बारिश हुई। बारिश-भूस्खलन के चलते कई जगह भारी नुकसान हुआ है। मणिमहेश यात्रा पर गए पंजाब के चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। प्रशासन ने यात्रा पर अनिश्चितकाल के लिए रोक लगा दी है। दो हजार से ज्यादा श्रद्धालु

- मृतकों में से चार मणिमहेश यात्रा पर गए पंजाब के श्रद्धालू थे। बारिश के कारण मणिमहेश यात्रा रोक दी गई है।

अभी भी बीच रास्ते में फंसे हुए हैं। हालांकि, सभी सुरक्षित स्थानों पर हैं। नूरपुर में डडवाड़ा गांव का गुरुदेव सिंह (72) की खड्ड में बहने से मौत हो गई। प्रदेश की ऊंची चोटियों, शिंकुला दर्रा, कुगती जोत, बारालाचा में 10 से 20 सेंमी तक बर्फबारी हुई है।

खराब मौसम को देखते हुए मंगलवार को ऊना, चंबा, कुल्लू, मंडी, कांगड़ा और बिलासपुर, सोलन, हमीरपुर में स्कूल बंद रखने के आदेश जारी किए गए हैं।

भारत ने पाकिस्तान को बाढ़ की अग्रिम चेतावनी दी

सिंधु जल संधि खत्म होने के बाद भी भारत द्वारा उठाए गए इस कदम की सराहना हो रही है

नई दिल्ली, 25 अगस्त। जम्मू में संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए भारत ने पाकिस्तान को चेतावनी जारी की है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब दोनों देशों के बीच सिंधु जल संधि ठंडे बस्ते में है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि मई में सैन्य संघर्ष के बाद यह दोनों पड़ोसियों के बीच पहला बड़ा संपर्क है।

जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग ने 24 अगस्त को पाकिस्तानी अधिकारियों को जम्मू की तवी नदी में बाढ़ की संभावना के बारे में बताया। भारत के इस कदम के बाद पाकिस्तान ने भी अपने यहां चेतावनी जारी की। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव हुआ। इसी दौरान प्रधानमंत्रीनरेंद्र

- जियो न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग ने जम्मु की तवी नदी में बाढ़ की चेतावनी दी थी, इसके बाद पाकिस्तान ने भी रैड अलर्ट जारी किया है।

मोदीने सिंधु जल संधि को रद्द करने का ऐलान किया था। पाकिस्तान में बाढ़ अलर्ट ऐसे समय आया है जब यह संधि स्थगित है।

न्यूज़पेपर द न्यूज़ ने सूत्रों के हवाले से बताया कि भारत ने बाढ़ से जुड़ी जानकारी साझा करने के लिए पाकिस्तान से संपर्क किया है। हालांकि अभी तक भारत या पाकिस्तान की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। आमतौर पर इस तरह की सूचनाएं सिंधु जल आयुक्तों के माध्यम से साझा की जाती हैं।

सूत्रों के अनुसार, भारत ने जम्मू की तवी नदी में संभावित भीषण बाढ़ के बारे में इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग के जरिए पाकिस्तान को आगाह किया। खबर में यह भी दावा किया गया है कि मई में दोनों देशों के बीच हुए सैन्य संघर्ष के बाद यह पहली बड़ी बातचीत है।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने 30 अगस्त तक पाकिस्तान के अधिकतर हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। मानसून की बारिश से जूझ रहे पाकिस्तान में अब तक 788 से अधिक लोगों की मौत और 1,018 लोगों के घायल होने की खबर है।

डूंगरपुर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ओर से आवागमन बंद कर दिया गया है तथा एहतिहात के तौर पर डूंगरपुर-उदयपुर जिला प्रशासन ने पुलिस जाब्ता तथा प्रशासनिक अधिकारियों को नियुक्त किया है।

डूंगरपुर में सुबह के समय भी आसमान में घनघोर काले बादल छाए हुए हैं और रुक-रुककर बरसात हो रही है। लगातार बारिश की वजह से डूंगरपुर के अमरपुरा बांध छलक गया है। इसके अलावा आकरसोल का नाका, मारगिया, अमरपुरा, टामटिया, पूंजपुरा और बोडीगामा बांध तालाब ओवरफ्लो चल रहे हैं। सभी पर 1 से 2 फीट की चादर चल रही है। जिले में सोमवार सुबह 8 बजे तक पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा बारिश कनवा ने 87 एमएम हुई है।

वहीं देवल में 69 एमएम, डूंगरपुर में 64 एमएम, आसपुर में 44 एमएम, गणेशपुर में 40 एमएम, निठाउवा में 40 एमएम, सोम कमला आंबा बांध क्षेत्र में 28 एमएम, धम्बोला में 30 एमएम, सागवाडा में 26 एमएम, चिखली में 23 एमएम, सावला में 24 एमएम, वेंजा में 27 एमएम बारिश हुई है।

बंगाल के स्कूल भर्ती घोटाले में ईडी की बड़ी कार्यवाही

सत्तारुढ़ तृणमूल के विधायक जीवनकृष्ण साहा को गिरफ्तार किया

कोलकाता, 25 अगस्त। प्रवर्तन निदेशालय ने पश्चिम बंगाल के स्कूलों में शिक्षकों और कर्मचारियों की भर्ती में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में छापेमारी के बाद सोमवार को सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के विधायक जीवन कृष्ण साहा को गिरफ्तार कर लिया। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में उनके आवास पर छापेमारी के बाद उन्हें केंद्रीय जांच एजेंसी ने हिरासत में लिया। सूत्रों के मुताबिक, छापेमारी के दौरान विधायक ने दीवार कूदकर अपने घर से भागने की कोशिश की। उन्होंने अपने फोन भी घर के पीछे एक नाले में फेंक दिए, जो बरामद कर लिए गए हैं।

- ईडी के सूत्रों ने बताया कि विधायक ने दीवार फांदकर भागने की कोशिश की और अपने फोन भी घर के पीछे नाले में फेंक दिए जिन्हें बरामद कर लिया गया है।

छापेमारी के वीडियो और तस्वीरों में एक भीगे हुए विधायक को ईडी और सीआरपीएफ के अधिकारी उस जगह से ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं, जहां चारों ओर झाड़ियां और कचरा फैला हुआ था।

सूत्रों ने बताया कि बुरवान विधानसभा क्षेत्र के विधायक को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एजेंसी के साथ सहयोग न करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि छापेमारी में विधायक के कुछ रिश्तेदार और सहयोगी भी शामिल हैं।

साहा को 2023 में सीबीआई ने इस घोटाले से कथित संबंधों के आरोप में गिरफ्तार किया था और बाद में रिहा कर दिया गया था। ईडी का धन शोधन मामला सीबीआई की ओर से दर्ज एक प्राथमिकी से उपजा है, जिसे कलकत्ता हाईकोर्ट ने समूह ग और घ के कर्मचारियों, कक्षा 9 से 12 तक के सहायक शिक्षकों और प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती में कथित अनियमितताओं की जांच करने का निर्देश दिया था। ईडी ने इससे पहले पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी, उनकी कथित सहयोगी अर्पिता मुखर्जी, टीएमसी विधायक और पश्चिम बंगाल प्राथमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष माणिक भट्टाचार्य के अलावा कुछ अन्य लोगों को इस मामले में गिरफ्तार किया था। ईडी की ओर से गिरफ्तारी के बाद चटर्जी को टीएमसी ने निलंबित कर दिया था। ईडी ने इस मामले में अब तक कुल चार आरोपपत्र दाखिल किए हैं।

भारत ने ट्रंप से डील करने के लिए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तकनीकी साझेदारियों से लेकर ऊर्जा आयात तक, की बारीकी से निगरानी कर रहा है। इस लॉबिइंग अभियान की टाइमिंग भी अहम है। ट्रम्प का नया टैरिफ पैकेज भारतीय सामानों पर शुल्क को दोगुना कर 50 प्रतिशत तक ले जाता है, 25 प्रतिशत जवाबी शुल्क और 25 प्रतिशत अतिरिक्त जुर्माना। इसके समानांतर, वाइट हाउस ने रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर द्वितीयक प्रतिबंध लगाने की चेतावनी भी दी है, जिससे आर्थिक असर व्यापार से कहीं आगे तक पहुँच सकता है।

भारत के लिए यह लडाई सिर्फ आर्थिक नहीं है। अमेरिका उसका सबसे बड़ा निर्यात बाजार है, एक अहम तकनीकी साझेदार है और इंडो-पैसिफिक रणनीति में एक आवश्यक संतुलन है। नई दिल्ली के सामने चुनौती है कि वह अपने व्यापारिक हितों की रक्षा करे, लेकिन वॉशिंगटन के साथ उसकी रणनीतिक समीपता भी बरकरार रहे। इसीलिए लॉबिइंग के जरिये भारत यह दांव खेल रहा है कि प्रभाव, पहुँच और सुनियोजित संदेश के ज़रिये ट्रम्प की संरक्षणवादी नीति के सबसे कठोर प्रभावों को रोका जा सके।

यह कदम वॉशिंगटन के प्रभाव के बाजार में चल रही व्यापक भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को भी दर्शाता है। पाकिस्तान, जो गहरे आर्थिक संकट में है, ने भी लॉबिइंग बजट में भारी इजाफा कर दिया है। एफएआरए के अनुसार, इस्लामाबाद हर महीने लगभग 600,000 (5.2 करोड़) छह से अधिक फर्मों पर खर्च कर रहा है, ताकि वह वाइट हाउस, कांग्रेस और संघीय एजेंसियों को दक्षिण एशिया से जुड़े मुद्दों पर अपनी ओर झुका सके।

इस पृष्ठभूमि में भारत की लॉबिइंग सम्बंधी तेजी से सिर्फ टैरिफ का जवाब नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि वह किसी भी वैश्विक ताकत से अपने प्रभाव के क्षेत्र में पीछे न रह जाए। वॉशिंगटन हमेशा से ही विचार -विमर्श का युद्धक्षेत्र रहा है, और जब दंडात्मक व्यापारिक नीतियाँ सामने हों, तो नई दिल्ली यह सुनिश्चित करना चाहती है कि उसकी आवाज़ बुलंद हो, उसकी बात मजबूती से रखी जाए और उसके हितों की रक्षा वास्तविक समय में हो। अंततः, भारत की यह लॉबिंग मुहिम यह दर्शाती है कि वॉशिंगटन के साथ संबंध अब कूटनीति और राजनीतिक वकालत के मेल से तय होते हैं। जब टैरिफ और प्रतिबंध आसन्न हों, तब लड़ाई केवल व्यापार आंकड़ों या घोषणाओं में नहीं, बल्कि प्रभाव, लॉबिइंग और सत्ता केन्द्रों की नज़दीकी तक सीमित रह जाती है।

इस प्रतिस्पर्धा में नई दिल्ली ने साफ कर दिया है कि वह मूकदर्शक नहीं बनेगी। ट्रम्प की आंतरिक सर्कल तक सीधी पहुँच रखने वाले लॉबिइंग नेटवर्क में निवेश कर भारत यह संकेत दे रहा है कि वह अपने आर्थिक हितों और रणनीतिक स्वायत्तता की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएगा - चाहे राजनीतिक माहौल कितना ही चुनौतीपूर्ण क्यों न हो।

संघ का तीन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अगस्त को सरसंघचालक मोहन भागवत संवाद कार्यक्रम में भाग लेंगे। कार्यक्रम में समाज की प्रमुख हस्तियों को आमंत्रित किया जा रहा है।

आंबेकर ने कहा कि संवाद कार्यक्रम में नोबेल पुरस्कार प्राप्त कैलाश सत्यार्थी और डॉ. त्रेहान भाग लेंगे। हर धर्म के लोग इसमें भाग लेंगे। संवाद कार्यक्रम में दो दिन उद्धबोधन का सत्र रखा है। दो दिन में 100 वर्ष की यात्रा के बारे में बताएंगे। तीसरे दिन आमंत्रित अतिथि भी संबोधन देंगे। साथ ही लोगों के प्रश्नों के जवाब देंगे।

पंचायत चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पद से हटाया गया था। अपील में कहा गया कि इन हटाए गए प्रशासकों की किसी प्रकार की विधिक क्षति नहीं हुई है। दोनों पक्षों की दलील सुवनकर खंडपीठ ने एकलपीठ के आदेश पर रोक लगा दी।

'धनखड़ के बारे में सच-झूठ की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

व्याख्या विपक्ष की बातों पर आधारित नहीं होनी चाहिए। हमें इस सबका तमाशा नहीं बनाना चाहिए। धनखड़ ने एक संवैधानिक पद संभाला था और संविधान के अनुसार अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया।

उन्होंने निजी स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दिया। इस पर ज्यादा विचार विमर्श नहीं होना चाहिए।"

हालांकि, कांग्रेस नेता शाह की सफाई से संतुष्ट नहीं हुए और कहा कि यह समझ से परे है कि हमेशा मुखर और जीवंत रहने वाले धनखड़ इस्तीफे के बाद से पूरी तरह से मौन क्यों हैं।

रमेश ने कहा, यह समझ में नहीं आता कि किसानों की आवाज़ बनने वाले, सदैव उत्साही और स्पष्टवादी श्री धनखड़ पिछले एक महीने से पूरी तरह संपर्क से बाहर क्यों हैं। यह पूरा इस्तीफा प्रकरण अजीब है और यह दिखाता है कि जी2 कैसे काम करता है।

धनखड़ ने 21 जुलाई को संसद के मानसून सत्र के पहले दिन उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को संबोधित अपने इस्तीफे में उन्होंने लिखा, स्वास्थ्य देखभाल को प्राथमिकता देने और चिकित्सा सलाह का पालन करने के लिए, मैं भारत के उपराष्ट्रपति पद से तत्काल प्रभाव से अनुच्छेद 67(क) के तहत इस्तीफा देता हूं।

हालांकि, उनके अचानक और अप्रत्याशित तरीके से इस्तीफा देने और उसके बाद से सार्वजनिक जीवन से पूरी तरह गायब रहने ने राजनीतिक अटकलों को जन्म दे दिया है।

कई मीडिया रिपोर्टों में कहा गया कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ विपक्ष के महाभियोग प्रस्ताव को स्वीकार करने के उनके निर्णय से सरकार नाराज़ थी और इसलिए उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया। कुछ रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया कि सरकार स्वयं धनखड़ के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी कर रही थी।

जंतर-मंतर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देकर उन्हें जीवित बचे रहने में सहयोग करना चाहिए। हरियाणा के किसान और संयुक्त किसान मोर्चा (अराजनीतिक) के सदस्य किशन पाल चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार ने किसानों को किसान सम्मान निधि के रूप में बहुत कम राशि तय की है। इससे छोटे से छोटे किसान को भी अपनी आवश्यकता पूरी करने में मदद नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को हर किसान परिवार को हर साल कम से कम 12 हजार रूपये प्रतिवर्ष की सहायता करनी चाहिए।

'सुदर्शन रेड्डी पर शाह की टिप्पणी पूर्वाग्रह...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के. कन्नन, के. चंद्रू, बी. चंद्रकुमार और कैलाश गंभीर शामिल हैं। प्रोफेसर मोहन गोपाल और वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने भी बयान पर हस्ताक्षर किए हैं।

शुक्रवार को केरल में बोलते हुए शाह ने कहा था, सुदर्शन रेड्डी वह व्यक्ति हैं, जिन्होंने नक्सलवाद को बढ़ावा दिया। उन्होंने सलवा जुडूम का फैसला सुनाया। अगर सलवा जुडूम का फैसला नहीं सुनाया गया होता, तो नक्सली आतंकवाद 2020 तक समाप्त हो गया होता। वह वह व्यक्ति हैं, जो सलवा जुडूम का फैसला देने वाली विचारधारा से प्रेरित थे।

रेड्डी ने शनिवार को कहा था कि वह गृह मंत्री के साथ किसी भी मुद्दे पर बहस नहीं करना चाहते। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह फैसला उनका नहीं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट का है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर शाह ने पूरा फैसला पढ़ा होता, तो वे ऐसी टिप्पणी नहीं करते।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:**-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908